11

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण

पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक : 224 पटना (बिहार) रविवार 15 जून 2025 पेज - 12 मूल्य : 1 R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

लालू ने काट दिया नीतीश का 'सियासी कॉम्बिनेशन', बिहार चुनाव का एमवाई और अतिपिछड़ा कनेक्शन

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटनाः महागठबंधन का नेतृत्व कर रहे राजद के रणनीतिकारों ने अब एक तरफ से अपनी उस रणनीति का खुलासा कर दिया कि वे कैसे एनडीए को सत्ता से अपदस्थ करने की स्ट्रेटजी अपनाने जा रहे हैं। इसे समझना हो तो समाजवादी नेता मंगनी लाल मंडल को प्रदेश अध्यक्ष के महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए तैयार करने और वीआईपी नेता मुकेश सहनी को विशेष तरजीह देने से समझा जा सकता है। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को ध्यान में रख कर राजद अब एमवाई समीकरण से साथ अति पिछड़ा को साथ लेकर चुनावी वैतरणी पार करना चाहती है। राजद की रणनीति :राजद का यह नवीन प्रयोग लोकसभा चुनाव 2024 में आजमाया भी गया। तब राजद नेतृत्व ने कुशवाहा और वैश्य समाज को साध कर एनडीए को शाहाबाद से जीरो पर समेट दिया था। अब इस बार राजद के रणनीतिकारों ने अति पिछड़ा यानी 36 प्रतिशत वोट पर निशाना साधा है। मंगनी लाल मंडल इसी अति पिछड़ा समाज का प्रतिनिधित्व करते बन। मंगनी लाल मंडल धानुक जाति से आते है। राजद के नेतृत्वकर्ता ने मंगनी लाल मंडल के जरिए सिर्फ अत्यंत पिछड़ी जाति को साधने की ही कोशिश नहीं की बल्कि नीतीश कुमार के वोट बैंक में भी सेंधमारी की कोशिश की है।

नीतीश की राजनीति :ज्ञात हो कि नीतीश कुमार की राजनीति को भी बल कुर्मी, कुशवाहा और धानुक जाति की एकजुटता के साथ मिलता रहा है। सामाजिक समीकरण में यादव के विरुद्ध यह गठबंधन भाजपा के साथ अपना राजनीतिक गोल सेट करती रही है। जब मंगनी लाल मंडल नीतीश कुमार के साथ थे इस गोल बंदी में सहायक भी थे। राजद की तरफ से मुकेश सहनी को जो विशेष अहमियत दी जा रही है

उसका निहितार्थ मुकेश सहनी की जाति वालों को राजद के तरफ से आकर्षित करना रहा है। हेलीकॉप्टर पर साथ उड़ना,मछली खाना और बार- बार मुकेश सहनी के द्वारा खुद को उप मुख्यमंत्री प्रपोज करना। सियासत को समझें :हालांकि बिहार की सियासी राजनीति में वीआईपी के नायक मुकेश सहनी यह कह कर अपना महत्व बढ़ाते हैं कि वीआईपी 14 फीसदी मल्लाह वोट की राजनीति वो करते हैं। दूसरे दल यह मान कर चलते हैं कि मल्लाह का वोट बैंक 7 फीसदी के आस पास है। 2023 में बिहार की जातीय गणना के आंकड़ों के मुताबिक मल्लाह जाति की आबादी करीब 34 लाख है। यानी बिहार की कुल आबादी का 2.6 फीसदी। सच्चाई यह है कि बिहार में मल्लाहों की करीब दो दर्जन उपजातियां हैं। एक अनुमान के अनुसार, बिहार के वोट बैंक पर निषादों का हिस्सा ढाई प्रतिशत से कुछ ही अधिक है, लेकिन निषादों की सभी 15 उपजातियों को मिलाकर यह तकरीबन 8 से 9% है। बिहार जाति जनगणना रिपोर्ट में इन उपजातियों की आबादी अलग-अलग बताई गई इस कारण से मल्लाह की संख्या कुल 2.6 बताई गई है। कौन हैं मंगनी लाल मंडल ! :मंगनी लाल मंडल उन समाजवादी नेताओं में शुमार किए जाते रहे हैं जिन्होंने, कपूरी ठाकुर, लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार के साथ पिछड़ी अति पिछड़ी जाति की राजनीति की है। ये लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार के रणनीतिकार भी रहे हैं। मंडल आंदोलन से उभर कर आए मंगनी लाल मंडल 1986 से 2004 तक बिहार विधान परिषद के सदस्य रहे। 2004 से 2009 तक वे आरजेडी से राज्यसभा सांसद रहे। इसके बाद, 2009 से 2014 तक वे जेडीयू से लोकसभा सांसद बने। 2024 में जब उन्हें जेडीयू से उम्मीदवार नहीं बनाया गया, तो वे नाराज हो गए। इसलिए, उन्होंने जेडीयू छोड़ दी। फिर, 6 जनवरी 2025 को वे वापस आरजेडी में शामिल हो गए।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में बड़े पैमाने पर IPS अधिकारियों का तबादला

संवाददाता द्वारा

पटनाः इस वक्त की बड़ी खबर बिहार के पुलिस महकमें से निकलकर सामने आ रही है। राजधानी पटना समेत पूरे राज्य में बढ़ते अपराध की घटनाओं से हो रही फजीहत के बाद नीतीश सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए राजधानी पटना समेत कई जिलों के एसपी का तबादला कर दिया है। सरकार ने कार्तिकेय के शर्मा को पटना का नया ररढ बनाया है। गृह विभाग की तरफ से तबादले की अधिसूचना जारी कर दी गई है। सरकार ने पटना के मौजूदा एसएसपी अवकाश कुमार को बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस-1 पटना का समादेष्टा बनाया है जबकि पूर्णिया के एसपी कार्तिकेय के. शर्मा को पटना का एसएसपी बना दिया है। कार्तिकेय के. शर्मा भारतीय पुलिस सेवा के 2014 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। वहीं पटना के अपराध अनुसंधान विभाग के एसपी चंद्रशेखर प्रसाद को पटना का एसपी लॉ एंड ऑर्डर बनाया गया है। वहीं समस्तीपुर के एसपी अशोक कुमार मिश्रा को विशेष शाखा का एसपी, सुपौल के एसपी शैशव यादव को सहायक पुलिस महानिरीक्षक (आधुनिकीकरण), पटना तैनात किया है। मुजफ्फरपुर के ग्रामीण एसपी विद्या सागर को एसपी, ईआरएसएस, पटना, विशेष शाखा के एसपी विनीत कुमार को जहानाबाद का एसपी तैनात किया गया है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश में बाल-बाल बचा बेगूसराय:का छात्र रितेश

संवाददाता द्वारा

बेगूसरायः अहमदाबाद में हुए एक दिल दहला देने वाले प्लेन क्रैश में बिहार के बेगूसराय जिले के रितेश कुमार शर्मा भी घायल हो गए हैं। वे अहमदाबाद के बीजे मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस सेकेंड ईयर के छात्र हैं। हादसा उस समय हुआ जब एयर इंडिया का एक विमान, जो लंदन के लिए उड़ान भर चुका था, कॉलेज के हॉस्टल की छत पर दुर्घटनाग्रस्त होकर गिर पड़ा। हॉस्टल कैंटीन में खाना खा रहे थे रितेश :रितेश ने बताया कि 'घटना के समय हमसब हॉस्टल की कैंटीन में दोपहर का भोजन कर रहे थे। तभी अचानक एक जोरदार धमाका हुआ, जिससे पूरे कैंपस में अफरा-तफरी मच गई। लोग घबरा गए और जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। मेरे पास बैठे एक अन्य छात्र पर दीवार गिर गई,

क्या लालू यादव ने किया बाबा साहब अंबेडकर का अपमान

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटनाः आरजेडी अध्यक्ष लालू यादव के जन्मदिन के मौके पर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की तस्वीर को लेकर बखेड़ा खड़ा हो गया है. भारतीय जनता पार्टी ने उन पर बाबा साहब का अपमान करने का आरोप लगाया है. दोनों डिप्टी इसको लेकर उन पर हमलावर हैं. विजय कुमार सिन्हा ने जहां इसे देश के करोड़ों दलितों और पिछड़ों का अपमान बताया है, वहीं सम्राट चौधरी ने माफी मांगने की मांग की है. लालू ने किया अंबेडकर का अपमान?: दरअसल, 11 जून को लालू यादव के 78वें जन्मदिन पर उनके एक समर्थक भीमराव अंबेडकर की तस्वीर भेंट करने आए थे. उसने बाबा साहब की तस्वीर को आरजेडी चीफ के पैर के पास ही रख दी. डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने वीडियो शेयर कर कहा कि यह सिर्फ तस्वीर

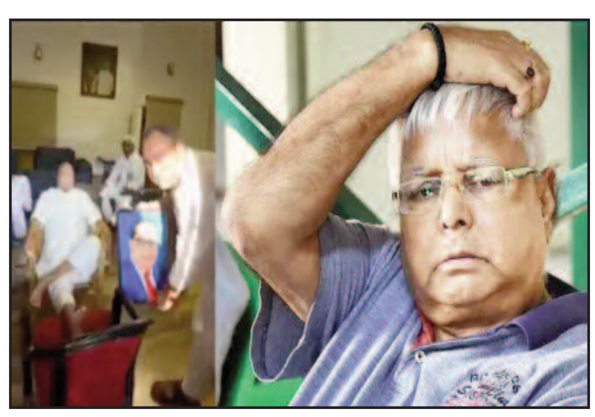

नहीं, मानसिकता का प्रतीक है. यह दिखाता है कि लालू परिवार दलित समाज और बाबा साहब को हमेशा अपने पैरों तले रखना चाहता है. उन्होंने कहा कि यह सिर्फ दुर्भाग्य नहीं, शर्मनाक भी है. धिक्कार है लालू यादव और उनके परिवार की उस सोच पर, जो बाबा साहब के आत्म-सम्मान को इस तरह रौंदती है. देखिए इस वीडियो को. कैसे ठाट-बाट के साथ लालू यादव आराम से बैठे हैं और संविधान निमार्ता, हमारे गौरव बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर को उनके कदमों के पास रखा जा रहा है, फोटो खिंचवाने के लिए. सोचिए जो लोग बाबा साहब जैसे महापुरुष का सम्मान नहीं करते, वो समाज के पिछड़े, अति-पिछड़े और दलित वर्गों के साथ कैसा व्यवहार करते होंगे?- विजय कुमार सिन्हा, डिप्टी सीएम बिहार लालू पर बरसे सम्राट चौधरीः वहीं, सम्राट चौधरी ने भी लालू प्रसाद यादव पर अंबेडकर के अपमान का आरोप लगाया है. उन्होंने कहा कि अपने जन्मदिन के मौके पर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की तस्वीर को उन्होंने अपने चरण के पास रखवाया, यह दलित के प्रति अपमान है और दलित समाज के लोग लालू यादव को माफ नहीं करेंगे. पहले भी आरजेडी अध्यक्ष ने कई महापुरुषों का अपमान किया है. 'दलितों को अपमानित करना लालू के डीएनए में': सम्राट चौधरी ने कहा कि यह लोकतंत्र को शर्मसार करने वाली घटना है. राजनीतिक तौर पर यह काला अध्याय है. उपमुख्यमंत्री ने कहा कि लालू प्रसाद यादव को सार्वजनिक तौर पर अपनी गलती के लिए माफी मांगनी चाहिए.

नालंदा: में भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष ने कार्यकर्ता पर उठाया चप्पल

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

नालंदाः बिहार में विधानसभा चुनाव है। सभी पार्टियां अपने स्तर से चुनावी गोटियां सेट करने में जुटी हुई हैं। पटना की सरगर्मी अब लोकल लेवल पर दिखने लगी है। नालंदा में भाजपा जिला कार्यालय में संगठनात्मक बैठक हुई। जिले के सभी छोटे-बड़े नेता शामिल हुए। महिला मोर्चा को भी बैठक में बुलाया गया था। गर्मी होने की वजह से से माहौल कुछ ज्यादा ही गर्मी देखने को मिली। बीजेपी महिला मोर्चा की नालंदा जिला अध्यक्ष प्रज्ञा भारती ने बीजेपी के नालंदा जिला मंत्री उपेंद्र राजवंशी पर चप्पल के लेकर टूट पड़ीं। नालंदा बीजेपी की मीटिंग में 'चप्पल कांड' हो गया। बीजेपी महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष प्रज्ञा भारती और भाजपा जिला मंत्री उपेंद्र राजवंशी के बीच तीखी बहस हो गई। बहसबाजी इतनी बढ़ गई कि महिला मोर्चा अध्यक्ष ने चप्पल उठा लिया और उपेंद्र राजवंशी पर हमला करने के लिए उतारू हो गईं। बताया जा रहा है कि बैठक के दौरान पंखा (स्टैंड फैन) इधर-उधर करने को लेकर दोनों नेताओं के बीच कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते विवाद का रूप ले लिया। चप्पल उठाने की घटना से उपस्थित कार्यकर्ता और पदाधिकारी स्तब्ध रह गए। हालांकि, मौके पर मौजूद दूसरे नेताओं और कार्यकताओं ने दोनों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया। नालंदा में इखढ की मीटिंग में एक अप्रिय घटना घटी। महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष प्रज्ञा भारती और भाजपा जिला मंत्री उपेंद्र राजवंशी के बीच बहस हो गई। बहस इतनी बढ़ गई कि प्रज्ञा भारती ने उपेंद्र राजवंशी को मारने के लिए चप्पल निकाल लिया घटना पर भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश कुमार ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि पार्टी में इस तरह का आचरण निंदनीय और अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है। इस संबंध में पूरी जानकारी प्रदेश नेतृत्व को दी जाएगी और आवश्यक कार्रवाई के लिए रिपोर्ट भेजी जाएगी। वहीं, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रज्ञा भारती ने अपनी सफाई में कहा कि महिलाओं के सम्मान के लिए हम हमेशा लड़ते आए हैं। जिला मंत्री उपेंद्र राजवंशी पहले से ही महिला कार्यकताओं के साथ अपमानजनक व्यवहार करते रहे हैं। हम ऐसा बर्ताव कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे।

पटना के सेंट जेवियर कॉलेज से मनीषा थापा ने भरी थी सपनों की उड़ान

संवाददाता द्वारा

पटनाः अहमदाबाद विमान हादसे में कई लोगों की जान चली गई है. उन्हीं में से एक हैं एयर होस्टेस मनीषा थापा. मनीषा थापा के निधन के बाद उनके पूर्व शैक्षणिक संस्थान सेंट जेवियर्स कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट के छात्रों, शिक्षकों और प्रशासन को गहरा सदमा लगा है. आज कॉलेज में एक संवेदना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें मनीषा के सहपाठियों, शिक्षकों और एल्युमिनाई सदस्यों ने भाग लिया और मनीषा की याद में एक पौधा कॉलेज परिसर में लगाया. क्षति शब्दों में बयां नहीं हो सकतीः लाइब्रेरी शिक्षक तपेश्वर प्रसाद ने बताया कि मनीषा सहज तरीके से लाइब्रेरी में पुस्तक पढ़ने के बाद कुछ पुस्तकों की लिस्ट उन्हें देती थी. वह उस पुस्तकों को निकाल कर रख देते थे. इसके बाद मनीषा कॉलेज से घर जाते समय उन पुस्तकों को लेकर चली जाती थी और फिर उसे पढ़कर समय पर लौटा देती थी. कोर्स कंप्लीट होने के बाद भी मनीषा तीन-चार बार कॉलेज आई. मनीषा जब भी कॉलेज आती थी, तब सभी शिक्षकों और अपने जूनियर से से जरूर मिलती थी. उनको बताती थी कि मैंने इंडिगो ज्वाइन कर लिया है. "मनीषा बहुत ही सहज स्वभाव की लड़की थी. लाइब्रेरी में

आकर पढ़ाई करती थी और जब भी उनसे पुस्तक मांगती थी, तो कोर्स के किताब के साथ-साथ कम्युनिकेशन स्किल्स और पर्सनालिटी डेवलपमेंट से संबंधित किताब भी लेती थी. वह अपने नाम के अनुरूप थी. मनीषा सेंट जेवियर्स कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट के 2014-17 बैच की छात्रा थीं. मनीषा ने कॉलेज से बैचलर इन बिजनेस इकोनॉमिक्स की पढ़ाई की थी". तपेश्वर प्रसाद, लाइब्रेरी शिक्षक डेड बॉडी की अब तक नहीं हो पाई शिनाख्तः सेंट जेवियर एल्युमिनाई एसोसिएशन के प्रेसिडेंट रंजन कुमार ने बताया कि घटना की खबर सुनने के बाद से सभी स्तब्ध हैं. उनके परिवार से भी एल्युमिनाई एसोसिएशन संपर्क करने की कोशिश कर रहा है. बड़े भाई अमित से अभी बात नहीं हो पाई है, लेकिन दिन के 12:00 तक जानकारी यही मिली कि अभी तक शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है और यह परिवार के लिए और अधिक पीड़ादायक है. पढ़ाई में टॉपर होने के साथ थी लीडरशिप क्वालिटीः रंजन कुमार ने आगे बताया कि वह एक क्लास जूनियर थे, लेकिन उनका और मनीषा थापा का छोटा भाई बड़ी बहन जैसा रिश्ता था. वह बहुत ही मिलनसार और केयरिंग स्वभाव की थीं. अपने बैच की सबसे टैलेंटेड लड़की थी और कॉलेज टॉपर भी थी. पढ़ाई लिखाई के साथ-साथ उनमें नेतृत्व क्षमता भी थी. अपने बैच में हमेशा वह क्लास रिप्रेजेंटेटिव रहीं. भविष्य की पीक पर नियति को कुछ और था मंजूरः रंजन कुमार ने बताया कि एल्युमिनाई सदस्यों में मनीषा की सफलता प्रेरणा भरती थी. टीचर्स उनकी सफलता को बच्चों को बताते थे. इंडिगो एयरलाइंस में बतौर ग्राउंड स्टाफ अपने भविष्य की शुरूआत करने वाली मनीषा ने अपनी मेहनत से अकासा एयरलाइन में क्रू मेंबर का काम किया. इसके बाद वह एयर इंडिया की इंटरनेशनल फ्लाइट में केबिन क्रू बनीं. हमेशा मदद को तैयार रहती थी मनीषाः मनीषा के कॉलेज के दिनों की क्लास टीचर और कॉलेज में इकोनॉमिक्स की एचओडी कल्पना कुमारी ने बताया कि मनीषा एक मेहनती, प्रतिभाशाली और अनुशासित छात्रा थी. उसके चेहरे पर हमेशा मुस्कान रहती थी.

मंगनी लाल मंडल होंगे आरजेडी के 7वें प्रदेश अध्यक्ष, लालू-तेजस्वी के सामने भरा पर्चा

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटनाः जनता दल यूनाइटेड से राष्ट्रीय जनता दल में शामिल होने वाले पूर्व मंत्री मंगनी लाल मंडल अब आरजेडी के नए प्रदेश अध्यक्ष होंगे. लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और मीसा भारती के साथ पार्टी कार्यालय पहुंचकर उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए आज नामांकन किया है. हालांकि उनके अलावे किसी ने भी पर्चा नहीं भरा, लिहाजा उनका प्रदेश अध्यक्ष बनना तया है. मंगली लाल मंडल ने भरा पर्चाः इन दिनों राष्ट्रीय जनता दल में संगठन का चुनाव हो रहा है. प्रखंड और जिला स्तर के बाद आज प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए नामांकन का दिन था. मंगली लाल मंडल ने पद के लिए पर्चा भरा है. 19 जून को पटना के कृष्ण मेमोरियल हॉल में राष्ट्रीय जनता दल की राज्य कार्य समिति की बैठक होगी. उसके बाद प्रदेश अध्यक्ष पद को लेकर औपचारिक घोषणा कर दी जाएगी. आरजेडी प्रदेश अध्यक्ष बनना तयः राष्ट्रीय जनता दल में प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए एक ही उम्मीदवार (मंगनी लाल मंडल) ने नामांकन किया है. वैसे नामांकन की तिथि 16 जून तक रखी गई है लेकिन अब किसी दूसरे नेता द्वारा इस पद के लिए नामांकन नहीं किया जा सकता है, क्योंकि लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव खुद मंगनी लाल मंडल के साथ कार्यालय पहुंचे थे. इससे अब यह साफ हो गया है कि राष्ट्रीय जनता दल का अगला प्रदेश अध्यक्ष मगनी लाल मंडली ही होंगे. आज मैंने प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए नामांकन किया है. ये मेरे लिए बहुत बड़ा दायित्व और चुनौती है. लालू यादव

और तेजस्वी यादव का आभार व्यक्त करता है. चुनौती को चुनावी वर्ष में पूरा करने के लिए पूरी ताकत लगा दूंगा.- मंगनी लाल मंडल, उम्मीदवार, आरजेडी प्रदेश अध्यक्ष 7वें प्रदेश अध्यक्ष होंगे मंगनी लालः पूर्व मंत्री मंगनी लाल मंडल आरजेडी के सातवें प्रदेश अध्यक्ष होंगे. वह जगदानंद सिंह की जगह लेंगे, जो बिहार विधानसभा उपचुनाव (नवंबर 2024) के बाद से कम सक्रिय दिख रहे थे. आपको बताएं कि 1997 में पार्टी के गठन के बाद सबसे पहले कमल पासवान इस पद पर आसीन हुए थे. उसके बाद उदय नारायण चौधरी, पीतांबर पासवान, अब्दुल्ल बारी सिद्दीकी और रामचंद्र पूर्वे भी प्रदेश अध्यक्ष रहे थे. 2019 से जगदानंद सिंह प्रदेश अध्यक्ष थे. मंगलीलाल मंडल जी ने नामांकन किया है. इनके हम प्रस्तावक रहे आज उन्होंने नामांकन किया. ये बिहार सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं और लोकसभा और राज्यसभा में रहकर बिहार की जनता की आवाज को उठाने का काम किया है.

ग्रामीण बैंक घंटाघर भागलपुर शाखा द्वारा ग्राहक से 23 लाख 8000 रुपए ठग लिए

दिव्य दिनकर

भागलपुर शनिवार को शरन्य मानवाधिकार के प्रधान कार्यालय भागलपुर में सरकारी बैंक से जुड़ी बड़ी समस्या आई जो बैंकों द्वारा ग्राहक से सरफेसी अधिनियम को ध्यान में ना रखते हुए बैंक ने एक विवादित जमीन को नीलामी मे शामिल कर अहम बातों को छुपाते हुए ग्राहक को अंधेरे में रखते हुए बिट लगा दिया फिर उस विवादित जमीन के रजिस्ट्री कराने एवं कब्जा दिलाने के एवज में पूरा का पूरा रकम बैंक ने ग्राहक से ले लिया फिर जब ग्राहक द्वारा कब्जे दिलाने की बात बैंक से करता है तो उसे ना कब्जा दिलाया जाता है ना रजिस्ट्री किया जाता है और बैंक द्वारा कहा जाता है अगले माह हो जाएगा फिर अगले माह हो जाएगा इस तरह से करते-करते लगभग 8 वर्ष बीत चुके अब तक ना ही रजिस्ट्री हुआ ना ही कब्जा हुआ ना ही बैंक ने ग्राहक को पैसा लौटाया फिर ग्राहक कोर्ट कचहरी नोटिस आदिकई रूपों से बैंक पर दबाव बनाकर पैसा वापस मांगा अब तक कहीं कुछ नहीं हो सका तब तक हार कर ग्राहक ने अंतिम में मानवाधिकार के शरण में आकर गुहार लगाई है यह ताजा मामला भागलपुर ग्रामीण बैंक

घंटाघर शाखा की लापरवाही से हुई है वर्ष 2017 में दीपक कुमार पिता स्वर्गीय गजेंद्र प्रसाद यादव ने बैंक द्वारा नीलामी प्रक्रिया में 23 लाख 8000 देखकर उस जमीन को बैंक द्वारा लिया था दीपक कुमार द्वारा जमीन का कुल कीमत बैंक को वर्ष 2017 में ही दे दिया गया था मगर बाद में दीपक कुमार को पता चला कि इस जमीन पर 2011 से ही टाइटल सूट 389/11 केस भागलपुर न्यायालय में लंबित है जिसे गलत तरीके से छुपाते हुए किस रूप में बैंक ने नीलाम किया और फिर इसके येवज में ग्राहक से कुल कीमत क्यों वसूली गई यह मामला बिल्कुल धोखाधड़ी जालसाजी आरबीआई के नियमों की अनदेखा करना जो की बिल्कुल आर्थिक अपराध की श्रेणी में माना जा सकता है जो एक दंडनीय अपराध है अध्यक्ष महोदय ने अन्य बैंकों के AGM, DGM, RBI सलाहकार आदि अधिकारियों से बातें की एवं इस विषय पर यह बात स्पष्ट होता है कि यदि बैंक पैसे वापस इंटरेस्ट के साथ नहीं करती है तो फ्रक और उ्रळ बड़ी एक्शन ले सकती है ग्राहक के पक्ष में परंतु इसके पहले एक बार साधारण टेबल टॉक कर देख लिया जाए इसलिए एक बार मानवाधिकार टीम अवश्य बैंक से मिलेगी और उम्मीद है कि ग्राहक और बैंक के बीच की दूरियां अवश्य समाप्त होगी ' यदि कोई ग्राहक डिफॉल्ट हो जाता है तो बैंक किस-किस रूप में नोटिस भेजते हैं पैसा वसूलते हैं घर की नीलामी करवाते हैं गाड़ी रास्ते से उठा लेते हैं कई रूपों में कई तरीकों से ग्राहक को भरी-बुरी बातें भी कही जाती है ' अब इस जगह पर कौन दोषी है इसका फैसला आने वाले वक्त में पता चलेगा इस हम बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ ईशान सिन्हा, भागलपुर जिला सचिव सुबोध शर्मा, मनीष कुमार, रवि कुमार, मीडिया प्रभारी रॉकी कुमार आदि मौजूद थे

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु को ले जाने वाला मिशन 19 जून को होगा लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली। एक्सिओम-4 मिशन की लॉन्चिंग पर ताजा अपडेट आया है। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने जानकारी दी है कि 19 जून को एक्सिओम-4 मिशन लॉन्च होगा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए जानकारी दी। बताया कि भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन ले जाने वाले एक्सिओम-4 मिशन की लॉन्च तारीख अब 19 जून 2025 के लिए फिर से निर्धारित की गई है। साथ ही स्पेस एक्स टीम ने पुष्टि की है कि लॉन्च को पहले स्थगित करने वाले सभी मुद्दों पर पूरी तरह से काम किया गया है। सिंह ने कहा कि आगे का कोई भी अपडेट समय के अनुसार साझा किया जाएगा। भारत के लिए एक्सिओम-4 मिशन काफी अहम है, क्योंकि ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के रूप में पहला भारतीय अंतरिक्ष यात्री इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर जाएगा। 39 वर्षीय शुभांशु शुक्ला लखनऊ में जन्मे हैं। उन्हें जून 2006 में भारतीय वायुसेना में कमीशन मिला। उन्हें 2000 घंटे से अधिक का उड़ान अनुभव हासिल है। वे सुखोई-30 एमके 1, मिग-21, मिग-29, जगुआर, हॉक, डॉर्नियर और एएन-32 जैसे फाइटर जेट्स को उड़ा चुके हैं। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के लिए भी मिशन महत्वपूर्ण होगा। वे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर विशेष खाद्य और पोषण संबंधी प्रयोग करेंगे।

लगातार 35वें महीने मासिक शिकायत निपटान 1 लाख के पारः केंद्र

नई दिल्ली । केंद्र सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार मई महीने में केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों द्वारा कुल 1,24,101 शिकायतों का निवारण किया गया और लगातार 35वें महीने केंद्रीय सचिवालय में निपटान 1 लाख के पार हो गया। प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) के अनुसार, 1 से 31 मई तक केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों में शिकायतों के निपटान में औसत समय 16 दिन था। केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) की मई की मासिक रिपोर्ट में लोक शिकायतों के प्रकार और श्रेणियों तथा निपटान की प्रकृति का विस्तृत विश्लेषण दिया गया है। रिपोर्ट में मई में सीपीजीआरएएमएस पोर्टल के माध्यम से पंजीकृत नए उपयोगकर्ताओं के आंकड़े दिए गए हैं। मई महीने में कुल 60,499 नए उपयोगकर्ता पंजीकृत हुए, जिनमें सबसे अधिक 10,043 पंजीकरण उत्तर प्रदेश से हुए।कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के अनुसार, फीडबैक कॉल सेंटर ने मई 2025 में 65,601 फीडबैक एकत्र किए। रिपोर्ट में मई में कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से दर्ज शिकायतों का मंत्रालय/विभागवार विश्लेषण भी दिया गया है।

भाजपा सांसद धर्मशीला गुप्ता बोलीं, 'लालू प्रसाद यादव मानसिक संतुलन खो चुके हैं'

नई दिल्ली । राष्ट्रीय जनता दल(राजद) के मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के जन्मदिन पर सामने आए एक वीडियो पर भाजपा सांसद धर्मशीला गुप्ता ने जोरदार निशाना साधा है। सांसद ने कहा कि लालू प्रसाद यादव मानसिक संतुलन खो चुके हैं। वीडियो में बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव कुर्सी पर बैठे हुए हैं और एक कार्यकर्ता की ओर से बाबा साहेब की तस्वीर को उनके चरणों के पास रखा गया है। इसे भाजपा ने बाबा साहेब अंबेडकर का अपमान बताया है। इस वीडियो पर भाजपा की राज्यसभा सांसद धर्मशीला गुप्ता ने कहा कि आज पूरा देश और दुनिया इस शर्मनाक कृत्य को देख रही है। हमारे संविधान के निर्माता, राष्ट्र के पूज्य डॉ. बी.आर. अंबेडकर, जिन्होंने हमें एक लोकतांत्रिक ढांचा दिया, जो सभी जातियों, धर्मों और लिंगों के लिए समानता सुनिश्चित करता है। लालू प्रसाद यादव द्वारा बाबासाहेब अंबेडकर की छवि को किसी के चरणों में रखने का कृत्य न केवल बेहद अपमानजनक है, बल्कि एक जघन्य अपराध भी है जो हमारे लोकतंत्र को शर्मसार करता है। बाबासाहेब एक दूरदर्शी व्यक्ति थे, जिन्होंने महिला सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय और सद्भाव के लिए लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि लालू प्रसाद यादव अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं, उन्हें संन्यास ले लेना चाहिए।

लालू यादव पर अमित मालवीय का हमला, बाबा साहेब अंबेडकर के अपमान का लगाया आरोप

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पर संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के अपमान का गंभीर आरोप लगाया है। मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लालू यादव की आलोचना की, जिसमें उन्होंने सामाजिक न्याय के दावों को लेकर राजद नेता की मंशा पर सवाल उठाए। अमित मालवीय ने एक्स पोस्ट पर लिखा, लालू प्रसाद यादव, जो दशकों से खुद को सामाजिक न्याय का पुरोधा बताते हैं, उन्होंने बाबा साहेब अंबेडकर का घोर अपमान किया है। उनके जन्मदिन पर, बाबा साहेब की तस्वीर उनके चरणों में रखी गई और लालू यादव ने न तो उसे उठाया, न सम्मान दिया और न ही छूना तक जरूरी समझा।

उन्नत नैदानिक देखभाल, उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान उत्कृष्टता को एकीकृत करता है एम्सः जेपी नड्डा

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में स्थापित प्रत्येक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) उन्नत नैदानिक देखभाल, उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान उत्कृष्टता को एकीकृत करता है। प्रत्येक एम्स स्वास्थ्य सेवा नवाचार और एक-दूसरे से सीखने के केंद्र के रूप में कार्य करता है, जिससे अस्पताल में समान, सस्ती और साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य सेवा प्रदान की जाती है। एम्स सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने, देखभाल के मानकों को बढ़ाने और स्वास्थ्य सेवा नेताओं की एक नई पीढ़ी को विकसित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। जेपी नड्डा नागपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में मंत्रालय द्वारा आयोजित 'सर्वोत्तम प्रथाओं' पर सम्मेलन के

पहले संस्करण को वर्चुअल माध्यम से संबोधित कर रहे थे। इस दो दिवसीय सम्मेलन में विभिन्न एम्स संस्थानों द्वारा अपनाई गई अनुकरणीय प्रथाओं को प्रदर्शित करना है, जिसमें रोगी-केंद्रित देखभाल, परिचालन दक्षता, डिजिटल परिवर्तन और अकादमिक उत्कृष्टता पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इसमें देशभर के एम्स संस्थानों (एम्स भोपाल, एम्स जम्मू, एम्स बिलासपुर, एम्स जोधपुर, एम्स नागपुर, एम्स देवघर, एम्स पटना, एम्स गोरखपुर, एम्स गुवाहाटी, एम्स रायपुर) के साथ-साथ प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) प्रभाग और रक्षा मंत्रालय की भी भागीदारी है। इस मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने कार्यक्रम का उद्घाटन भाषण दिया। इस मौके पर जेपी नड्डा ने कहा यह सम्मेलन एक अग्रणी पहल है, जो तीन प्रमुख क्षेत्रों में नए एम्स के समृद्ध अनुभवों को समेकित करने का प्रयास करता है जिसमें शिक्षण-अधिगम और अनुसंधान; अस्पताल सेवा; और शासन -रोगी सुविधा शामिल है। नड्डा ने भविष्य की स्वास्थ्य सेवा चुनौतियों का सामना करने के लिए डॉक्टरों को तैयार करने में एम्स द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने यह भी कहा कि ÷शिक्षण-अधिगम के क्षेत्र में, योग्यता आधारित चिकित्सा शिक्षा पाठ्यक्रम को अपनाना, डिजिटल शिक्षण में निवेश, अत्याधुनिक सिमुलेशन प्रयोगशालाएं और मेंटरशिप कार्यक्रमों का कार्यान्वयन शैक्षिक उत्कृष्टता के प्रति गहरी प्रतिबद्धता का संकेत देता है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि नए एम्स क्षेत्रीय रूप से प्रासंगिक अध्ययनों, नैतिक नैदानिक परीक्षणों और अनुवाद संबंधी शोध के माध्यम से भारत की वैज्ञानिक प्रगति में तेजी से योगदान दे रहे हैं।

सिक्किम के राज्यपाल ने उपराष्ट्रपति और रक्षा मंत्री से शिष्टाचार भेंट की

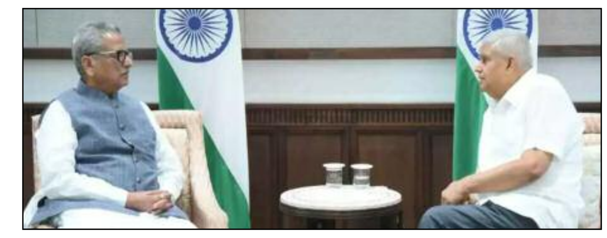

एजेंसी

गंगटोक। सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात के दौरान राज्यपाल ने उपराष्ट्रपति को सिक्किम में चल रही विभिन्न विकासात्मक पहलुओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने राज्य की प्रगति से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा की। राज्यपाल ने नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भी शिष्टाचार भेंट की। बैठक के दौरान सिक्किम के सीमावर्ती क्षेत्रों में सतत विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों सहित सामरिक महत्व के मुद्दों पर दोनों के बीच विस्तृत चर्चा हुई। राजभवन की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उत्तरी सिक्किम के मंगन जिले में हाल ही में आई प्राकृतिक आपदा पर भी विशेष चर्चा की है।

आयुष मंत्रालय वैश्विक शिखर सम्मेलन 'योग कनेक्ट' की करेगा मेजबानी

एजेंसी

नई दिल्ली। 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य कार्यक्रम के रूप में शनिवार को आयुष मंत्रालय विज्ञान भवन में हाइब्रिड रूप से वैश्विक शिखर सम्मेलन 'योग कनेक्ट' की मेजबानी करेगा। इस शिखर सम्मेलन में भारत और विदेश दोनों से योग गुरुओं, नीति निर्माताओं, स्वास्थ्य विशेषज्ञों, व्यापारिक नेताओं, शोधकर्ताओं और वैश्विक प्रभावशाली लोगों का एक प्रतिष्ठित समूह एक साथ आएगा। इस कार्यक्रम का समन्वय योग और प्राकृतिक चिकित्सा में अनुसंधान के लिए केंद्रीय परिषद द्वारा किया जा रहा है, जो योग के क्षेत्र में शीर्ष शोध निकाय है 'योग कनेक्ट' एक हाइब्रिड प्रारूप में होगा, जिसमें 1,000 से अधिक व्यक्तिगत प्रतिभागियों के साथ-साथ प्रमुख अंतरराष्ट्रीय योग संस्थानों और कल्याण समुदायों के आभासी उपस्थितगण शामिल होंगे। बहरीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम और दक्षिण कोरिया सहित चार से अधिक देशों के विशेषज्ञ इस शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। आयुष मंत्रालय ने बताया कि शिखर सम्मेलन में 'योग प्रभाव' रिपोर्ट का विमोचन होगा जिसमें पिछले एक दशक में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के प्रभाव का आकलन करने वाला एक राष्ट्रव्यापी अध्ययन शामिल होगा। यह रिपोर्ट शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और सार्वजनिक स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी, क्योंकि यह देशभर में आईडीवाई पहलों की पहुंच, प्रभावशीलता और परिवर्तनकारी प्रभाव के बारे में जानकारी प्रदान करेगी।

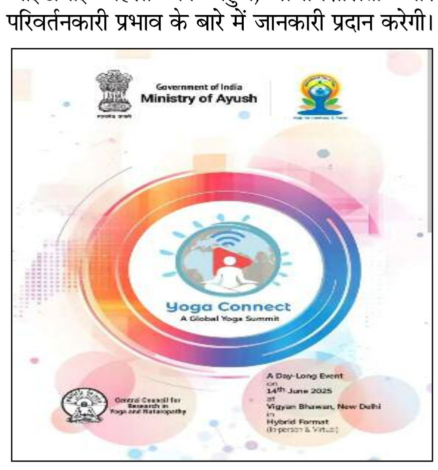

इसके अलावा इस मौके पर देशी भारतीय वृक्षों के महत्व और उनकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डालने वाली एक पुस्तिका जारी की जाएगी।

अगले दो दिन और सताएगी भीषण गर्मी, उत्तर पश्चिम भारत में रविवार से बारिश के आसार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में गर्मी का कहर जारी है। राजधानी का अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 31 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार अगले 2 दिनों के दौरान पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र सहित उत्तर-पश्चिम भारत में लू से लेकर भीषण लू की स्थिति जारी रहने और उसके बाद कम होने की संभावना है। इस दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 42 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य से 2 - 4 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रहेगा। दोपहर में प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी प्रति घंटे से कम की गति से चलेगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 15-20 किमी प्रति घंटे हो जाएगी। दिल्ली में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। गर्म और आर्द्र मौसम की स्थिति बनी रहेगी। बहुत हल्की बारिश, आंधी के साथ 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से तेज़ हवाएं चलने की संभावना है। इस दौरान दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 40 से 42 डिग्री सेल्सियस और 28 से 30 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। रविवार को भी कमोवेश इसी तरह का मौसम रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को दिल्ली में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 39 से 41 डिग्री सेल्सियस और 27 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। सोमवार को आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम बारिश आने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 37 से 39 डिग्री सेल्सियस और 27 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। सुबह के समय मुख्य सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी जिसकी गति 10 किमी प्रति घंटे से कम होगी। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 2 दिनों के दौरान विदर्भ, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के कुछ और हिस्सों में मानसून पहुंच जाएगा। इसके साथ अगले पांच दिनों में गुजरात, पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। 13-17 जून के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत और कोंकण और गोवा में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा और अत्यधिक भारी वर्षा के साथ मानसून सक्रिय चरण में रहने की संभावना है।

मान सरकार की 'लैंड पूलिंग योजना' असंवैधानिक और किसान व पंजाब विरोधी : तरुण चुघ

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने पंजाब की भगवंत मान सरकार पर जोरदार हमला बोला। चुघ ने कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार द्वारा लाई गई लैंड पूलिंग योजना न केवल असंवैधानिक है, बल्कि गरीब किसानों की ज़मीन हड़पने की साजिश है। चुघ ने इस योजना को तत्काल वापस लेने की मांग की। चुघ ने बताया कि उन्होंने लुधियाना पूर्व विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान 37 गांवों के किसानों से मुलाकात की थी जिनकी 24,000 एकड़ से अधिक ज़मीन इस योजना के तहत लाई गई है। चुघ ने एक बयान में कहा कि यह योजना किसानों को मुआवज़ा देने के बजाय उनकी जमीन का एक छोटा हिस्सा लौटाकर उन्हें बाज़ार की दया पर छोड़ देती है। यह योजना नहीं, बल्कि किसानों की ज़मीन हड़पने की एक

सोची-समझी साजिश है। यह पंजाब के किसानों के साथ अन्याय है और पूरी तरह असंवैधानिक है। उन्होंने यह भी बताया कि पंजाब के शहरी क्षेत्रों में 20 प्रतिशत से अधिक भूमि पहले से ही बिना बिके पड़ी है, जो राज्य सरकार की नाकामी और कुप्रबंधन का प्रमाण है। जब पिछली शहरी योजनाएं असफल रही हैं तो यह योजना 80 प्रतिशत से अधिक छोटे ज़मीन मालिक किसानों के लिए कैसे लाभकारी साबित होगी? चुघ ने कहा कि मान सरकार के पास किसानों के लिए कोई स्पष्ट नीति नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल ने 2022 के चुनाव से पहले किसानों के कर्ज़ माफ़ी और एमएसपी पर टॉप-अप का वादा किया था, लेकिन आज तक एक भी किसान का कर्ज़ माफ़ नहीं हुआ, न ही किसी फसल पर कोई अतिरिक्त राशि दी गई। चुघ ने आरोप लगाया कि मान सरकार पंजाब के किसानों की चिंता करने के बजाय केजरीवाल और उनके जमानत पर छूटे नेताओं की मेहमाननवाज़ी में व्यस्त है।

एयर इंडिया के सभी बोइंग ड्रीमलाइनर विमानों की होगी सुरक्षा जांच

एजेंसी

नई दिल्ली। अहमदाबाद में विमान दुर्घटना के बाद अब एयर इंडिया के बोइंग बेड़े के सभी विमानों की जांच होगी। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बोइंग 787-8/9 बेड़े के सभी विमानों को 'ग्राउंडेड'करके 15 जून से जांच में सुरक्षा निरीक्षण बढ़ाने का आदेश दिया है। इस विमान हादसे में लगभग 265 लोग मारे गए थे। डीजीसीए के आधिकारिक बयान में कहा गया है, निवारक उपाय के रूप में डीजीसीए एयर इंडिया को निर्देश देता है कि वह संबंधित क्षेत्रीय डीजीसीए कार्यालयों के साथ समन्वय में तत्काल प्रभाव से जेनएक्स इंजन से लैस 8787-8/9 विमानों पर निम्नलिखित अतिरिक्त रखरखाव कार्रवाई करे। विमानन नियामक ने अपने आदेश में 15 जून (00:00) बजे से भारत से उड़ान के लिए प्रस्थान से पहले विमानों की एक बार जांच करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही अपने आदेश में डीजीसीए ने 15 जून को 00-00 बजे से उड़ान के प्रस्थान से पहले जांच अनिवार्य कर दी है। विमान नियामक ने ईंधन पैरामीटर निगरानी और संबंधित सिस्टम जांच का निरीक्षण और केबिन एयर कंप्रेसर और संबंधित सिस्टम का निरीक्षण अनिवार्य कर दिया है। इसके साथ ही इलेक्ट्रॉनिक इंजन नियंत्रण-प्रणाली परीक्षण, इंजन ईंधन चालित एक्चुएटर-संचालन परीक्षण और तेल प्रणाली जांच, हाइड्रोलिक प्रणाली की सेवाक्षमता जांच, टेक-ऑफ मापदंडों की समीक्षा, अगली सूचना तक पारगमन निरीक्षण में 'उड़ान नियंत्रण निरीक्षण' शुरू किया जाएगा।

भारत और मंगोलिया ने नए और उभरते प्रौद्योगिकी डोमेन पर विशेष ध्यान दिया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और मंगोलिया ने द्विपक्षीय बैठक में रक्षा सहयोग और मजबूत करने के उद्देश्य से कई मुद्दों पर चर्चा की है। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और मंगोलियाई रक्षा मंत्रालय के राज्य सचिव ब्रिगेडियर जनरल गंखुयाग देवदोरज के साथ उलानबटार में हुई द्विपक्षीय बैठक में नए और उभरते प्रौद्योगिकी डोमेन पर विशेष ध्यान दिया गया। भारत-मंगोलिया संयुक्त सैन्य अभ्यास नोमैडिक एलीफेंट का 17वां संस्करण मंगोलिया के उलानबटार में संपन्न हुआ। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह के साथ ऑपरेशनल लॉजिस्टिक्स और स्ट्रैटेजिक मूवमेंट के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह ने समापन समारोह में भाग लिया। दो सप्ताह तक चले अभ्यास में भारतीय सेना की टुकड़ी सक्रिय रूप से शामिल हुई, जिसमें मुख्य रूप से अरुणाचल स्काउट्स की एक बटालियन के 45 कर्मियों ने भाग लिया। संयुक्त प्रशिक्षण का फोकस संयुक्त राष्ट्र के आदेश के तहत अर्ध-शहरी और पहाड़ी इलाकों में अर्ध-पारंपरिक परिदृश्यों में एक संयुक्त टास्क फोर्स के रूप में काम करते हुए भारतीय सेना और

मंगोलियाई सशस्त्र बलों के बीच अंतर-संचालन को बढ़ाना था। समापन समारोह में रक्षा सचिव ने नोमैडिक एलीफेंट अभ्यास के दौरान भारतीय सैनिकों की व्यावसायिकता, समर्पण और आचरण की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह अभ्यास भारत और मंगोलिया के बीच दोस्ती, आपसी विश्वास और साझा सांस्कृतिक संबंधों के स्थायी बंधन का प्रमाण है। इसने सार्थक सैन्य सहयोग के लिए एक मंच के रूप में काम किया और क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की संयुक्त पहलों में भारतीय सेना का योगदान न केवल परिचालन तत्परता को बढ़ाता है, बल्कि वैश्विक शांति प्रयासों में एक जिम्मेदार हितधारक के रूप में भारत की भूमिका को भी मजबूत करता है। रक्षा सचिव इसी स्थान पर बहुराष्ट्रीय संयुक्त सैन्य अभ्यास खान क्वेस्ट 2025 के उद्घाटन समारोह में भी भाग लेंगे, जिसमें भारतीय सेना की टुकड़ी भी भाग ले रही है। अभ्यास खान क्वेस्ट 14 से 28 जून तक आयोजित किया जाएगा। दोनों सेनाओं के बीच अभ्यास नोमैडिक एलीफेंट और खान क्वेस्ट का आयोजन भारत की बढ़ती रक्षा कूटनीति में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और मंगोलिया के साथ इसकी साझेदारी के रणनीतिक महत्व को रेखांकित करता है।

दिल्ली पुलिस ने बांग्लादेशी महिला घुसपैठिए को पकड़ा, अब तक 145 पर हुई कार्रवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम जिले के वसंत कुंज साउथ थाना पुलिस ने एक बांग्लादेशी महिला घुसपैठिए को गिरफ्तार कर उसे डिपोर्टेशन सेंटर भेज दिया है। पकड़ी गई महिला कुलसुम बेगम (23) बांग्लादेश के ग्राम जमरिलडांगा की रहने वाली है। वह भारत में घुसपैठ कर जंगल के रास्ते से दिल्ली पहुंची थी। दिल्ली में पिछले साल दिसंबर में अभियान शुरू होने के बाद से अब तक 145 बांग्लादेशी घुसपैठियों पर कार्रवाई हो चुकी है। दक्षिण-पश्चिम जिले के डीसीपी अमित गोयल ने बताया कि यह कार्रवाई दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस की जीरो टॉलरेंस नीति का हिस्सा है, जिसमें अवैध प्रवासियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि महिला से पूछताछ के बाद उसको विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय के समक्ष पेश किया गया। जहां से उसे जल्द ही बांग्लादेश डिपोर्ट किया जाएगा। पुलिस अधिकारी के अनुसार दक्षिण-पश्चिम जिले की पुलिस अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों के खिलाफ विशेष अभियान चला रही है। इसी अभियान के तहत थाना वसंत कुंज साउथ की टीम ने 11 जून 2025 को इलाके में डोर-टू-डोर वेरिफिकेशन शुरू किया।

इसी दौरान कुलसुम बेगम को पकड़ा गया। पूछताछ में महिला ने स्वीकार किया कि वह बिना वैध दस्तावेजों के भारत में दाखिल हुई थी। पुलिस ने कानूनी औपचारिकताओं के बाद उसे डिपोर्टेशन सेंटर भेज दिया। वहीं दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस ने 26 दिसंबर 2024 से शुरु हुए इस अभियान के तहत अब तक 145 बांग्लादेशी घुसपैठियों को ट्रेस कर हिरासत में लिया है।

महिला सशक्तीकरण के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग और सेतु आयोग के बीच समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग और उत्तराखंड के सेतु आयोग के बीच विकसित एवं सशक्त उत्तराखंड को लेकर महिला सशक्तीकरण विषय के कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए एक द्विपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता ज्ञापन राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर और सेतु आयोग के उपाध्यक्ष राज शेखर जोशी के बीच संपन्न हुआ।

इस समझौते का उद्देश्य राज्य में महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, आर्थिक भागीदारी एवं विधिक जागरूकता को सुदृढ़ करना है। प्रस्तावित कार्यक्रमों में एकीकृत ग्रामीण स्मार्ट गांव केंद्रों की स्थापना, विवाह पूर्व संवाद केंद्र, उच्च शिक्षण संस्थानों में महिला सुरक्षा एवं संरक्षण पर केंद्रित प्रशिक्षण तथा कार्यस्थलों को महिलाओं के लिए अधिक सुरक्षित एवं समावेशी बनाए जाने जैसे लक्ष्य सम्मिलित हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग ने एक बयान में कहा कि इस साझेदारी के तहत राष्ट्रीय महिला आयोग की भूमिका केंद्रबिंदु में होगी, जिसमें आयोग महिला सुरक्षा एवं सशक्तीकरण से जुड़े राष्ट्रीय

स्तर के कार्यक्रमों में अर्जित अनुभव के आधार पर तकनीकी सहयोग प्रदान करेगा। इसके साथ उत्तराखंड की स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण सामग्री, मॉड्यूल एवं ज्ञान संसाधनों का विकास करना राष्ट्रीय स्तर पर अपनाई गई सर्वोत्तम प्रक्रियाएं साझा करना, राज्य स्तरीय पहलों को केंद्र सरकार की योजनाओं से जोड़ने में सहायक बनना, सम्बंधित हितधारकों के क्षमता निर्माण हेतु विशेष कार्यशालाओं का आयोजन करना शामिल है। वहीं सेतु आयोग परियोजनाओं की रणनीतिक रूपरेखा, संसाधनों के समन्वयन, निगरानी तथा राज्य सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप दिशा-निर्देश प्रदान करेगा। दोनों पक्षों द्वारा एक-एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा और एक संयुक्त संचालन समिति के माध्यम से कार्यक्रमों की नियमित त्रैमासिक समीक्षा की जाएगी।

डीपीएस द्वारका के खिलाफ अभिभावकों का प्रदर्शन, सरकार से स्कूल को टेकओवर करने की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के प्रतिष्ठित स्कूल डीपीएस द्वारका से 31 बच्चों के नाम काटने का विवाद खत्म नहीं हो रहा है। बच्चों के नाम वापस नहीं लिए जाने पर अभिभावक विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। शनिवार को सैकड़ों की संख्या में अभिभावकों ने जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया और स्कूल प्रशासन के रवैये की कड़ी निंदा की। हाईकोर्ट के स्पष्ट आदेश के बावजूद डीपीएस द्वारका स्कूल ने अब तक उन 31 छात्रों के नाम बहाल नहीं किए हैं, जिन्हें मनमानी फीस न भरने पर निष्कासित कर दिया गया था। जंतर मंतर पर जुटे अभिभावकों ने पोस्टर और बैनरों के जरिए स्कूल प्रशासन और शिक्षा विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। अभिभावकों का आरोप है कि हाईकोर्ट ने छात्रों के निष्कासन को रद्द कर उन्हें फिर से स्कूल में शामिल करने का आदेश दिया था, लेकिन डीपीएस द्वारका ने अब तक छात्रों को न तो क्लास में दाखिल होने दिया, न ही होमवर्क दिया और न ही शैक्षणिक गतिविधियों में शामिल किया। एक अभिभावक सोमेंद्र यादव ने कहा कि मेरे बच्चे इस स्कूल में पढ़ते हैं। डीपीएस द्वारका स्कूल में बच्चों का शोषण हो रहा है, उसके खिलाफ हम लोग प्रदर्शन करने आए हैं। डीपीएस द्वारका हाईकोर्ट और सरकार के किसी ऑर्डर को नहीं मान रहा है। सरकार की ओर से 15 आदेश आए, कोई पालन अभी तक नहीं किया। हमारी मांग है कि डीपीएस द्वारका स्कूल को सरकार अपने हाथों में ले। उन्होंने कहा, हम शिक्षा मंत्री से मिल चुके हैं। अपनी मांग रख चुके हैं। शिक्षा मंत्री ने जिलाधिकारी के नेतृत्व में एक कमेटी बनाई थी। जांच में स्कूल की लाइब्रेरी में बच्चों को पकड़कर रखने की घटना सामने आई। वाइस-चांसलर की अध्यक्षता में भी एक कमेटी बनी थी, जिसने स्कूल प्रशासन को गलत ठहराया था। इसके बावजूद जमीनी स्तर पर हमें कोई राहत नहीं मिली है। बच्चों का उत्पीड़न लगातार जारी है। उत्तम नगर की रहने वाली ज्योति का बेटा भी उन बच्चों में शामिल है, जिसका स्कूल प्रशासन ने नाम काटा था। ज्योति का कहना है कि उनका बेटा इस स्कूल में पढ़ता है। कुछ दिन पहले स्कूल से एक ईमेल आया था, जिसमें बच्चे का नाम काटने का जिक्र था। हाईकोर्ट का ऑर्डर आ चुका है कि।

संक्षिप्त समाचार

हूल दिवस पर 28 से 30 जून तक झारखंड कांग्रेस निकालेगी पदयात्रा, शहीदों को दी जाएगी श्रद्धांजलि

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ सिद्धू-कान्हू, चान्द-भैरव, फूलो-झानो समेत अन्य हूल शहीदों की स्मृति में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी 28 जून से 30 जून 2025 तक हूल पदयात्रा का आयोजन करेगी। समापन अवसर पर 30 जून को भोगनाडी में शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। इस पदयात्रा का उद्देश्य हूल क्रांति की ऐतिहासिक विरासत को जन-जन तक पहुंचाना है। इस कार्यक्रम की रूपरेखा तय करने के लिए कांग्रेस मुख्यालय, रांची में प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सात सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया, जो कार्यक्रम के समन्वय और संचालन की जिम्मेदारी संभालेगी। बैठक में प्रमुख रूप से पूर्व मंत्री बंधु तिर्की, कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर, प्रदेश महासचिव तनवीर आलम, प्रदेश प्रवक्ता शांतनु मिश्रा, एसटी सेल के अध्यक्ष जोशई मांडी, कार्यालय प्रभारी अभिलाष साहू, सह प्रभारी राजन वर्मा एवं रामानंद केसरी उपस्थित रहे। सभी नेताओं ने कार्यक्रम की सफलता के लिए व्यापक रणनीति, जनसंपर्क अभियान और हूल क्रांति के इतिहास को जनमानस तक पहुंचाने हेतु साझा प्रयासों की जरूरत पर बल दिया। कांग्रेस का यह आयोजन राज्य में हूल क्रांति की चेतना को मजबूत करने और आदिवासी संघर्ष के इतिहास को सम्मान देने की दिशा में एक बड़ा प्रयास माना जा रहा है।

नहाने के दौरान कुएं में युवक की मौत

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

मोहनपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत शनिवार को हारोडीह गांव निवासी श्याम सुंदर यादव के 15 वर्षीय पुत्र कुंदन यादव कुएं में स्नान के दौरान मौत हो गई है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि तीन- चार युवक कुएं में स्नान कर रहा था नहाने के दौरान कुंदन की मौत हो गई।बच्चों ने उधर घटना की जानकारी ग्रामीण व परिजनों को दी। सूचना मिलते ही काफी संख्या में ग्रामीण देखने घटना स्थल पर पहुंच गये। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी मोहनपुर थाना प्रभारी प्रियरंजन कुमार को दी। सूचना मिलते ही मोहनपुर पुलिस दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। ग्रामीणों के सहयोग से पुलिस ने पंपिंग सेट से पानी को सुखाकर युवक कुएं से बाहर निकाला। वहीं परिवार वालों का रो-रो कर बुरा हाल है। इस घटना से पूरे गांव में मातम छा गया है ।पुलिस पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए देवघर सदर अस्पताल भेज दिया है। ग्रामीणों में चचाएं हैं कि नहाने के दौरान एक युवक कुंदन पर कूदने से उनकी मौत हो गई है। पुलिस हर एक बिंदुओं पर जांच पड़ताल कर रही है।मौके पर वरिष्ठ नेता भूतनाथ यादव, मुखिया रंजीत प्रधान, महावीर सेवा के संरक्षण विक्की कुमार, मुस्तफा अंसारी ने परिवार वालों को ढांढस बंधाया।

कटीहार (बिहार) बाल गृह से देवघर के एक पिता को मिला खोया हुआ पुत्र

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवीपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत टटकियो पंचायत के राजपुरा निवासी घनश्याम पंडित का 9 वर्षीय पुत्र रवि कुमार कटीहार (बिहार) बाल गृह से उसके पिता ने प्राप्त कर लिया है. जानकारी हो कि यह बच्चा अपने माता-पिता के साथ देवघर बाबा बैजनाथ मंदिर पूजा करने गया था. जहां से उक्त बच्चा भटक गया और किसी ट्रेन से पूर्णिया कटिहार चला गया. जहां उसे बाल गृह किसी के द्वारा पहुंचाया गया और उस बच्चे से नाम पता तस्वीर के साथ सोशल मीडिया पर वायरल किया गया. किसी ग्रुप के माध्यम देवीपुर रजपुरा निवासी सह कांग्रेस नेता ब्रजेश बरनवाल को जानकारी मिली. उन्होंने मामले को गंभीरता पूर्वक लेते हुए परिजनों से अवगत होकर इस बात की जानकारी दिए और वहां उक्त बच्चे का होना पुष्टि कराते हुए पुनः उसके परिजनों को समुचित कागजातों के साथ वहां भेजने का काम कराया. इस प्रकार खोए हुए बच्चा उसके परिजनों को मिल गया. जिससे परिजन काफी खुश हुए.

दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम संपन्न

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

गीता देवी डीएवी पब्लिक स्कूल भंडारकोला में झारखंड जोन एच के अंतर्गत डीएवी सेंटर ऑफ एकेडमिक एक्सीलेंस द्वारा आयोजित दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम आज सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इसमें विद्यालय के शिक्षकों द्वारा नई तकनीक का प्रयोग करते हुए एवं खेल विधि का अनुसरण कर शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से अपना अपना विचार व्यक्त किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षकों को संबोधित करते हुए समापन समारोह में विद्यालय के प्राचार्य सह क्लस्टर हेड बलराम कुमार झा ने शिक्षकों को प्रशिक्षण प्राप्त कर उसे बच्चों के बीच अवतरित करने को कहा। सभी विद्यालयों के शिक्षकों ने बड़े उत्साह के साथ प्रशिक्षण में भाग लिया।कार्यक्रम में शिक्षकों ने नवीन विधि के द्वारा कई गतिविधियां प्रस्तुत की। समापन समारोह में सभी शिक्षकों का प्राचार्यों के साथ फोटोग्राफी हुआ और धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह की समाप्ति हुई।

पू. सी. रेलवे ने कामाख्या और गुवाहाटी रेलवे स्टेशनों के बीच अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया

मालीगांव, :

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) अपने क्षेत्राधिकार में सक्रियता से रेलवे की जमीन पर अवैध अतिक्रमण हटाओ अभियान चला रहा है। अपनी प्रतिबद्धता के तहत, रेलवे की जमीन से अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए हाल ही में कामाख्या और गुवाहाटी रेलवे स्टेशनों के बीच एक संयुक्त अभियान सफलतापूर्वक चलाया गया। यह अभियान रेलवे कि.मी. सं. 8/0 से 10/0 के बीच सुबह 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य अवैध कब्जा की गई भूमि को मुक्त कराना था ताकि रेलवे की बुनियादी अवसंरचना की सुरक्षा, स्वच्छता और परिचालन प्रामाणिकता सुनिश्चित की जा सके। इस बेदखली अभियान में कई विभागों और सुरक्षा एजेंसियों ने सक्रिय भागीदारी और सहयोग किया। इस अभियान में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के 10 कर्मी, सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) के 7 कर्मी, पानबाजार और फैंसीबाजार थाना के 6 पुलिसकर्मी तथा एसएसई/पी.वे विभाग के 20 कर्मचारी शामिल थे। उन सभी के समन्वित प्रयासों से रेलवे संपत्ति पर बने 29 अवैध अस्थायी ढाँचों को हटाया गया। पूरा अभियान शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ और इस दौरान कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। एन.एफ. रेलवे सभी प्रतिभागी टीमों द्वारा उठाए गए त्वरित और प्रभावी कदमों की सराहना करता है और रेलवे भूमि की रक्षा, यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा भविष्य की आधारभूत संरचना विकास को सुचारु रूप से आगे बढ़ाने को प्रतिबद्ध है। एनएफ रेलवे और इसकी सुरक्षा इकाई द्वारा अवैध अतिक्रमण को रोकने हेतु जनजागरूकता अभियान, निगरानी गश्त और सख्त प्रवर्तन कार्रवाई जैसी रणनीतियाँ अपनाई जा रही हैं। यात्रियों और स्टेकधारकों से आग्रह है कि वे रेल प्रशासन के साथ सहयोग करें और रेलवे की जमीन पर किसी भी प्रकार के अवैध कब्जे की सूचना तत्काल दें।

हिरणपुर में पिछले कुछ दिनों पहले हुई 6 लाख 45 हजार रुपए की लूट का पुलिस ने किया पदार्पास

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःहिरणपुर थाना क्षेत्र के आसनजोला गांव में पिछले 29 मई को 6,45,000 रुपए की लूट की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में दो कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। मामले की जानकारी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पाकुड़ दयानंद आजाद ने शनिवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। इस दौरान हिरणपुर थाना प्रभारी रंजन कुमार सिंह भी मौजूद थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पश्चिम बंगाल के वीरभूम जिले के पाईकर थाना क्षेत्र निवासी केताबुल मल्लिक, पिता बासीरुद्दीन मल्लिक, 29 मई को मोटरसाइकिल से 6,45,000 नकद लेकर जा रहे थे। उसी दौरान आसनजोला के पास मास्क पहने अपराधियों ने उन्हें रिवॉल्वर दिखाकर बैग छीन लिया और फरार हो गए। इस संबंध में हिरणपुर थाना कांड संख्या 56/2025, दिनांक 30.05.2025 को भारतीय न्याय संहिता 2022 की धारा 309(4) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। घटना के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में थाना प्रभारी रंजन कुमार सिंह द्वारा एक विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की गई। वादी और गवाहों के बयान, घटनास्थल का निरीक्षण तथा तकनीकी और मानवीय साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 13 जून को पाकुड़ बस स्टैंड से गुलाब साहा उर्फ गुलाब चंद्र साहा, पिता बैजनाथ साहा, निवासी देवपुर, थाना हिरणपुर को गिरफ्तार किया। वहीं दूसरे आरोपी करण मंडल उर्फ करण कुमार मंडल, पिता स्व. सुनील मंडल, निवासी गोपालपुर, थाना हिरणपुर को गोवा से हिरासत में लाकर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान दोनों अभियुक्तों ने अपराध में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। गुलाब साहा से 15,000 नगद और करण मंडल से 10,000 नगद के साथ-साथ घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल (नंबर JH01-6C-5159) बरामद की गई। गिरफ्तार गुलाब साहा के खिलाफ पूर्व में हिरणपुर थाना कांड संख्या 73/24 दर्ज है। वहीं करण मंडल के खिलाफ विभिन्न थानों में कुल आठ आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें डकैती, आपराधिक षड्यंत्र, आर्म्स एक्ट आदि शामिल हैं। कांड के उद्भेदन में थाना प्रभारी रंजन कुमार सिंह, पु.अ.नि. गौरीशंकर प्रसाद, पु.अ.नि. गोपाल कुमार महतो, पु.अ.नि. गौतम कुमार, स.अ.नि. दिलीप कुमार, स.अ.नि. किशोर कुमार टुडू, स.अ.नि. हरेराम यादव, स.अ.नि. गोविंद कुमार साह एवं आ-42 श्यामसुंदर यादव की सराहनीय भूमिका रही। एसडीपीओ दयानंद आजाद ने प्रेस वार्ता में कहा, घटना बेहद चुनौतीपूर्ण थी। लेकिन टीम ने सतर्कता और रणनीति के साथ काम करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया और कांड का खुलासा किया। अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। हिरणपुर थाना प्रभारी रंजन कुमार सिंह ने कहा, कांड में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश भी तेज कर दी गई है। पुलिस की सघन जांच और तत्परता के चलते यह सफलता मिली है। अपराध पर सख्ती से नकेल कसी जाएगी।

विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर महिला चिकित्सक डॉक्टर किरण माला ने किया रक्तदान

साहिबगंज :

विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर महिला चिकित्सक डॉ किरण माला ने पहली बार रक्तदान किया। वही उन्होंने 18 वर्ष से ऊपर की बालिकाओं, महिलाओं को आगे आकर रक्तदान करने के लिए जागरूक किया। रक्तदान करने से मनुष्य बिल्कुल स्वस्थ्य रहता है, शरीर में नया रक्त बनता है, कई तरह की बीमारियों से दूर रहता हैं और रक्तदान से पूर्व कई तरह का जांच भी होता है। किसी के बहकावे में नहीं आए, युवा वर्ग आगे आकर रक्तदान करे और खुद को फिट स्वास्थ्य रखे। आपका एक यूनिट रक्तदान करने से किसी जरूरतमंद का जान समय रहते बचाया जा सकता है। कन्या दान से भी बड़ा पुण्य का कार्य रक्तदान का है।

बीडीओ ने किया श्रीराम चौकी आशयुष्मान आरोग्य मंदिर का निरीक्षण

मंडरोः

अंबाडिहा पंचायत अंतर्गत श्रीराम चौकी में स्थित आयुष्मान मंदिर का शनिवार को मंडरो बीडीओ मेघनाथ उरांव के द्वारा औचक निरीक्षण किया गया ।निरीक्षण के दौरान आरोग्य स्वास्थ्य मंदिर श्री राम चौकी केंद्र में एएनएम और सीएचओ सभी स्थल पर मौजूद नहीं मिले ।प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रीराम चौकी आरोग्य मंदिर में वर्तमान में सरस्वती और आभा नाम की दो एएनएम और सीएचओ के रूप में डिंपल सैनी कार्यरत हैं। इस मामले को लेकर बीडीओ के द्वारा बताया गया कि मामले की जांच को लेकर मेडिकल विभाग को इसकी जानकारी दी गई है ।अगर नर्स और सीएचओ विभाग के किसी बहुत जरूरी काम से कहीं गए हैं तो ठीक है ।लेकिन कोई अन्य काम का बहाना बनाकर इधर-उधर घूम रहे हो तो उनके खिलाफ लिखित जांच रिपोर्ट उच्च अधिकारी को कार्रवाई के लिए भेज दिया जाएगा ।

झासा के प्रतिनिधि मंडल ने डीसी से की मुलाकात

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

झारखंड राज्य स्वास्थ्य सेवा संघ (झासा) के राज्य संयोजक डॉ शरद कुमार के नेतृत्व में देवघर जिला झासा कमिटी के प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त से मिल कर उनको पुष्प गुच्छ दे कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया।प्रतिनिधिमंडल में शामिल सदस्यों ने उपायुक्त से कहा कि हमलोगों को आपसे बहुत उम्मीदें है और आपके नेतृत्व और मार्गदर्शन में जिले की स्वास्थ्य सेवाएं और बेहतर होगी।डॉ शरद कुमार ने राज्य संगठन की तरफ से उपायुक्त को एक मांग पत्र भी दिया और कहा कि श्रावणी मेला में राज्य के सभी जिलों से चिकित्सकों की प्रतिनियुक्ति देवघर में की जाती है और उनके आवासन और खाने की व्यवस्था को ले कर हमेशा से समस्या रही है जिसको ले कर चिकित्सकों में काफी रोष व्याप्त रहता है। उन्होंने उपायुक्त से गुहार लगाई कि आपके कार्यकाल में इन व्यवस्थाओं में सुधार होगी संगठन को आप पर पूरा भरोसा है। सदर अस्पताल के प्रशासनिक प्रभारी डॉ शरद कुमार एवं उपाधीक्षक सह झासा जिला सचिव डॉ प्रभात रंजन द्वारा उपायुक्त से यह भी मांग रखी गई कि सदर अस्पताल के ओ पी डी से मुख्य भवन में स्थित इमजेर्सी तक एक शेड होना चाहिए ताकि बारिश के दिनों में मरीज को इमरजेंसी तक आने जाने सहूलियत होगी।उपरोक्त दोनों मांगों पर उपायुक्त द्वारा आश्वासन दिया गया कि वे स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति गंभीर है और इसको मुहैया कराने के लिए जो भी हो सकता है वे पूरा करेंगे। झासा प्रतिनिधिमंडल में जिला झासा की उपाध्यक्ष सह जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ संचयन,जिला कार्यकारिणी सदस्य सह चिकित्सा पदाधिकारी सदर अस्पताल डॉ अनिल कुमार,जिला कार्यकारिणी सदस्य सह दन्त चिकित्सा पदाधिकारी सारवां डॉ अनुराधा कुमारी,विशेषज्ञ सर्जन सदर अस्पताल डॉ रवि कुमार शामिल थे।

महेशपुर बीडीओ ने योजनाओं का किया निरीक्षण

रिपोर्ट अविनाश मंडल

पाकुड़ःमहेशपुर बीडीओ डॉ. सिद्धार्थ शंकर यादव ने शनिवार को जयनगरा पंचायत के आनंगवाड़ी केंद्र रनगांव में सेविका गीता देहरीन एवं सहायिका सीउली देहरीन का चयन किया गया । जिसके बाद रिपोर्ट जिला को भेज दिया । जिसके बाद पंचायत में चल रहे विकास योजनाओं का निरीक्षण किया निरीक्षण के दरमिया बीडीओ ने बिरसा हरित ग्राम योजना एवं बिरसा सिंचाई कूप निर्माण एवं अबुआ आवास सहित जनमन योजना का निरीक्षण किया साथ ही पंचायत भवन का भी निरीक्षण किया।निरीक्षण के क्रम में बागवानी योजना में घेराबंदी, सीपीटी एवं स्थल की साफ-सफाई को लेकर संबंधित रोजगार सेवक को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।निरीक्षण के क्रम में पंचायत सचिव सोमनाथ पाल,रोजगार सेवक सहित लाभुक उपस्थित थे।

साहिबगंज में जनसुनवाई कार्यक्रम -सह-जनता दरबार का आयोजन

जनता दरबार में प्रशासन और जनप्रतिनिधि एक मंच पर, समाधान को मिली प्राथमिकता

साहिबगंजः

साहेबगंज जिला प्रशासन द्वारा अग्रवाल महेश्वरी खंडेलवाल बड़ी धर्मशाला,चौक बाजार,साहिबगंज में जनसुनवाई कार्यक्रम -सह-जनता दरबार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपायुक्त हेमंत सती ने की। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह, वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग, उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा सहित जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम में माननीय केन्द्रीय सचिव, झारखंड मुक्ति मोर्चा पंकज मिश्रा, बोरियो विधानसभा विधायक धनंजय सोरेन एवं माननीय राजमहल विधानसभा विधायक मो. ताजुद्दीन की गरिमामयी उपस्थिति रही। दीप प्रज्वलन और पौधा भेंट कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।उपायुक्त ने कहा संवाद नहीं, समाधान का माध्यम है जनता दरबार।अपने संबोधन में उपायुक्त श्री सती ने कहा कि, यह मंच केवल संवाद नहीं बल्कि समाधान का माध्यम है। हमारा उद्देश्य है कि जनहित से जुड़ी समस्याओं का त्वरित और व्यवस्थित समाधान किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रत्येक प्रश्न का समाधान कितने दिनों में होगा, इसका उत्तर मंच से ही देने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों से व्यक्तिगत नहीं, सामूहिक मुद्दों को प्राथमिकता देने की अपील की।पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिया भरोसा मजबूत।पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने कहा कि हाल के दिनों में अवैध हथियारों की गतिविधियों की जानकारी मिली जिसमें छापामारी का बरामद किया जा चुका है, जिसको लेकर शहर में गश्त और निगरानी तेज कर दी गई है। आधुनिक उपकरणों की मदद से संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। आम जनता से अपील की गई कि यदि किसी को कोई गुप्त सूचना मिले, तो उसे तत्काल प्रशासन तक पहुंचाएं।सामूहिक समस्याओं पर हुई खुली चर्चा, समाधान को मिला त्वरित संज्ञान।स्वास्थ्य, शिक्षा, आधारभूत संरचना, जल संकट, राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, अतिक्रमण, परिवहन व्यवस्था और युवा कल्याण से जुड़े मुद्दों पर नागरिकों ने खुलकर अपनी बात रखी। सभी को क्रमवार माइक सुविधा दी गई। उपायुक्त को लिखित आवेदन सौंपे गए, जिन पर तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों को कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।स्टॉल के माध्यम से समस्याओं का लिया गया आवेदन दी गई योजनाओं की जानकारी।जनता दरबार स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर नागरिकों से लिया गया समस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त किया गया व योजनाओं, सुविधाओं और सेवाओं की जानकारी दी गई। सभी स्टॉलों पर काफी संख्या में लोग उपस्थित होकर सरकार की योजनाओं की जानकारी ली एवं आवेदन दिया।मौके पर परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास, अपर समाहर्ता गौतम भगत, सिविल सर्जन प्रवीण कुमार संथालीया, जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुनू कुमार मिश्रा, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी छुटेश्वर दास, जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष सहित जिला स्तरीय सभी पदाधिकारी मौजूद रहे।

सदर अस्पताल में आज पहली बार लेप्रोस्कोपिक विधि से किया गया सर्जरी

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

सदर अस्पताल देवघर के इतिहास में आज पहली बार लैप्रोस्कोपिक विधि से सर्जरी किया गया।सिविल सर्जन डॉ युगल किशोर चौधरी द्वारा कुछ दिन पूर्व एक समीक्षा बैठक की गई थी जिसमें सर्जन से उन्होंने कहा था कि आप अपने क्लीनिक से अत्याधुनिक उपकरण ला कर भी सदर अस्पताल में गरीब मरीजों का सर्जरी कीजिए।उसके बाद से उपाधीक्षक डॉ प्रभार रंजन द्वारा भी सदर अस्पताल के सर्जन से बार बार ऐसे कार्य करने के लिए प्रेरित किया जाने लगा।आज डॉ रवि कुमार सर्जन और डॉ निताशा एनेस्थेटिस्ट द्वारा एक आयुष्मान कार्डधारी मरीज गेंधारी देवी 47 वर्ष जो दुमका जिले की रहने वाली है उनका लैप्रोस्कोपिक विधि से सफल शल्य चिकित्सा किया गया उस महिला मरीज के पित्त की थैली में पथरी था और सूजन भी था और काफी दिनों से वह पेट की दर्द से परेशान रहती थी।इस ऑपरेशन में जिन और स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा सहयोग किया गया उनमें अलका कुमारी स्टाफ नर्स,सुनीता कुमारी,पूजा कुमारी,ठाकुर,प्रणय,एवं देवकी देवी शामिल थी।इस अत्याधुनिक विधि से सफल ऑपरेशन के संबंध में पूरी जानकारी सदर अस्पताल के प्रशासनिक प्रभारी डॉ शरद कुमार द्वारा दिया गया,साथ ही उन्होंने डॉ रवि कुमार एवं डॉ निताशा सहित पूरे ओ टी टीम को बधाई भी दिया।डॉ शरद कुमार ने कहा कि सिविल सर्जन डॉ युगल किशोर चौधरी और उपाधीक्षक डॉ प्रभात रंजन के मार्गदर्शन में सदर अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाएं और बेहतर हो इसकी पूरी उम्मीद है।

के.ए. पॉल ने प्रधानमंत्री मोदी से नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू का इस्तीफा लेने की अपील की

इजराइल-ईरान तनाव को शांत करने का किया आह्वान

नई दिल्ली, ।

दिल्ली स्थित ए.पी. भवन में आयोजित एक आपातकालीन प्रेस कॉन्फ्रेंस में, अंतरराष्ट्रीय मानवतावादी और शांति कार्यकर्ता डॉ. के.ए. पॉल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की कि वे नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू का तुरंत इस्तीफा लें। उन्होंने 17 कारणों का हवाला देते हुए कहा कि मंत्री के पास अनुभव की भारी कमी है और एयर इंडिया फ्लाइट 171 की दुखद दुर्घटना के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि पर प्रश्नचिन्ह लग गया है। इस हादसे में लगभग 300 लोगों की जान चली गई। मीडिया को संबोधित करते हुए डॉ. पॉल ने सवाल उठाया कि महज 37 वर्षीय, विमानन क्षेत्र में अनुभवहीन व्यक्ति को इतने अहम मंत्रालय की जिम्मेदारी क्यों सौंपी गई। ह्लमैं नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू के इस्तीफे की मांग करता हूं। वह सिर्फ 37 साल के हैं और उनके पास विमानन का कोई अनुभव नहीं है। इस क्षेत्र को संभालना बेहद जटिल है – मैं खुद 1991 से निजी विमान का मालिक हूं,ह्व डॉ. पॉल ने कहा। इस विमान दुर्घटना में 169 भारतीय नागरिकों के साथ 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली, 1 कनाडाई नागरिक और कई चिकित्सा छात्र मारे गए।

डॉ. पॉल ने इसे भारत के लिए एक अंतरराष्ट्रीय शर्मिंदगी बताते हुए नेतृत्व स्तर पर जवाबदेही की आवश्यकता जताई। ह्लइस हादसे ने न केवल हमारे 169 भारतीयों की जान ली, बल्कि 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक की मौत भी हुई। भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि को बचाने के लिए मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए,ह्व उन्होंने जोड़ा। डॉ. पॉल ने घरेलू मुद्दों के साथ-साथ इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव पर भी गंभीर चिंता जताई। दोनों देशों के बीच सैन्य टकराव की आशंका को देखते हुए उन्होंने तुरंत कूटनीतिक हस्तक्षेप की अपील की, जिससे वैश्विक संघर्ष को रोका जा सके। ह्लमैं प्रधानमंत्री नेतन्याहू से अपील करता हूं कि वे ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला बंद करें, और ईरानी नेतृत्व से आग्रह करता हूं कि वे जवाबी कार्रवाई कर इस संघर्ष को तीसरे विश्व युद्ध में न बदलें। हमें और युद्ध नहीं चाहिए – अब तक 56 युद्धों में करोड़ों जानें जा चुकी हैं और खरबों डॉलर की हानि हो चुकी है,ह्व उन्होंने कहा। डॉ. पॉल, जो अतीत में ईरान में राज्य अतिथि रहे हैं और वहां मानवीय सहायता पहुंचा चुके हैं, ने चेतावनी दी कि अगर यह टकराव जारी रहा, तो इसके वैश्विक स्तर पर गंभीर परिणाम होंगे, विशेषकर दोनों पक्षों के सामरिक गठबंधनों को देखते हुए।

संक्षिप्त समाचार

श्रीया शर्मा ने पहले ही अटेम्प्ट में ₹नीट₹ के एग्जाम में पाई सफलता

माता-पिता सहित परिजनों में खुशी की लहर

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर-सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ प्रभात रंजन की पुत्री ने₹ नीट की परीक्षा में सफलता हासिल कर परचम लहराया है।श्रीया शर्मा ने यह सफलता पहले ही एटेम्पट में प्राप्त कर लिया।श्रीया की इस सफलता से परिवार के सभी सदस्यों में खुशी और हर्ष का माहौल है।श्रीया भी अपने पिता की ही तरह एक कुशल चिकित्सक बनना चाहती थी इसको लेकर इन्होंने जी तोड़ मेहनत किया है।श्रीया ने मेट्रिक तक कि पढ़ाई संत फ्रांसिस स्कूल से किया था और मेट्रिक के एग्जाम में भी टॉप की थी।वहीं श्रीया ने बारहवी की पढ़ाई सनराइज द्वारिका एकेडमी से की थी और यहां भी उन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए श्रेष्ठ प्रदर्शन की थी।बताते चलें कि श्रीया ने टुवेल्थ नॉन स्कूलिंग किया था ,वहीं कोटा में जाकर नीट की तैयारी की और पहले ही एटेम्पट में सफलता हासिल कर लिया है।वहीं श्रीया ने इसका पूरा श्रेय अपनी माता मधु कुमारी को दिया है जो श्रीया के साथ साये की तरह रही और उसने सफलता हासिल किया।वहीं इस खबर को सुनते ही पिता डॉ प्रभात रंजन की खुशी का ठिकाना नहीं था।डॉ श्री रंजन ने कहा कि मेरी सबसे बड़ी खुशी यह है कि बिटिया ने पहले ही एटेम्पट में नीट एग्जामनिकाल लिया।

पत्रकारों पर हो रहे हमले पर अंकुश एवं सुरक्षा सहित अवैध कारोबार पर रोकथाम को लेकर एसपी को सौपा ज्ञापन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ शनिवार को राष्ट्रीय संगठन रामभक्त सेवा दल के प्रदेश अध्यक्ष राहुल सिंह ने जिले भर में जनता एवं सरकार के हित में कार्य कर रहे लोकतंत्र के चौथे स्तंभ कहे जाने वाले पत्रकारों के सुरक्षा को लेकर जिले की नई पुलिस कप्तान निधि द्विवेदी को पत्र लिखा। मामले पर राहुल ने बताया कि सच्चाई लिखने एवं आवाज उठाने पर टारगेट करके पत्रकारों पर जानलेवा हमला सहित झूठा केस मुकदमा किया जाता है। उन्होंने हाल के दिनों में दैनिक अखबार में कार्यरत महेशपुर के पत्रकार निर्मल कुमार पर जानलेवा हमला, धमकी एवं छिनतई तक होने पर उचित कार्यवाही करने की बात कही , उन्होंने कहा कि ये कोई पहली घटना नहीं है , पहले भी कई पत्रकारों पर हमला एवं झूठा मुकदमा किया जा चूका है। उन्होंने मीडिया को बताया कि पाकुड़ जिला अवैध कारोबार का सेफ जोन बन गया है जैसे अवैध लाटरी , गौ तश्करी, ओवरलोडिंग , बालू स्टॉक सहित अन्य कई अवैध कारोबार संचालित है और इसके खिलाफ आवाज उठाने पर ही हमला, धमकी एवं झूठा मुकदमा किया जाता है। उन्होंने पत्र पर लिखा कि जिले में बीस वर्षो के बाद महिला पुलिस अधिकारी के रूप में महोदया मिली है जिससे जिले वासियों में उम्मीदे जग गई है। संगठन महोदया से उम्मीद करती है की पत्रकारों पर हमला , झूठा मुकदमा जैसे मामलो पर महोदया का सकारात्मक सहयोग रहेगा तथा जिले में अवैध कारोबार पर महोदया के स्तर पर अंकुश लगेगा। साथ ही महोदया से अनुरोध होगा की महेशपुर वाला मामला पर महोदया के स्तर से जाँच करते हुए उचित कार्यवाही करने की कृपा करेंगे। मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रतिनिधि सनातनी सागर चौधरी, जिला अध्यक्ष रतन भगत, जिला महासचिव दुलाल सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

मासिक अपराध गोष्ठी में पुलिस अधीक्षक ने दिए कई निर्देश

कोडरमा विजय यादव

पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह (भा.पु.से.) की अध्यक्षता में मासिक अपराध समीक्षा गोष्ठी का आयोजन किया गया। बैठक में मई माह के कार्यों की समीक्षा के बाद थाना प्रभारियों और शाखा प्रमुखों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए प्रमुख निदेशों में लंबित कांडों का त्वरित निष्पादन, अवैध खनन पर रोक, सक्रिय अपराधियों पर कार्रवाई, वाहन जांच अभियान और बैंक/एटीएम के पास पेट्रोलिंग बढ़ाने पर जोर दिया गया। इसके अलावा जन शिकायतों के त्वरित समाधान, सड़क सुरक्षा उपायों और लंबित वारंट/कुर्की निष्पादन हेतु विशेष अभियान चलाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक के अंत में पुलिस सभा का आयोजन कर पुलिसकर्मियों की समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए।

इंदिरा गांधी महिला कॉलेज में प्रथम सूची के आधार पर नामांकन 28 जून तक होगा।

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- दाउदनगर प्रखंड स्थित विश्व रत्न इंदिरा गांधी महिला महाविद्यालय के प्रांगण में बिहार विद्यालय परीक्षा समिति समिति उच्च माध्यमिक पटना के आदेशानुसार इंटर सत्र 2025-27 में विद्यार्थियों का नामांकन सुचारू पूर्वक क्रियान्वित हो रहा है।इस संबंध में जानकारी देते हुए कॉलेज की प्राचार्या डॉ पुष्पा कुमारी ने बताया कि दाउदनगर प्रखंड का यह एकमात्र महिला कॉलेज है जहां समय से छात्रवृत्ति,सभी तरह की लैब फैसिलिटी,कम्प्यूटर सुविधा दी जाती है। साथ ही साथ मुख्यमंत्री कन्या उत्थान के तहत जो भी छात्रवृत्ति विद्यार्थियों को मिलता है उसे उन्हें दिलाने का हर संभव प्रयास किया जाता है। पुस्तकालय की बेहतरीन सुविधा भी यहां उपलब्ध है। स्वच्छ वातावरण में इस कॉलेज में योग्य शिक्षकों के सान्निध्य में अध्ययन की सुविधा को मूर्त रूप प्रदान कराई जाती है।2025-27 सत्र का प्रथम सूची का नामांकन 28 जून तक ली जाएगी उसके बाद जब दूसरी सूची जारी होगी तो उसके आधार पर नामांकन लिया जाएगा।साथ ही साथ अस्पोटिंग के आधार पर भी नामांकन की सुविधा उपलब्ध है जिसमें सूची में नहीं नाम आए हुए विद्यार्थियों के लिए दी जाती है। नामांकन को सुचारू रूप से कराने में प्रोफेसर सुरेंद्र कुमार सिंह सहभागिता निभा रहे हैं।

जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में आईसीडीएस विभाग, वन स्टॉप सेंटर तथा महिला विकास निगम की संयुक्त समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिलाधिकारी श्री श्रीकान्त शास्त्री की अध्यक्षता में समाहरणालय के सभा कक्ष में आईसीडीएस विभाग, वन स्टॉप सेंटर तथा महिला विकास निगम की संयुक्त समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी द्वारा विभागीय योजनाओं की गहन एवं बिंदुवार समीक्षा की गई। समीक्षा की शुरूआत वन स्टॉप सेंटर-सह-महिला हेल्पलाइन सेंटर से की गई, जिसमें यह जानकारी दी गई कि जनवरी 2025 से अब तक घरेलू हिंसा से संबंधित कुल 55 मामले दर्ज हुए हैं, जिनमें मात्र 20 मामलों का निष्पादन किया जा सका है। जिलाधिकारी ने मामलों के कम निष्पादन पर असंतोष व्यक्त करते हुए संबंधित पदाधिकारी को निर्देशित किया कि शेष मामलों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए। इसके उपरांत जिलाधिकारी द्वारा जिले में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति की समीक्षा की गई। बताया गया कि जिले में कुल स्वीकृत 2751 केंद्रों में से 2624 केंद्र संचालित हैं, जबकि 104 केंद्रों को समीपवर्ती संचालित केंद्रों में टैग किया गया है। वर्तमान में जिले में 2527 आंगनबाड़ी सेविकाएं कार्यरत हैं, जबकि 150 पद रिक्त हैं। जिलाधिकारी ने आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन, रिक्तियों, अधोसंरचना की स्थिति, केंद्रों में पेयजल और शौचालय की उपलब्धता, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना, पोषण अभियान और न्यायालय वाद जैसे विषयों पर विस्तार से समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि सभी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि केंद्रों पर ग्रामीण स्वास्थ्य, स्वच्छता और गृह भ्रमण जैसी गतिविधियों को नियमित रूप से संचालित किया जाए ताकि योजनाओं का लाभ वास्तविक लाभुकों तक निश्चित रूप से पहुंचे। इस कार्य की जिम्मेदारी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, महिला पर्यवेक्षिका और संबंधित सेविकाओं की होगी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों को यह निर्देश दिया कि वे विभागीय कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से निष्पादित करें। इसके साथ ही उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि अति गंभीर कुपोषित (SAM) बच्चों की पहचान कर उन्हें त्वरित रूप से औरंगाबाद स्थित पोषण पुनर्वास केंद्र (NRC) में भर्ती कराया जाए, ताकि उन्हें समुचित देखभाल एवं पोषण उपलब्ध कराया जा सके। उक्त बैठक में उप विकास आयुक्त श्रीमती अनन्या सिंह, डीपीओ आईसीडीएस श्रीमती विनीता कुमारी, सभी सीडीपीओ तथा महिला पर्यवेक्षिकाएं उपस्थित रहीं

केंद्रीय अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने अपने पार्टी का विस्तार और राजभवन के समक्ष 16 जून को धरना करने का निर्णय लिया

कोडरमा विजय यादव

आपकी विकास पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने अपने कार्यालय में प्रेस वार्ता की जिसमें उन्होंने आपकी विकास पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ,प्रदेश कमेटी एवं प्रदेश के सभी जिला के जिला अध्यक्ष की नियुक्ति का प्रसार दिनांक 16 जून 2025 सोमवार को रांची इस्थित प्रेस क्लब में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान समय प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक करने का निर्णय लिया है ।झारखंड के लगभग 19 जिलों का जिला अध्यक्ष चयनित किए जाएंगे ।उन्होंने यह भी बताया की पार्टी के नव निर्वाचित कमेटी के प्रसार के बाद रांची स्थित करम टोली चौक से राजभवन तक पांच सूत्री मांगों को लेकर संघर्ष यात्रा की जाएगी और राज भवन पहुंचकर धरना प्रदर्शन भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि झारखंड की सरकार के सारे वादे सिर्फ पेपर पर ही सिमट के रह गए हैं उससे यहां की जनता को किसी प्रकार का कोई फायदा नहीं हो पा रहा है प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा लागू की गई केंद्रीय योजनाएं ही ज्यादा काम कर रही है ।यहां के नेता मस्त हैं और जनता पस्त है ।झारखंड में लगभग 50% खनिज संपत्ती होने के बाद भी यहां रोजगार नहीं है ।मुखिया के अंदर कई प्रकार के कार्य आते हैं लेकिन सिर्फ तीन पर ही यहां की मुखिया कार्य करती है। जिससे ग्रामीणों को उसका फायदा नही मिल पाता ।1932 आधारित खतियान की नियोजन नीति को लागू करना,विधवा को सिर्फ 1000 रुपए की राशि मिलती है जिसे बढ़ाना चाहिए ओर भी अन्य प्रकार की मांगों को लेकर ये कदम बढ़ाया जा रहा है अगर सरकार नही जागी तो लगातार एक यथक प्रयास से मेरी पार्टी आपकी विकास पार्टी सरकार को जगाने का कार्य करेगी।

डीसी ने जेएसएलपीएस की टीम के साथ किया योजनावार समीक्षात्मक बैठक

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ शनिवार बैठक में उपायुक्त मनीष कुमार ने बताया कि प्रत्येक माह 28 तारीख को अबुआ आवास योजना का गृह प्रवेश कराया जाता है। 24 तारीख को सभी प्रखंडों में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। सखी दिवस का आयोजन 10 तारीख को किया जाता है। साथ ही 8 तारीख को मजदूरी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस बार 23 जून को रक्तदान दिवस मनाया जाएगा। 25 को पीएम जनमन योजना का गृह प्रवेश किया जाएगा। साथ ही 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पूरे जिले में मनाया जाएगा। योग दिवस के दिन सभी जगह से योग करते हुए फोटो ग्रुप में आना चाहिए। 20 तारीख को जिला के सभी विद्यालय में तिथि भोज सह जन्मोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस बार तिथि भोज का नोडल जेएसएलपीएस रहेंगे। इसके अलावा उपायुक्त ने बताया कि 16 जून से पूरे जिले में डोर टू डोर अभियान चलाकर एक्टिव केस सर्च अभियान चलाया जाएगा। इस सर्च अभियान में एक ही बार में सभी तरह के एक्टिव केस सर्च किया जाएगा। आप सभी इसकी मॉनिटरिंग करेंगे। एक भी घर छूटने नहीं चाहिए। 15 से 30 जून तक चलने वाले ह्लधरती आबा जनभागीदारी अभियानह्व की तैयारियों को लेकर जेएसएलपीएस के पदाधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया।उपायुक्त मनीष कुमार ने बताया कि अभियान के तहत जनजातीय बहुल गांवों में विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें योग्य लाभुकों को आधार पंजीकरण, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत कार्ड, पीएम किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, जनधन योजना, विश्वकर्मा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, पीएम नेशनल डायलिसिस प्रोग्राम, सिकल सेल मिशन, पीएम आवास योजनाओं से जोड़ा जाएगा। उपायुक्त ने सभी कर्मियों को ग्राम स्तरीय शिविरों में सक्रिय रूप से भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाने का निर्देश दिया। बैठक में जिला पंचायत राज पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू, प्रखंड विकास पदाधिकारी, हिरणपुर, अमड़ापाड़ा, पाकुड़ एवं जिला भीवीडी पदाधिकारी डॉ अमित कुमार, डीपीएम जेएसएलपीएस प्रवीण मिश्रा समेत अन्य उपस्थित थे।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश में मारे गए लोगों को गोह में कैंडल मार्च निकालकर दी गई श्रद्धांजलि

जगतपति चौक पर रखा गया मौन, दिलीप बिश्वकर्मा बोले पूरे देश को इस हादसे ने झकझोर दिया है।

रिपोर्ट – अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद)अहमदाबाद में हाल ही में हुए भीषण प्लेन क्रैश में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए शुक्रवार शाम गोह प्रखंड के गोला स्थित शिव मंदिर से एक भावुक कैंडल मार्च निकाला गया। यह मार्च बैंक चौक से होते हुए पूरे गोह बाजार में भ्रमण करता हुआ जगतपति चौक पहुंचा, जहां दर्जनों लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर समाजसेवी दिलीप बिश्वकर्मा ने कहा, इस हृदयविदारक हादसे ने न सिर्फ पीड़ित परिवारों को, बल्कि पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। ऐसी घटनाएं हम सभी को यह सोचने पर मजबूर करती हैं कि जीवन कितना अनिश्चित है। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि मृतकों की आत्मा को शांति और उनके परिजनों को संबल मिले। वही बीजेपी नेता दीपक उपाध्याय ने कहा कि ऐसे समय में समाज के हर वर्ग को एकजुट होकर दुख की इस घड़ी में संवेदनाएं प्रकट करनी चाहिए। साथ ही सरकार से मांग की कि इस तरह की घटनाओं की गहराई से जांच हो और भविष्य में ऐसे हादसे न हों, इसके लिए ठोस कदम उठाए जाएं। इस श्रद्धांजलि सभा में जदयू प्रखंड अध्यक्ष ओमप्रकाश कुमार उर्फ कुंजन सिंह, अमरेंद्र कुमार सिंह, दीपक उपाध्याय, जेपी सेनानी अरबिंद पांडेय, रवि नंदन, आर्य कुमार, राजीव बिद्यार्थी, सचिन चन्द्रबंशी,कुंदन सिंह, रंजीत कुमार, चंद्रशेखर आजाद, गगन, कपिल यादव, अमरेश यादव, सुदामा पास्वान, बिन्देश्वरि शर्मा, सतेन्द्र शर्मा सहित गोह बाजार के दर्जनों व्यवसायी, छात्र-युवा सहित सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए। पूरा वातावरण गमगीन रहा और लोग मौन रहकर अपने-अपने तरीके से मृतकों के प्रति संवेदना प्रकट कर रहे थे।कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय एकता और शांति की प्रार्थना के साथ हुआ।

वरिष्ठ शिक्षाविद् और विद्वान डॉ. मनोज कुमार सिन्हा का निधन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर, कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य और राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर डॉ मनोज कुमार सिन्हा का निधन बीती रात को हो गया। पिछले कुछ समय से वो बीमार थे, और मई महीने में तकलीफ बढ़ने पर उन्हें देवघर से कोलकाता ले जाया गया था जहां उनका इलाज चल रहा था। । लगभग पांच दशकों तक शिक्षा, प्रशासन और सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय रहे डॉ. सिन्हा की विरासत प्रेरणादायक है। अपने 40 साल के लंबे करियर में डॉ मनोज कुमार सिन्हा ने देवघर कॉलेज में कई पीढ़ियां के बच्चों को पढ़ाने के साथ अनेक अन्य जिम्मेदारियों को निभाया। विभागाध्यक्ष रहते हुए उन्होंने आदिवासी कल्याण छात्रावास के वार्डन की जिम्मेदारी भी निभाई। देवघर टाउन हॉल, देवघर क्लब और अन्य जगहों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों को सूचीबद्ध तरीके से आयोजित करने से लेकर, देवघर स्टेडियम में क्रिकेट टूनार्मेंट आयोजित करने में वो आगे रहते। अपने युवावस्था से ही खुद खेल कूद में माहिर रहते हुए उन्होंने देवघर के सभी ऐसे सामूहिक आयोजनों में अपनी शोखी, अनुभव, अंदाज और आवाज से लोगों का दिल जीतते रहे। एक उत्कृष्ट शिक्षक होने के साथ-साथ वे एक कुशल प्रशासक भी थे। वे एस.के.एम विश्वविद्यालय में डीन, स्टूडेंट्स वेलफेयर और डीन, ट्रेनिंग, डेवलपमेंट एवं प्लेसमेंट रहे। साथ ही, उन्होंने कार्यकारी कुलपति, प्रोकुलपति और कुलसचिव के रूप में भी सेवाएँ दीं। कॉलेज स्तर पर वे परीक्षा नियंत्रक, प्रवेश प्रभारी और 1992 से राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहे। सत्तर के दशक में उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज से अपने स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की, और वहां गोल्ड मेडलिस्ट रहे। देश में लगी इमरजेंसी के दौरान भी उन्होंने राजनैतिक दमन के खिलाफ आवाज उठाई और समाज में विचार और विमर्श की संस्कृति को मजबूत करने का बीड़ा उठाया। काम की शुरूआत उन्होंने भागलपुर विश्वविद्यालय के टी. एन. बी कॉलेज से की।। अपने पिता डॉ एस नाथ के कहने पर देवघर वापस आकर उन्होंने कॉलेज में प्रोफेसर के नौकरी कर ली। सेवा निवृति से पूर्व उन्होंने सिदो कान्हु मुर्मू वो विश्वविद्यालय, दुमका में छात्र

अधिष्ठाता (डीन) का प्रभार सँभाला, और फिर देवघर कॉलेज में प्रधानाध्यापक हो के रिटायर हुए। शहर के कई पुराने और गणमान्य लोगों ने उनके बहु-आयामीय व्यक्तित्व, क्रमबद्ध तरीके से प्रशासन व्यवस्था में निपुणता और मानवीय मूल्यों से जुड़ाव को याद करते हुए परिवार को शोक संदेश भेजे है। डॉ. सिन्हा खेल और संस्कृति के क्षेत्र में भी अग्रणी रहे। उन्होंने विश्वविद्यालय और राज्य स्तर की टीमों का प्रबंधन किया तथा रंगमंच, मंच संचालन और सांस्कृतिक आयोजनों में सक्रिय भूमिका निभाई। वे बिहार राज्य खो-खो महिला टीम के प्रबंधक, ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी टूनामेंट्स में कई खेल टीमों के प्रतिनिधि तथा जिला खेल संघ, देवघर के सचिव भी रहे। उन्होंने देवघर महोत्सव, पुस्तक मेले तथा स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस समारोहों में समन्वयक, उद्घोषक और आयोजक के रूप में उल्लेखनीय कार्य किया। उन्हें देवघर जिला प्रशासन और चंद्रकांत संगीत विद्यापीठ द्वारा विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया गया था। वे एक समर्पित शिक्षक, मार्गदर्शक, प्रशासक और सांस्कृतिक प्रतिनिधि के रूप में सदैव याद किए जाएंग डॉ. सिन्हा को 2016 में सेवा निवृति मिली थी, जिसके बाद वो देवघर में रहते हुए अपने घर में परिवार, बच्चों, और अपने बगीचे की देखभाल में लगे हुए थे। वो अपने पीछे एक भरा पूरा परिवार छोड़कर जा रहे जिसमें उनकी पत्नी दीप्ति सिन्हा, छोटे भाई नीरज कुमार सिन्हा, पुत्र सुष्मित नाथ, बहनें, बेटियां, बहु, भतीजे भतीजी, भांजे भांजी और छोटे नाती पोते है। उनके निधन से शिक्षण समुदाय, सहकर्मी, विद्यार्थी और प्रशंसक गहरे श

संक्षिप्त समाचार

जदयू ने नगर पंचायत नबीनगर के पार्टी की बूथ जीतो-चुनाव जीतो की चर्चा पर बैठक आयोजित किया गया पूर्व विधायक - वीरेन्द्र कुमार सिंह

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- नबीनगर जनता दल यूनाइटेड के तहत नबीनगर में नगर पंचायत जनता दल यूनाइटेड की बैठक बूथ जीतो-चुनाव जीतो को लेकर हुई। इस बैठक की अध्यक्षता नगर पंचायत अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने किया जबकि इस बैठक के मुख्य अतिथि औरंगाबाद के पूर्व सांसद सह नवीनगर के पूर्व विधायक श्री वीरेंद्र कुमार सिंह एवं नबीनगर विधानसभा प्रभारी अरुण शर्मा थे। इस बैठक में सभी पंचायत अध्यक्ष वार्ड अध्यक्ष,कार्यकर्ता, सक्रिय सदस्य एवं पार्टी के पदाधिकारी गण उपस्थित थे। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद ने सरकार के द्वारा चल रही 245 योजना की जानकारी दी और कहा इस योजना को जनता तक पहुंचना है ।साथ ही साथ पूर्व विधायक ने आरजेडी से छोड़कर आए कई महिला एवं पुरुष को जनता दल की सदस्यता दिलायी। इस कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार सिंह,जिला उपाध्यक्ष सूर्यवंश सिंह, जिला उपाध्यक्ष महावीर कुशवाहा,नवीनगर प्रखंड अध्यक्ष कमलेश कुमार सिंह,सरपंच संघ के अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह, मीडिया प्रभारी सोनू कुमार सोनी, पंचायत अध्यक्ष दूधनाथ कुमार सिंह, उमेश भंडारी, पंचायत सचिव रवि पटेल, अनिल कुमार सिंह इत्यादि उपस्थित रहे।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय की महत्वपूर्ण सामाजिक संस्था पृथ्वीराज चौहान चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में ब्लॉक मोड़ स्थित पृथ्वीराज चौहान स्मृति स्थल के प्रांगण में अहमदाबाद के प्लेन क्रैश दुर्घटना में मृतक लोगों की आत्मा के शांति के लिए एक शोक सभा का आयोजन किया गया। संस्था के अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप नारायण सिंह के नेतृत्व में उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखा एवं उनके आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह उर्फ पप्पू जी, सचिव स्वर्णजीत कुमार सिंह,कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश सिंह एवं रामप्रवेश सिंह, उपाध्यक्ष डॉ संजीव रंजन एवं मनोज कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष विकास कुमार सिंह, वरीय सदस्य प्रोफेसर विजय कुमार सिंह,शैलेंद्र सिंह,शिक्षाविद सुनील सिंह, शिवनारायण सिंह,अवधेश सिंह,भोला सिंह, अरुण कुमार सिंह सहित अन्य लोगों ने अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि बड़ा ही हृदय विदारक घटना है इस घटना से पूरा देश मर्माहत है संकट की घड़ी में ईश्वर उनके परिवार को संबल प्रदान करें।

विनोद कुमार मिश्रा के आठवीं पुण्यतिथि पर लघु काव्य गोष्ठी एवं श्रद्धांजलि सभा

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय स्थित कर्मा रोड के सर्वोदय नगर में चर्चित साहित्यकार विनय मामूली बुद्धि के आवास पर समाजसेवी विनोद कुमार मिश्रा के आठवीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा सह काव्यगोष्ठी का आयोजन किया गया। विनय मामूली बुद्धि के अध्यक्षता में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित लोगों ने सर्वप्रथम के तेल चित्र एवं उनके शहर में नहीं विमला देवी उनके तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया एवं दो मिनट का मौन रखकर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी ।संचालन सुरेश विद्यार्थी द्वारा किया गया। जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के महामंत्री धनंजय जयपुरी शब्दाक्षर के जिलाध्यक्ष नागेंद्र केसरी, वरिष्ठ कवि अनिल कुमार अनल,जनार्दन मिश्रा,अनुज बेचैन ने उनके जीवन वृत्त पर काव्यमय पाठ किया तो देव प्रखंड के पूर्व उप प्रमुख मनिष पाठक,संज्ञा समिति के जिलाध्यक्ष अशोक पांडेय, उपाध्यक्ष उज्ज्वल रंजन, वरीय अधिवक्ता योगेश मिश्रा, बुलेट न्यूज के संपादक राज पाठक,हरि पाठक, अशोक मिश्र,समाजसेवी विकास मिश्र,वत्सल मिश्र,रुद्रांश दत सहित अन्य लोगों ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि एवं बहुमुखी प्रतिभा के धनी व्यक्तित्व के रूप में जाने जाते थे ।मशहूर ग्राम यारी के निवासी विनोद कुमार मिश्रा जी झारखंड राज्य के धनबाद शहर में कई दशक तक जीवन यापन के क्रम में अपनी सरकारी सेवा दी। सेवानिवृत्ति के पश्चात जब औरंगाबाद आए तो सामाजिक कार्यों में हमेशा संलग्न रहने लगे। जरुरतमंदों को हमेशा मदद किया करते थे सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया करते थे।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, गोह के प्रभारी-सह-निकासी पदाधिकारी बने डॉ. शिव शंकर कुमार

स्वास्थ्य विभाग के निदेशानुसार हुआ पदभार हस्तांतरण का आदेश।

रिपोर्ट – अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद)प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, गोह में नए प्रभारी-सह-निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी के रूप में डॉ. शिव शंकर कुमार को नियुक्त किया गया है। इस संबंध में असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, औरंगाबाद द्वारा आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश के अनुसार, डॉ. शिव शंकर कुमार की नियुक्ति स्वास्थ्य विभाग, बिहार की अधिसूचना संख्या 1017(2) के तहत हुई थी तथा अधिसूचना संख्या 599(2) द्वारा उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, गोह में पदस्थापित किया गया है। वहीं वर्तमान प्रभारी डॉ. अभिनव चन्द्रा की नियुक्ति अधिसूचना संख्या 1190(2) के माध्यम से देवकुंड स्थित अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में की गई थी। सरकार के विभिन्न निदेशों एवं पत्रों के आलोक में, कोषागार संहिता के नियम 84 के तहत डॉ. शिव शंकर कुमार को अब पीएचसी गोह का प्रभारी-सह-निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी घोषित किया गया है। संबंधित चिकित्सा पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि आदेश की प्राप्ति के 24 घंटे के अंदर प्रभार का आदान-प्रदान सुनिश्चित करें एवं इसकी सूचना मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी कार्यालय को दें।

महरना पंचायत के विकास मित्र के कार्यशैली से डीएम दिखे असंतुष्ट, स्पष्टीकरण पूछने का दिया निर्देश

धरहरा प्रखंड के सारोंबाग एवं महरना पंचायत में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन

आशीष कश्यप

धरहरा (मुंगेर) : डॉ. अम्बेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति टोलो में आयोजित होने वाले विशेष विकास शिविर सह सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में शनिवार को धरहरा प्रखंड के सारोबाग एवं महरना पंचायत में जाकर जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा द्वारा स्थानीय लोगों के बीच प्रमाण पत्र आदि का वितरण किया गया। साथ ही वहां की आम जनता की समस्याओं से रूबरू भी हुए। वहीं महरना पंचायत में आयोजित शिविर में विकास मित्र के कार्यशैली पर असंतोष व्यक्त करते हुए जिला कल्याण पदाधिकारी से उनके खिलाफ स्पष्टीकरण पूछने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त अजीत कुमार सिंह, प्रखंड विकास पदाधिकारी धरहरा सहित अन्य उपस्थित थे। जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी ग्रामीणों से कहा कि राज्य सरकार द्वारा आप सबों के लिए विभिन्न प्रकार की कई महत्वपूर्ण जन कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है, ताकि आप सभी उसका अधिक से अधिक लाभ उठा सकें। आप सबों को और अधिक सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ही डॉ. अम्बेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति टोलो में विशेष विकास शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जहां तत्काल आपके द्वारा दिए आवेदनों पर कार्रवाई करते हुए आपको संबंधित लाभ दिया जा रहा है। इस शिविर में आप राशन कार्ड, आधार कार्ड, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र सहित अन्य दस्तावेज आवेदन देने के साथ ही तत्काल बनवा सकते हैं। आपको इन दस्तावेजों को बनाने में ज्यादा दौड़ भाग न करना पड़े या बिचैलियों के चक्कर में न पड़ना पड़े इसके लिए ही आपके द्वार पर सरकार स्वयं इस प्रकार से शिविर लगाकर आपको उन लाभों से लाभान्वित करने का काम कर रही है। इस लिए आपके पंचायत में आयोजित इस शिविर का आप अधिक से अधिक लाभ लें तथा अपने, अपने बच्चों का आधार कार्ड निर्माण कराएं, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, राशन कार्ड सहित अन्य दस्तावेज तत्काल बनवा सकते हैं। उन्होंने सारोबाग में तीन लाभूकों के बीच राशन कार्ड जबकि दो के बीच जन्म प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड के दस्तावेज का वितरण किया। महरना पंचायत में आयोजित शिविर में स्थानीय ग्रामीणों की समस्याओं से रूबरू हुए। ग्रामीणों ने कहा कि यहां नाला नहीं रहने से हम ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वहीं कुछ ग्रामीणों ने प्रधान मंत्री आवास योजना की भी मांग की। उन्होंने तत्काल उपविकास आयुक्त को उस क्षेत्र में सर्वे कराकर पात्र लाभुकों को उक्त योजना का लाभ दिलाने का आवश्वासन दिया। शिविर में ग्रामीणों द्वारा कम आवेदन प्राप्त होने पर उन्होंने वहां के विकास मित्र की कार्यशैली पर असंतोष व्यक्त करते हुए, जिला कल्याण पदाधिकारी से उनके खिलाफ स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आम जन के सरोकार के लिए जितने भी कार्य किए जा रहे हैं, उसमें लापरवाही बतरने वाले कर्मियों को नहीं बख्शा जाएगा, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस लिए अपनी कार्यशैली में सुधार लाएं और आमजन के लिए खुद को समर्पित कर कार्य करें तथा उनकी हर समस्याओं के समाधान करें।

विश्व रक्तदान दिवस पर बोले डीएम : रक्तदान महादान, इससे बड़ा कोई ना नेक काम

मुंगेर सदर अस्पताल में विश्व रक्तदाता दिवस पर शिविर का आयोजन

दिव्य दिनकर संवाददाता

मुंगेरः विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर शनिवार को सदर अस्पताल स्थित भारतीय रेडक्रास के रक्त अधिकोष परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन डीएम अरविन्द कुमार वर्मा द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने जहां रक्त अधिकोष में रक्तदान कर रहे रक्तवीरों का हौसला अफजाई किया, वहीं चार रक्तवीरों को लगातार नियमित रक्तदान करने के लिए रेडक्रास की तरफ से प्रशस्ति पत्र भी वितरित किया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त अजीत कुमार सिंह, महापौर कुमकुम देवी, सिविल सर्जन डा. रामप्रवेश, रेडक्रॉस के डा. सुधीर सहित अन्य उपस्थित थे। जिलाधिकारी ने रेडक्रॉस द्वारा आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर के लिए रेडक्रॉस के सभी पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि रक्तदान अत्यंत ही नेक काम है, और ऐसे नेक काम में रक्तदान करने वाले रक्तवीर भी बधाई एवं शुभकामना के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि रक्तदान सच में जीवन दान है। विशेषकर वैसे विषम परिस्थिति में जब कोई दुर्घटना में किसी व्यक्ति को रक्त की जरूरत होती है तो वह सबसे पहले जिले के रक्त अधिकोष में ही रक्त लेने पहुंचते हैं। ऐसे में उस वक्त उन्हें जब रक्त मिलता है तो वो भी अपने परिजनों की जान बचाने के लिए रक्तदान करने वाले रक्तवीरों को साधुवाद देते हैं। कुछ लोगों में आज भी भ्रांतियां हैं कि रक्तदान करने से कमजोरी अथवा परेशानी होती है, तो वो ये जान लें कि रक्तदान करने से किसी भी प्रकार की कोई कमजोरी अथवा परेशानी नहीं होती। चिकित्सक अपनी निगरानी में रक्तवीरों से रक्त लेते हैं और उन्हें अपनी निगरानी में स्वस्थ रूप से फिट रहने के भी कई टिप्स देते हैं। जिलाधिकारी ने आमजन अथवा 18 वर्ष से उपर आयुवर्ग के वैसे सभी युवाओं से अपील करते हुए कहा कि आप सभी शारीरिक रूप से स्वस्थ हैं तो रक्तदान अवश्य करें। आप के रक्त से एक नहीं कई जिन्दगीयां आबाद हो सकती है। इस लिए रक्तदान शिविर में रक्तदान अवश्य करें। उन्होंने सम्मानित चारों रक्तवीरों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सभी समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं, जो प्रत्येक वर्ष में चार बार स्वैच्छिक रक्तदान करते हैं। इनमें दो पत्रकार रक्तवीरों के बारे में कहा कि आप पत्रकारिता करके समाज में आईना बनकर आमजन को कई तरह की जानकारियों से रूबरू तो कराते ही हैं, रक्तदान कर के सामाजिक रूप से एक सजग प्रहरी की भूमिका भी निभा रहे हैं। आप सभी रक्तवीरों के वजह से ही कई गरीब व लाचार लोगों के साथ कई अन्य मरीजों को ससमय रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित हो जाती है। उन्होंने सभी रक्तवीरों को शुभकामनाएं देते हुए इसी तरह समाज में बढ़चढ़ कर सामाजिक कार्य करने की भी अपील की।

उपविकास आयुक्त अनन्या सिंह ने जिले के सखी वन स्टॉप सेंटर एवं जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ विमेन कार्यालय का निरीक्षण किया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार तथा महिला एवं बाल विकास निगम, बिहार सरकार के संयुक्त तत्वावधान में संचालित मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत कार्यरत सखी वन स्टॉप सेंटर एवं जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ विमेन कार्यालय का उपविकास आयुक्त श्रीमती अनन्या सिंह के द्वारा निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण का उद्देश्य केंद्रों की कार्यप्रणाली की समीक्षा करना, सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करना तथा सुचारू एवं प्रभावी संचालन के लिए आवश्यक संसाधनों और रणनीतियों का आकलन करना था। निरीक्षण के दौरान केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं जैसे झ परामर्श सेवा, चिकित्सा सहायता, विधिक सहयोग, आश्रय सुविधा एवं 24x7 हेल्पलाइन की स्थिति का गहन अवलोकन किया गया। निरीक्षण दल ने पीड़ित महिलाओं को दी जा रही सेवाओं की समीक्षा की और उनकी गोपनीयता, गरिमा एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु दिशा-निर्देश जारी किए। इसके अतिरिक्त केंद्र पर कार्यरत स्टाफ की कार्यक्षमता, रिपोर्टिंग प्रणाली, केस मैनेजमेंट एवं अंतर-विभागीय समन्वय पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर जिला प्रोग्राम पदाधिकारी श्रीमती विनीता कुमारी एवं महिला एवं बाल विकास निगम की जिला परियोजना प्रबंधक की गरिमामयी उपस्थिति रही। दोनों पदाधिकारियों ने सेवा प्रदाताओं से संवाद कर केंद्र में आ रही व्यावहारिक चुनौतियों की जानकारी ली और समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु आश्वस्त किया। निरीक्षण के अंत में मिशन शक्ति के अंतर्गत महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए संचालित अन्य कार्यक्रमों जैसे झ महिला हेल्पलाइन 181, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण पहल आदि पर भी विचार-विमर्श किया गया तथा इन्हें जमीनी स्तर पर और अधिक प्रभावी बनाने के लिए निर्देश दिए गए।

अहमदाबाद विमान हादसे पर कांग्रेस ने किया दुख प्रकट

कांग्रेस नेताओं ने मृतकों को दी श्रद्धांजलि, दिवंगत कांग्रेस जिलाध्यक्ष को श्रद्धा सुमन किया अर्पित

जमालपुर।

अहमदाबाद विमान हादसे पर कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने गहरा दुख प्रकट किया है। जमालपुर शहर कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में शनिवार को मारवाड़ी धर्मशाला रोड स्थित गांधी चर्चा मंदिर कांग्रेस कार्यालय में शोक सभा सह श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शोक सभा की अध्यक्षता शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष साईं शंकर ने किया। इस दौरान कांग्रेस परिवार की ओर से अहमदाबाद एयर इंडिया विमान हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोगों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिजनों के साथ संवेदना व्यक्त की। शोक सभा के दौरान मुंगेर जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व जिला अध्यक्ष मोहम्मद शहजाद के आकस्मिक निधन पर दुख प्रकट करते हुए कांग्रेस नेताओं ने दिवंगत पूर्व जिला अध्यक्ष को श्रद्धा सुमन अर्पित किया। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष साईं शंकर ने अपनी ओर से संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और उनके परिजनों को इस दुखद घड़ी में संबल दें। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शामिल कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष सिद्धेश्वर नाथ विश्वकर्मा, भूपेंद्र नाथ सिंह, विनोद कुमार मंडल, कृष्ण मुरारी, धीरज जालान, मास्टर प्रेम, विकास कुमार, प्रेम राम सिंह, विनोद रजक, परमानंद मंडल, मनोज कुमार ने प्लेन क्रैश में जान गंवाने वाले लोगों की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

जोशा काउंसलिंग के फर्स्ट राउंड में अनुग्रह स्कूल के प्राचार्य पुत्र प्रसून को मिला एसपीए,न्यू दिल्ली

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जेईई एडवांस के रिजल्ट के उपरांत आरम्भ हुआ जोशा काउंसलिंग के प्रथम राउंड का सीट एलोकेशन उसके वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। जिला मुख्यालय स्थित पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय के प्राचार्य उदय कुमार सिंह के सुपुत्र डीपीएस रांची के विद्यार्थी रहे प्रसून प्रवर को इस राउंड में स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर(एसपीए), नई दिल्ली आवंटित हुआ है। यह संस्थान प्रसून को जेईई मेन टू के बी प्लानिंग में ऑल इंडिया रैंक 68 प्राप्त होने के कारण मिला है ।देश में 1941में स्थापित इस संस्थान को आईआईटी एवं आईआईएम की तरह भारत सरकार के द्वारा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के दर्जा से नवाजा गया है ।भारत में तीन एसपीए हैं जो दिल्ली के अतिरिक्त भोपाल एवं विजयवाड़ा में है ।बी प्लानिंग में टॉप स्टूडेंट्स को टाऊन प्लानिंग, एनवायरमेंट प्लानिंग, अर्बन प्लानिंग, ट्रांसपोर्ट प्लानिंग आदि में दक्षता प्रदान की जाती है ।प्रसून जोशा के एलोकेशन पर प्रसन्नता जाहिर किए है और अगले राउंड्स में उन्हें पसंद का आईआईटी भी मिलने का उम्मीद है ।प्रसून को पहले राउंड में ही देश का शीर्ष संस्थान प्राप्त होने पर माता पिता सहित परिवार के सभी सदस्यों ने प्रसन्नता जाहिर किए हैं।

जिला पदाधिकारी ने देव प्रखंड के महादलित टोलों में विशेष विकास शिविर का निरीक्षण एवं बहुआरा हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का औचक निरीक्षण किया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के देव प्रखंड में महादलित टोलों में विशेष विकास शिविर का निरीक्षण एवं बहुआरा हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का जिला पदाधिकारी ने औचक निरीक्षण किया,इस औचक निरीक्षण में देव प्रखंड अंतर्गत बेढ़नी पंचायत के महादलित टोला कुरहाबाद एवं बसडीहा पंचायत के महादलित टोला गुरगईया में डॉ. अंबेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत आयोजित विशेष विकास शिविर का निरीक्षण किया गया। साथ ही, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, बहुआरा का भी औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में सर्वप्रथम जिलाधिकारी श्री शास्त्री द्वारा हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, बहुआरा का निरीक्षण किया गया। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं जैसे चिकित्सा सेवाएं, दवाओं की उपलब्धता, महिला स्वास्थ्य सेवाएं, टीकाकरण की स्थिति, स्वच्छता एवं मरीजों के बैठने की व्यवस्था की बारीकी से समीक्षा की। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि केंद्र पर गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक चिकित्सा सेवाएं सुनिश्चित की जाएं और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों से नियमित उपस्थिति बनाए रखने और सेवा भावना से कार्य करने की सलाह दी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मरीजों से बातचीत कर उनके अनुभव भी सुने और सरकार द्वारा संचालित स्वास्थ्य केंद्रों को जनविश्वास का केंद्र बनाने की बात कही। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने डॉ. अंबेडकर समग्र सेवा अभियान के अंतर्गत आयोजित विशेष विकास शिविर का निरीक्षण किया। शिविर में उपस्थित विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों से उन्होंने आवेदनों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। यह पाया गया कि अधिकांश आवेदन राशन कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, आधार नामांकन, प्रधानमंत्री आवास योजना, हर घर नल जल योजना, नाली-गली योजना एवं आयुष्मान भारत योजना से संबंधित थे। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी प्राप्त आवेदनों को तत्काल पोर्टल पर अपलोड कर उनका ऑन-द-स्पॉट निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, जिससे लाभार्थियों को त्वरित लाभ मिल सके। जिलाधिकारी ने ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर उन्हें विभिन्न योजनाओं के प्रति जागरूक किया और आवेदन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रारंभ डॉ. अंबेडकर समग्र सेवा अभियान का उद्देश्य समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक सरकारी सेवाओं की सीधी एवं पारदर्शी पहुंच सुनिश्चित करना है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा लाभार्थियों के बीच आयुष्मान भारत कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, राशन कार्ड आदि का वितरण किया गया, जिससे लाभार्थियों को मौके पर ही योजनाओं का वास्तविक लाभ प्राप्त हुआ। कुरहाबाद में आयोजित शिविर के निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने जिला पदाधिकारी को अवगत कराया कि टोला में नल-जल योजना संचालित नहीं है, जिससे इस भीषण गर्मी में पेयजल संकट उत्पन्न हो गया है। जिलाधिकारी ने इस गंभीर समस्या पर त्वरित संज्ञान लेते हुए एक सप्ताह के भीतर नल-जल योजना प्रारंभ कर पेयजल संकट का समाधान करने का आश्वासन दिया। साथ ही ग्रामीणों द्वारा यह भी बताया गया कि टोला से विद्यालय तक पक्का रास्ता उपलब्ध नहीं है, जिससे बच्चों एवं ग्रामीणों को आवागमन में कठिनाई होती है। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित विभाग को निर्देशित करते हुए शीघ्र कार्रवाई कर रास्ता निर्माण कराने का भरोसा दिलाया। शिविर में विभिन्न विभागों की सक्रिय सहभागिता रही एवं ऑन-द-स्पॉट पंजीकरण, दस्तावेज सत्यापन तथा सेवा वितरण की प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता एवं सुगमता के साथ संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने बताया कि इस प्रकार के विशेष शिविर प्रत्येक बुधवार एवं शनिवार को जिले के सभी प्रखंडों में आयोजित किए जा रहे हैं, जिसकी शुरूआत दिनांक 19 अप्रैल 2025 से की गई है। इन शिविरों के माध्यम से कुल 22 चयनित सेवाओं के तहत पात्र लाभार्थियों को आच्छादित करने का लक्ष्य निर्धारित है। अंत में जिलाधिकारी ने सभी विभागीय पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे समन्वय, तत्परता एवं उत्तरदायित्व की भावना के साथ कार्य करें, जिससे शिविरों को सफल बनाकर सरकार के ह्लअंतिम व्यक्ति तक सेवाह्व के संकल्प को साकार किया जा सके।

बच्चों के लिए फौजी तालीम ! : आखिर महाराष्ट्र सरकार की यह नई योजना क्यों चिन्तित करने वाली पहल है?

सुभाष गाताडे

भारतीय संघ के सबसे समृद्ध सूबा कहलाने वाले महाराष्ट्र ने स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में एक नयी पहल हाथ में ली है। वह स्कूली छात्रों के लिए कक्षा 1 से ही बुनियादी फौजी प्रशिक्षण देना शुरू करेगा, ताकि बच्चों में 'देशभक्ति, अनुशासन और बेहतर शारीरिक स्वास्थ्य की नींव डाली जा सके।' एक स्थूल अनुमान के हिसाब से चरणबद्ध तरीके से लागू की जाने वाली इस योजना में लगभग ढाई लाख सेवानिवृत्त सैनिकों को तैनात किया जाएगा। निस्सन्देह, ऑपरेशन सिन्दूर के बाद इस प्रस्ताव की तरफ बाकी लोगों की भी निगाह रहेगी और इस बात में कोई आश्चर्य नहीं जान पड़ता कि कुछ अन्य भाजपा शासित राज्य भी ऐसी ही योजनाओं को लागू करने में आगे रहेंगे। लेकिन यह प्रस्ताव कई स्तरों पर चिन्तित करने वाला है : एक, जैसा कि जानकारों एवं शिक्षा शास्त्रियों ने बताया है कि राज्य का शिक्षा जगत एक जटिल संकट से गुजर रहा है, जिसका प्रतिबिम्बन कमजोर होते अधोसंरचना, अध्यापकों की कमी और नीतियों को लागू करने के रास्ते में आने वाली प्रचंड बाधाओं में उजागर होता है। इस स्थिति की परिणति विद्यार्थियों के लगातार घटते अंक, कक्षाओं में छात्रों की घटती संख्या और तमाम स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की कमी में होती दिखती है। अगर सरकार की तरफ से कक्षा एक से आगे फौजी प्रशिक्षण प्रदान करने की योजना को लागू किया गया, तो उसका असर स्कूली शिक्षा के लिए आबंटित किए जा रहे संसाधनों में अधिक कटौती में दिखाई देगा। दूसरे, शैक्षिक जगत में सक्रिय कार्यकर्ताओं एवं सरोकार रखने वाले नागरिकों में पहले से ही विगत दशक में बन्द हुए हजारों स्कूलों को लेकर (जिसकी वजह संसाधनों की कमी और नीतिगत बदलावों को बताया गया था) झ शिक्षा के अधिकार के उल्लंघन को लेकर पहले से ही चिन्ताएं व्याप्त रही हैं। इतना ही नहीं सालाना शिक्षा की स्थिति को लेकर तैयार रिपोर्टें में (असर) महाराष्ट्र के शिक्षा जगत की बदतर होती स्थिति पर पहले से ही चिन्ता प्रगट होती रही है। और ऐसा प्रतीत हो रहा है कि सरकार को लग रहा है कि इस नयी लोकरंजक योजना का गुणगान एक तरह से स्कूली शिक्षा के संकट को फौरी तौर पर ढंक देगा। तीसरे, यह कदम इस बात को भी प्रमाणित करता है कि राज्य के कर्णधारों में शिक्षा को लेकर कोई दूरगामी दृष्टि और योजना का गहरा अभाव है। आप को याद होगा कि मौजूदा सरकार कुछ समय पहले से ही एक अन्य वजह से जानकारों की गंभीर आलोचना का शिकार हो रही है, क्योंकि उसने आनन-फानन में अपने स्कूली पाठयक्रम का परित्याग किया है और ऐलान किया है कि वह सीबीएसई (सेंट्रल बोर्ड आफ सेकन्डरी एजुकेशन) द्वारा विकसित पाठ्यक्रम और पाठयपुस्तकों को अपने यहां लागू करेगी।4 इसके लिए भी व्यापक सलाह मशविरे की कोई जरूरत महसूस नहीं की गयी, जबकि यह योजना लगभग 2.1 करोड़ छात्रों और लगभग 7 लाख अध्यापकों को गहरे से प्रभावित करेगी।5 चार, दरअसल योजना का सबसे विचलित करनेवाला पहलू यह है कि कक्षा एक के बच्चों में -अर्थात तीन या चार साल के बच्चों में झ फौजी प्रशिक्षण शुरू करने का मकसद शिक्षा के बुनियादी मकसद को ही पराजित करता दिखेगा, क्योंकि शिक्षा का उद्देश्य बच्चों के मन-मस्तिष्क पर जो तरह तरह की बेड़ियां समाज, परिवार या राज्य आदि की तरफ से लगायी गयी होती हैं, उनको एक झटके में तोड़ना है, ताकि वह स्वतंत्र ढंग से सोचना शुरू कर सके। विशेषज्ञों की जुबां में कहें, तो यह प्रक्रिया एक तरह से "खाली पड़े मन को खुले मन में तब्दील करना होता है।" एक अमेरिकी पत्रकार सिडनी हैरिस (1917-1986) कहते थे कि "शिक्षा का उद्देश्य होता है शीशों को खिड़कियों में तब्दील करना। अगर हम कोमल उम्र में मन को अनुशासित करने पर जोर देने लग जायें, तो यह कदम न केवल उसकी सृजनात्मकता को कुचल देगा, बल्कि जैसा कि रविन्द्रनाथ ठाकुर (राष्ट्रवाद) ने आगाह किया था, यह एक तरह से "सरकार द्वारा अपने मन की कांट-छांट और अपनी आज़ादी को सीमित करने की प्रक्रिया के प्रति समूची जनता के स्वैच्छिक ढंग से समर्पित होने में परिणत होगा। पांच, बच्चों के लिए कक्षा एक से ही सैनिक प्रशिक्षण शुरू करने के इस सिलसिले का एक अन्य समस्यापूर्ण पहलू यह होगा कि वह बच्चों के मन में 'अज्ञात दुश्मनों' को लेकर एक अनावश्यक डर पैदा करेगा, जो उनके लिए विभिन्न किस्म की मनोवैज्ञानिक समस्याओं को भी जन्म दे सकता है।'' "सभ्यता का सबसे महत्वपूर्ण कार्यभार है कि वह लोगों को सोचना सीखा दे। हमारे पब्लिक स्कूलों का वही प्रमुख मकसद होना चाहिए.. शिक्षित करने के हमारे तरीके की दिक्कत यह है कि वह मन को लचीलापन प्रदान नहीं करती, वह दिमाग को एक सांचे में ढालती है। वह इस बात पर जोर देती है कि बच्चा स्वीकार करे। वह मौलिक विचार या तर्कणा को प्रोत्साहित नहीं करती, और वह अवलोकन की तुलना में याददाश्त पर अधिक जोर देती है।" -- थॉमस एडिसन (अमेरिकी आविष्कारक, 1847-1931)। आप कह सकते हैं कि सूबाई सरकार की यह योजना एक तरह से स्कूली शिक्षा में एक गुणात्मक छलांग है, जो बाकी राज्यों के लिए भी एक नज़ीर बन सकती है। और इसके मद्देनज़र यह उम्मीद बिल्कुल वाजिब थी कि सरकार इसके इर्द-गिर्द समाज में, खासकर प्रबुद्ध तबकों में व्यापक बहस मुबाहिसा चलाएगी, इस कदम के गुण-दोषों पर वस्तुनिष्ठ ढंग से सोचेगी, शिक्षाशास्त्रियों से इस मसले पर राय लेगी कि प्रायमरी स्कूलों से सैनिक शिक्षा के किस तरह के गंभीर परिणाम हो सकते हैं, और उसके बाद ही निर्णय लेगी लेकिन केन्द्र मे सत्तासीन भाजपा सरकार और राज्य में उसकी पार्टी की विभिन्न सरकारों में अब यह रवायत ही कायम हो गयी है कि ऐसे किसी व्यापक सलाह-मशविरे की कोई जरूरत नहीं। चाहे नोटबंदी का फैसला हो या कोविड के वक्त चार घंटे के अंदर पूरे मुल्क में लॉकडाउन करने का तुगलकी फैसला हो, या उन्हीं दिनों में विपक्ष द्वारा उठाए तमाम आक्षेपों के बावजूद हजारों करोड़ की लागत से राजधानी में सेंट्रल विस्टा बनाने का प्लान हो, हम इसे बार-बार देख चुके हैं। और महाराष्ट्र सरकार का यह बेहद महत्वाकांक्षी फैसला भी इसी किस्म की अपारदर्शिता का शिकार रहा है, जो इस बात की ताईद करता है कि राज्य सरकार किसी भी सूरत में इस योजना को आगे बढ़ाना चाहती थी और उसे किसी किस्म के प्रश्न मंजूर नहीं थे। वैसे शिक्षा जगत के घटनाक्रमों पर बारीकी से निगाह रखने वाले बताते हैं कि कक्षा-एक से सैनिक शिक्षा प्रदान करने का यह विशाल उपक्रम एक तरह से प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा कुछ साल पहले पेश की गयी रूपरेखा पर ही अमल करना है और उसे थोड़ा विस्तारित करना है।

याद रहे पीएमओ ने यह खाका पेश किया था कि सैनिक स्कूल मॉडल के पहलुओं को अन्य स्कूलों में झ खासकर केन्द्रीय विद्यालयों और जवाहर नवोदय विद्यालयों झ में शामिल किया जाए, ताकि छात्रों के 'समग्र विकास को बढ़ावा दिया जा सके।' यह प्रस्ताव रखा गया था कि इन स्कूलों में सख्त शारीरिक प्रशिक्षण, अनुशासन और देशभक्ति के मूल्यों के विकास पर जोर दिया जाए। यहां इस बात को भी बताना आवश्यक है कि प्रधानमंत्री कार्यालय की इस विवादास्पद सलाह का एक परिणाम यह सामने आया है कि पहले से ही कार्यरत सैनिक स्कूलों के दो-तिहाई हिस्से को संघ परिवार, भाजपा नेता और उनके सहयोगी संगठनों के सुपुर्द कर दिया गया है। इस सम्बन्ध में आधिकारिक सूचना कहीं से नहीं मिली थी, मगर 'रिपोर्टर्स कलेक्टिव' नामक खोजी पत्रकारिता के लिए मशहूर समूह ने 7 अपनी पड़ताल में इस बात का खुलासा किया था।8 एक क्षेपक के तौर पर इस बात को नोट किया जा सकता है कि आज़ादी के बाद देश के कर्णधारों ने समय-समय पर अलग-अलग ज़रूरतों के हिसाब से शिक्षाविदों की अगुआई में शिक्षा आयोगों का गठन किया था, जिसकी शुरुआत राधाकृष्णन आयोग से हुई थी (1953)। स्वाधीन भारत के इन निर्माताओं को यह बात दुरुस्त लगी कि उनके मातहत काम कर रहे नौकरशाहों की तुलना में शिक्षा जगत के लिए बेहतर योजना बनाने का काम शिक्षाविद ही कर सकते हैं। हम देख सकते हैं कि विगत एक दशक से ऐसी तमाम प्रक्रियाएं लगभग समाप्त कर दी गयी हैं, प्रधानमंत्री कार्यालय अर्थात पीएमओ ही न केवल नीति-निर्माण का, बल्कि उस पर निगरानी रखने का केन्द्र बन गया है। इस कार्यालय में कार्यरत नौकरशाह और अलग-अलग विशेषज्ञ के निर्देश ही बखूबी अमल होते हैं। केन्द्र में हिन्दुत्व वर्चस्ववादी हुकूमत के उभार के इस एक दशक से अधिक के दौर में 'अनुशासन' और 'देशभक्ति' के इस सैनिकीकृत मॉडल का यह विचार, स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में काफी चर्चित/स्थापित हो चला है। इसी चिन्तन का ही प्रतिबिम्बन था जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के तत्कालीन उपकुलपति जगदीश कुमार द्वारा 'कारगिल दिवस' पर विश्वविद्यालय परिसर में ही आयोजित एक राजनीतिक कार्यक्रम में रखा गया यह प्रस्ताव कि 'सेना के लिए प्यार पैदा करने के लिए' परिसर में एक पुराना टैंक स्थापित किया जाए। उस राजनीतिक कार्यक्रम में उपस्थित दो केन्द्रीय मंत्रियों से उन्होंने यह आवाहन भी किया कि वह ऐसे पुराने टैंक का इन्तज़ाम करें, जो यहां स्थापित किया जाए। ध्यान रखने लायक बात है कि इस कार्यक्रम में उपस्थित दो रिटायर्ड फौजी अफसरों ने केन्द्र सरकार को इस बात के लिए बधाई दी कि उसने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय पर अपना 'नियंत्रण' कायम कर लिया है और इस सिलसिले को आगे बढ़ना चाहिए अर्थात अन्य विश्वविद्यालयों पर भी इसी किस्म का नियंत्रण कायम करना चाहिए।? विश्वविद्यालय परिसर में ही सैनिक टैंक स्थापित करने के इस विवादास्पद प्रस्ताव का छात्रों, शिक्षा शास्त्रियों और सामाजिक सरोकार रखनेवाले जागरूक नागरिकों की तरफ से पुरजोर विरोध किया गया। यह बात स्पष्ट की गयी कि इस बहाने कुलपति अपना वास्तविक एजेण्डा आगे बढ़ाना चाह रहे हैं, ताकि असहमति रखने वाले छात्र समुदाय को खामोश किया जा सके। इस बात को रेखांकित किया गया कि विश्वविद्यालयों और अन्य शैक्षिक संस्थानों का मकसद 'सैनिकों का निर्माण नहीं है या आज्ञाकारी प्रजा का निर्माण नहीं है, जो सरकार के आदेश पर परेड करने लगें', उनका उद्देश्य है 'ऐसे नागरिकों को निर्माण, जो जानकार हों, खोजी प्रवृत्ति के हों और असहमति का साहस रखते हों।' दरअसल यह बात अक्सर भुला दी जाती है कि आज़ादी के बाद ही भारत सरकार की तरफ से देश में सैनिक स्कूलों की एक श्रृंखला का निर्माण हुआ और चंद डिफेन्स एकेडेमी भी बनी, जहां दिलचस्पी रखनेवाले छात्र प्रवेश पा सकते थे। यह बात जोर से रखी गयी कि सैनिकों के सम्मान का मतलब यह नहीं होता है कि आम नागरिक अपने सरकार के बारे में खामोश रहे, युद्धों की ज़रूरत जैसे मसले पर तथा निहत्थे नागरिकों के खिलाफ सैन्य बलों या पुलिस के व्यवहार पर मौन बरते। दुनिया भर में आम नागरिकों ने सरकारों द्वारा छेड़े गए युद्धों के खिलाफ बोल कर सैनिकों के बारे में अपने सम्मान और सरोकार को जाहिर किया है। यह बात चिंतित करनेवाली है कि कक्षा-1 से सैनिक प्रशिक्षण प्रदान करने के महाराष्ट्र सरकार के निर्णय की व्यापक समीक्षा नहीं हो सकी है। इस बात की पड़ताल हो रही है कि इस लोकरंजक कदम से शिक्षा जगत में अपनी व्यापक असफलताओं पर सरकार पर्दा डालना चाह रही है, न यह देखा जा रहा है कि भारतीय समाज के सैनिकीकरण की दिशा में एक यह एक और निर्णायक कदम है। ध्यान रहे, यह समझदारी हिन्दुत्व वर्चस्ववादी आंदोलन की इस रूपरेखा के साथ मेल खाती है, जिसके तहत वह समूचे समाज का सैनिकीकरण चाहता है, ताकि 'आंतरिक दुश्मनों' से लड़ा जा सके। शायद यहां इस बात को दोहराना आवश्यक है कि अपने असमावेशी विचारधारा/संगठन/समूह की तरफ झ जो किसी खास धर्म के इर्द-गिर्द खड़ा होने का दावा करता हो झ फिर चाहे इस्लामवाद हो, जियनवाद हो, अतिवादी बौद्ध हों झ हिन्दुत्व ने हमेशा ही यह सपना पाला है कि 'अन्यों' के खिलाफ संघर्ष को निर्णायक मुकाम तक ले जाने के लिए अपने अनुयायियों को सैन्य प्रशिक्षण दिया जाए और रफ्ता-रफ्ता हिन्दू राष्ट्र की दिशा में कदम बढ़ाए जाएं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक सदस्य तथा डा. हेडगेवार के राजनीतिक गुरु बी एम मुंजे ने 30 के दशक की शुरुआत में इटली की यात्रा करके झ जहां न केवल वह मुसोलिनी से मिले थे, बल्कि फासीवादी परियोजनाओं का भी बारीकी से अध्ययन किया था झ उन्होंने तत्काल इस बात का ऐलान किया था कि 'अपने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिए वह ऐसे ही संस्थानों को खड़ा करेंगे।' और भारत वापसी पर वह भोंसला मिलिटरी स्कूल की स्थापना में जुट गए थे। हिन्दुत्व जमातों के लाडले 'वीर सावरकर' तो एक और कदम आगे बढ़ गए थे, 1942 में जब 'भारत छोड़ो' आंदोलन अपने उरूज पर था और हजारों लोग ब्रिटिश हुकूमत की जेलों में सलाखों के लिए कुर्बान हुए थे, उन दिनों वह देश भर में घूम-घूमकर हिन्दू युवकों को अंग्रेजों की सेना में भरती होने का आवाहन करते फिर रहे थे। उनका नारा था : "राजनीति का हिन्दूकरण करो और हिन्दुत्व का सैनिकीकरण करो।

(सुभाष गाताडे लेखक, अनुवादक न्यू सोशलिस्ट इनिशिएटिव (एनएसआई) से संबद्ध हैं।)

संपादकीय

हादसे की न्यायिक जांच की मांग

अहमदाबाद विमान हादसा इस सदी की सबसे भयावह त्रासदी है। देश ही नहीं, दुनिया भी स्तब्ध है कि इतना खौफनाक हादसा कैसे हुआ? नियति का निर्णय था, लिहाजा एक यात्री, विश्वास कुमार रमेश, जिंदा भी बच गया। यह कुदरती चमत्कार ही है। अलबत्ता विमान में सवार सभी यात्री, दो पायलट और 10 क्रू मेंबर की हादसे में मौत हो गई। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी और कुछ उद्योगपति भी यात्रियों में शामिल थे। यात्रियों में 217 वयस्क, 11 बच्चे और 2 नवजात शिशु थे। यह नियति का बेहद क्रूर न्याय है। जीवन छीनना था, तो प्राण ही क्यों दिए? हैरत है कि नियति ने सभी की मौत एक साथ, एक ही विमान में, तय कर रखी थी! एयर इंडिया की उड़ान एआई-171 में 169 भारतीयों के अलावा 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और 1 कनाडाई यात्री सवार थे। उड़ान को लंदन जाना था। पल भर में ही तमाम ख्वाहिशें, सपने, परिवार चिंदी-चिंदी हो गए। जीवन राख बन गया। बहरहाल अब जांच का दायरा 'अंतरराष्ट्रीय' हो गया है। वैसे दुनिया के सामने सब स्पष्ट है कि कितना विध्वंसक हादसा है यह! इसे सामान्य घटना तो कोई मान ही नहीं सकता, लेकिन अचंभा है कि बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर सरीखा आधुनिक, विकसित और सबसे अधिक भरोसेमंद विमान इस तरह दुर्घटनाग्रस्त कैसे हुआ? बोइंग विमान के 14 साल के सफर में 1175 विमानों में, 2100 उड़ानें प्रतिदिन के हिसाब से, 1 अरब से अधिक यात्री अब तक उड़ान भर चुके हैं। एक भी ड्रीमलाइनर विमान क्रैश नहीं हुआ। इसे लंबी दूरी का सबसे विशिष्ट विमान माना जाता है। दुनिया की बड़ी विमानन कंपनियां इन्हीं विमानों का इस्तेमाल करती रही हैं, लेकिन खूबियों के बावजूद ड्रीमलाइनर विमान में तकनीकी खामियां भी सामने आती रही हैं। ये खामियां भारतीय संसद में भी गूंज चुकी हैं। अधिकतर विशेषज्ञों के आकलन हैं कि विमान के दोनों इंजन बंद हो गए, लिहाजा विमान को थ्रष्ट नहीं मिल पाया, नतीजतन 625 फीट तक उड़ान भरने के बाद विमान ऊपर नहीं जा सका। अंततः नीचे आकर क्रैश हो गया। विशेषज्ञ यह सवाल भी करते हैं कि अचानक दोनों इंजन कैसे फेल हो गए? विमान में जीई कंपनी के इंजन लगाए जाते हैं, जो सबसे विश्वसनीय माने जाते रहे हैं। विमान से ईंधन लीक होने, लीथियम बैटरी, कम्प्यूटर चिप संबंधी चेतावनियां सामने आती रही हैं। बैटरी के कारण ज्यादा हीटिंग भी एक भयंकर समस्या है। ये चिप ऐसी हैं, जिन्हें हैक किया जा सकता है। जहां हादसा हुआ है, वहां विशेषज्ञ पक्षियों की आशंका से भी इंकार नहीं कर रहे हैं। स्पीड सेंसर ने ठीक से काम न किया हो, उससे विमान को स्पीड सिस्टम का गलत डाटा मिल रहा होगा। साफ्टवेयर की गलती भी हो सकती है। उड़ान भरते ही कोई समस्या आई होगी, लिहाजा पायलट सुमित सभ्रवाल को 'मे डे कॉल' (जानलेवा खतरे की कॉल) करनी पड़ी। पायलट को 8200 घंटे उड़ान का अनुभव था, लिहाजा मानवीय त्रुटि की बात गले नहीं उतरती। बोइंग विमान को बार-बार तकनीकी जांच का सामना करना पड़ रहा था, ऐसा एक सर्वश्रेष्ठ विमान में कैसे संभव है? बहरहाल 'ब्लैक बॉक्स' के बाद ही यथार्थ सामने आएगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने इस हादसे की न्यायिक जांच की मांग की है।

विमान हादसा: मुनाफे की हवस का शिकार हुआ बोइंग !

पंकज श्रीवास्तव

अहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान हादसे ने बोइंग की मुनाफाखोरी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या सुरक्षा से समझौता कर केवल लाभ कमाने की होड़ में कंपनियाँ यात्रियों की जान जोखिम में डाल रही हैं? जानिए पूरी रिपोर्ट। अहमदाबाद में एयर इंडिया के बोइंग 787-8 का क्रैश होना केवल एक हादसा नहीं, बल्कि बोइंग की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं, भारत में सुरक्षा मानकों की जांच की खामियों और मुनाफे की हवस का नतीजा है। 265 इंसानों की ज़िंदगी को देखते-देखते राख में बदल देने वाले इस हादसे पर गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि 'हादसे को कोई रोक नहीं सकता', लेकिन क्या सचमुच हादसों का कोई ज़िम्मेदार नहीं होता? गृहमंत्री का बयान हादसों को ईश्वरीय इच्छा मानने जैसा लगता है, जबकि हादसे हमेशा सिस्टम की विफलता का नतीजा होते हैं। एक समय था जब ऐसे हादसों के बाद मंत्री इस्तीफा दे देते थे, जैसे लाल बहादुर शास्त्री ने रेल दुर्घटना के बाद किया था। लेकिन आज ज़िम्मेदारी तय करने की बात कम ही होती है। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने जाँच शुरू होने की पुष्टि की, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह हादसा टाला जा सकता था?

बोइंग 787 और हादसों का इतिहास : बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर को 2011 में लॉन्च किया गया था। यह ईंधन-कुशल और 50% कार्बन फाइबर कंपोजिट से बना अत्याधुनिक विमान है। अहमदाबाद हादसा इस मॉडल का पहला घातक हादसा है, लेकिन इससे पहले कई तकनीकी समस्याएं सामने आई थीं:

2013: जापान एयरलाइंस के 787 में बोस्टन हवाई अड्डे पर बैटरी में आग लगी। उसी महीने, एक अन्य 787 को जापान में आपात लैंडिंग करनी पड़ी। अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (FAA) ने 787 की उड़ानों पर तीन महीने का प्रतिबंध लगाया।

अन्य समस्याएं: इंजन में बर्फ जमना, ईंधन रिसाव, और फ्लैप खराबी जैसी शिकायतें दर्ज हुईं। बोइंग के अन्य मॉडल, खासकर 737 MAX, के हादसों ने कंपनी की साख को ज्यादा नुकसान पहुंचाया:

2018: लायन एयर फ्लाइट 610, इंडोनेशिया में क्रैश, 189 लोगों की मौत।

2019: इथियोपियन एयरलाइंस फ्लाइट 302, 157 लोगों की मौत।

2024: दक्षिण कोरिया में बोइंग विमान क्रैश, 180 लोगों की मौत।

2024: अलास्का एयरलाइंस के 737 MAX 9 का दरवाजा उड़ान में उड़ गया।

भारत में भी बोइंग हादसे हुए

1978: एयर इंडिया फ्लाइट 855 (बोइंग 747), मुंबई में अरब सागर में क्रैश, 95 लोगों की मौत।

2010: मैंगलोर हादसा (बोइंग 737-800), रनवे से फिसलकर खाई में गिरा, 158 लोगों की मौत।

आँकड़ों के अनुसार, बोइंग के विमान 6,000 से ज्यादा दुर्घटनाओं में शामिल रहे, जिनमें 415 घातक थे और 9,000 से ज्यादा लोगों की जान गयी। विमानों की सुरक्षा और गुणवत्ता की जाँच के लिए अमेरिका में FAA और भारत में डायरेक्टरेट जनरल ऑफ़ सिविल एविएशन (DGCA) जिम्मेदार हैं। लेकिन बोइंग के मामले में इन पर लापरवाही के आरोप लगे 737 MAX हादसों के बाद, FAA पर बोइंग के साथ मिलीभगत के आरोप लगे। जांच में पता चला कि FAA ने बोइंग को स्व-प्रमाणन की छूट दी थी, जिससे सुरक्षा जांच कमजोर हुई। अहमदाबाद हादसे से पहले इस बोइंग 787-8 की आखिरी रखरखाव जांच कब हुई, यह स्पष्ट नहीं है। क्या DGCA ने एयर इंडिया के रखरखाव प्रोटोकॉल की पूरी जांच की थी? यह सवाल जांच का हिस्सा है। विमानन विशेषज्ञ जॉन एम. कॉक्स के अनुसार, "अगर रखरखाव या गुणवत्ता जांच में चूक हुई, तो यह हादसे का बड़ा कारण हो सकता है।" हादसे की जांच में यह साफ़ होगा कि क्या भारत में सुरक्षा मानकों को लागू करने वाला तंत्र अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रहा।

बोइंग की मुनाफ़ा संस्कृति : बोइंग की स्थापना विलियम ई. बोइंग ने 15 जुलाई 1916 को सिएटल, वाशिंगटन में की थी। शुरुआत में इसका नाम "पैसिफिक एयरो प्रोडक्ट्स कंपनी" था, जिसे 1917 में "बोइंग एयरप्लेन कंपनी" बनाया गया। कंपनी ने प्रथम विश्व युद्ध में सैन्य विमान बनाए और बाद में वाणिज्यिक विमानन में कदम रखा। शुरू में बोइंग इंजीनियरिंग और अनुसंधान पर जोर देती थी, और इसकी साख बेदाग थी। लेकिन 1997 में मैकडॉनेल डगलस के साथ विलय ने बोइंग की कार्यसंस्कृति को बदल दिया। विशेषज्ञों का मानना है किः मुनाफे पर जोरः लागत कटौती और शेयरधारक मूल्य बढ़ाने पर ध्यान बढ़ा, जिससे गुणवत्ता प्रभावित हुई। संस्कृति में बदलावः इंजीनियरों की बजाय मैनेजरों का दबदबा बढ़ा। उत्पादन दबावः तेज डिलीवरी की मांग ने गुणवत्ता जांच को कमजोर किया। 737 MAX: MCAS सिस्टम को जल्दबाजी में लागू किया गया, और लागत बचाने के लिए पायलटों को अपर्याप्त प्रशिक्षण दिया गया। आउटसोर्सिंगः सस्ते उत्पादन के लिए कई हिस्सों का निर्माण आउटसोर्स किया गया, जिससे गुणवत्ता नियंत्रण कमजोर हुआ। इन बदलावों ने बोइंग की साख को ठेस पहुंचाई।

चेतावनी की अनदेखी

सैम सालेहपुर : 2024 में उन्होंने दावा किया कि 787 के निर्माण में शॉर्टकट अपनाए गए, जिससे विमान की संरचना कमजोर हो सकती है। इसके बाद उनका ट्रांसफर कर दिया गया। जॉन बार्नेटः बोइंग के एक अन्य व्हिसलब्लोअर ने 777 और 787 में दोषपूर्ण पुर्जों और सुरक्षा जाँच की अनदेखी के आरोप लगाए। 2024 में उनकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई, जिसे आत्महत्या बताया गया। उनके परिवार और समर्थकों ने इसे संदिग्ध माना और बोइंग पर सवाल उठाए। हालांकि, बोइंग ने इन आरोपों से इनकार किया, लेकिन बार्नेट की मौत ने कंपनी की पारदर्शिता पर सवाल खड़े किए।

बोइंग में कर्मचारियों का असंतोष हड़तालों के रूप में सामने आयाः

2008: इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ मशीनिस्ट्स एंड एयरोस्पेस वर्कर्स (IAM) ने 57 दिनों तक हड़ताल की। कारणः वेतन, पेंशन, और नौकरी सुरक्षा।

2024: सितंबर 2024 में 33,000 कर्मचारियों ने हड़ताल शुरू की, जो लागत कटौती और खराब कार्यसंस्कृति के खिलाफ थी। हड़तालों ने उत्पादन और गुणवत्ता नियंत्रण को प्रभावित किया। कार्यसंस्कृति में बदलाव के कारणः सुरक्षा के बजाय डिलीवरी डेडलाइन पर जोर। व्हिसलब्लोअरों को दबाने की कोशिश। इंजीनियरों की बजाय मैनेजरों का दबदबा। बोइंग पर सरकारी प्रतिबंधबोइंग की समस्याओं के कारण कई सरकारों ने प्रतिबंध लगाएः 2013: FAA ने 787 की बैटरी समस्याओं के कारण उड़ानों पर प्रतिबंध लगाया। 2019: 737 MAX हादसों के बाद FAA, यूरोपीय यूनियन एविएशन सेफ्टी एजेंसी (EASA), और भारत ने 20 महीने के लिए उड़ानों को रोका। 2024: FAA ने बोइंग के उत्पादन विस्तार पर सीमित प्रतिबंध लगाए, क्योंकि कंपनी सुरक्षा ऑडिट में विफल रही।

बोइंग की आर्थिक स्थिति

नुकसानः 737 MAX हादसों और ग्राउंडिंग से 30 अरब डॉलर का नुकसान। ऋणः 2024 तक 50 अरब डॉलर से अधिक का कर्ज। शेयर गिरावटः अहमदाबाद हादसे के बाद शेयर 7% गिरे। बोइंग का मुख्य प्रतिस्पर्धी एयरबस है, जिसने A320neo और A350 जैसे मॉडल के साथ बाजार में बढ़त बनाई। एयरबस की सुरक्षा और ईंधन दक्षता बोइंग से बेहतर मानी जाती है। 2023 तक, एयरबस ने बोइंग को ऑर्डर और डिलीवरी में पीछे छोड़ दिया। अहमदाबाद हादसा केवल एक त्रासदी नहीं, बल्कि एक चेतावनी है। बोइंग की मुनाफे की हवस ने इसकी कार्यसंस्कृति को बदल दिया, जिससे गुणवत्ता और सुरक्षा प्रभावित हुई। FAA और DGCA जैसी एजेंसियों की चूक ने हादसों की परिस्थितयाँ गढ़ीं। गृहमंत्री अमित शाह का बयान जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने जैसा है। भारत सरकार और DGCA को रखरखाव और जांच प्रक्रियाओं को सख्त करना होगा। बोइंग को अपनी प्राथमिकताएं बदलनी होंगी, ताकि वह अपनी साख बचा सके।

बच्चे का बजट: परिवार बढ़ाना बनाम जिंदगी चलाना

प्रियंका सौरभ

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की ताजा रिपोर्ट ने दुनिया भर के समाजों के सामने एक ऐसा सच रखा है, जिससे आंखें चुराना अब मुश्किल है। भारत सहित 14 देशों में किए गए इस अध्ययन से यह स्पष्ट हो गया है कि आज की युवा पीढ़ी अब परिवार बढ़ाने से कतरा रही है और इसकी सबसे बड़ी वजह है बढ़ती आर्थिक अस्थिरता और बच्चों की परवरिश में लगने वाला भारी-भरकम खर्च। बच्चे हमारे भविष्य का प्रतिबिंब माने जाते हैं, लेकिन जब उनका जन्म लेना ही परिवारों की आर्थिक स्थिति पर निर्भर हो जाए, तो सवाल उठते हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार, 39 प्रतिशत लोगों ने स्पष्ट रूप से कहा कि वित्तीय परेशानियों के कारण वे बच्चे पैदा नहीं करना चाहते। इनमें से 58 प्रतिशत लोग 35 वर्ष से कम आयु के हैं, जो अपने जीवन के सबसे क्रियाशील और प्रजननक्षम दौर में हैं। यह आंकड़ा सिर्फ संख्या नहीं, सामाजिक और मानसिक बदलाव का प्रतीक है। मुंबई की नीलिमा और शंकर की कहानी इस बदली हुई सोच का जीवंत उदाहरण है। दोनों नौकरीपेशा हैं, लेकिन जब बेटी के जन्म के बाद प्राइवेट अस्पताल का खर्च, स्कूल की फीस, डे केयर की लागत और घर के किराए का बोझ सामने आया, तो उन्होंने तय किया कि वे दूसरा बच्चा नहीं करेंगे। वे अकेले नहीं हैं- लाखों युवा जोड़े आज इसी द्वंद्व से जूझ रहे हैं। भारत जैसे देश में, जहां पारिवारिक ढांचे को लंबे समय से सामाजिक सुरक्षा का आधार माना गया है, यह परिवर्तन चौंकाने वाला है। बच्चे पैदा न होने में सिर्फ आर्थिक ही नहीं, जैविक और मानसिक कारण भी हैं। आधुनिक जीवनशैली, तनाव, प्रदूषण और देर से विवाह की प्रवृत्ति प्रजनन पर नकारात्मक असर डाल रही है।

इसके साथ ही, सामाजिक दबाव, विशेषकर महिलाओं पर, मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है और परिवार को आगे बढ़ाने के फैसले को और कठिन बनाता है। रिपोर्ट में यह भी दर्ज है कि 31 प्रतिशत प्रतिभागियों (जो 50 वर्ष से अधिक आयु के थे) ने कहा कि अगर उन्हें आज के दौर में दोबारा जीवन जीने का मौका मिलता, तो वे शायद बच्चे न ही करते। यह पीढ़ी दर पीढ़ी सोच में आए बदलाव का प्रतीक है। जहां पहले बच्चे सामाजिक उत्तरदायित्व माने जाते थे, अब उन्हें एक महंगा 'इमोशनल इन्वेस्टमेंट' कहा जा रहा है। युवाओं के बीच कॅरियर, यात्रा, आत्मनिर्भरता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के मूल्य पहले की तुलना में कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण हो गए हैं। बच्चों की परवरिश को वे न केवल आर्थिक बाधा मानते हैं, बल्कि इसे उनके निजी जीवन की रफ्तार पर 'ब्रेक' समझते हैं। यह स्थिति केवल एक सामाजिक प्रवृत्ति नहीं है, यह सार्वजनिक नीति का भी असफल पहलू बनती जा रही है। भारत सरकार की कई योजनाएं जैसे मातृत्व लाभ योजना, आयुष्मान भारत, बाल सुरक्षा योजना आदि कागजों पर जितनी भव्य हैं, जमीनी स्तर पर उतनी प्रभावी नहीं दिखतीं। स्वास्थ्य सेवाओं की लागत, प्राइवेट स्कूलों की फीस, पोषण व सुरक्षा पर खर्च और बच्चों के लिए जरूरी डिजिटल एक्सेस- यह सब मिलाकर एक मध्यमवर्गीय परिवार की कमर तोड़ देता है। समाज में एक समय था जब बच्चे को जन्म देना एक नैतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अनिवार्यता मानी जाती थी। आज वह कल्पना तिनके की तरह टूट रही है। अब 'हम दो हमारे दो' भी महंगा सौदा लगने लगा है। यदि युवा पीढ़ी बच्चों को भविष्य का बोझ मान रही है, तो यह केवल उनका नहीं, पूरे समाज की पराजय है। परिवर्तन का समय आ चुका है जब बच्चा पैदा करने का निर्णय एक भय नहीं, स्वतंत्रता हो; एक बोझ नहीं, सौभाग्य है

स्वतंत्र लेखिका एवं स्तंभकार

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

संक्षिप्त समाचार

एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधारोपण किया गया

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - आज अंचल कार्यालय हेहल में सामाजिक संस्था दी टीम ग्रीन के द्वारा एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधारोपण किया गया।इस अवसर पर पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुन्दर रखने के लिए नीम,अर्जुन,करंज एवं अन्य पेड़ लगाए गए।मौके पर उप मुखिया चटकपुर नमिता देवी, छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा,समाजसेवी नीतू सिंह मौजूद थे।उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने मे मुख्यरूप से पर्यावरण प्रेमी शुभमचौधरी,बी.एल0.दास,प्रिती कुमारी,राहुल कुमार,श्यामसुन्दर साहु,सहित अंचल कार्यालय के ओमप्रकाश नारायण,नाजिर रुपम ठाकुर,अमरनाथ महतो,मनोज पातर,बिरेन्द्र गोप,रिता देवी,राजेश्वर महतो आदि ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।कार्यक्रम की अध्यक्षता शुभम चौधरी एवं धन्यवाद ज्ञापन शिव किशोर शर्मा ने किया।

पुण्यतिथि पर शिद्दत से याद किये गए पूर्व मंत्री स्वर्गीय बृजबिहारी प्रसाद

दिव्य दिनकर बिहार विशेष प्रभारी प्रभात कुमार मिश्रा

पटना बिहार पूर्वी चंपारण सरकार के कद्दावर पूर्व मंत्री और आदापुर के बिधायक रहे शहीद बृजबिहारी प्रसाद का 27 वा पुण्यतिथि शहादत दिवस उनके पैतृक गांव भेड़िहारी में मनाया गया।यह कार्यक्रम शहीद नेता के अनुज सह पूर्व मंत्री श्याम बिहारी प्रसाद के अध्यक्षता में उनके समाधि स्थल पर आयोजित की गई ।जिसमें रक्सौल अनुमंडल के कई जनप्रतिनिधि ,प्रबुद्धजन ,ब्यवसायी व सामाजिक कार्यकताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने उनके समाधि पर पुष्प चढ़ा श्रद्धासुमन अर्पित की,तथा उनके ब्यक्तिव व कृतित्व पर चर्चा की ।इस अवसर पर पूर्व मंत्री श्याम बिहारी प्रसाद ने कहा की हमारे अग्रज समाजिक न्याय के सच्चे योद्धा थे।उन्हीने अपने कार्यकाल में क्षेत्रीय बिकास की एक नई इबादत गढ़ी और सबके चहेता नेता बन गये।उन्होंने कहा कि उनके समाधि स्थल पर भब्य प्रतिमा का निर्माण कराया जाएगा जिसका प्रक्रिया जारी है।इस मौके पर प्रमुख उधोगपति महेश अग्रवाल,जिलापार्षद पति रमेश कुमार सिंह,प्रमुखपति सरोज यादव,पूर्व मुखिया अनिल दुबे,बस्त्र संसार के प्रोपराइटर टुन्नू कुमार, युवा जदयू नेता मृणाल किशोर,पूर्व मुखिया त्रिपुरारी पांडेय,पूर्व मुखिया बच्चू मिया,पूर्व मुखिया बुधन मिया, पूर्व मुखिया बच्चा गिरी ,पूर्व मुखिया भोला साह, समाजसेवी प्रभात चंद सिन्हा,जदयू नेता रमेन्द्र कुशवाहा,महमद मैनुद्दीन,राजेन्द्र पटेल,महेश कुशवाहा सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित थे ।

राष्ट्रीय वयोश्री योजना अंतर्गत एक दिवसीय शिविर का आयोजन चोरेया पंचायत भवन चान्हो प्रखंड अंतर्गत में किया गया

दिव्य दिनकर

चान्हो - राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत सरकार द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को निशुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध कराने हेतु एक दिवसीय शिविर का आयोजन 14 जून को चोरेया पंचायत भवन में किया गया है ,इस में शिविर में राष्ट्रीय वयोश्री योजना अंतर्गत सरकार द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को निशुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध कराने हेतु 50 वरिष्ट नागरिकों का जांच एवं पंजीकरण किया गया है। इस शिविर में व्हील चेयर,कमोड व्हील चेयर,वॉकिंग स्टीक, कान की मशीन, वॉकर, कमर बेल्ट, घुटना बेल्ट, इत्यादि सहायक उपकरण जांच एवं पंजीकरण के बाद निशुल्क वितरण किया जाएगा, शिविर आयोजनकर्ता रेखा सांगा (मुखिया चोरेया पंचायत),अफरोज अंसारी (दिव्यांग समाजसेवी) के द्वारा शिविर आयोजन किया गया है,इस शिविर में दीप्ति आसरा रांची से जाहिद अंसारी, इस शिविर को सफल बनाने में सुरेंद्र गुप्ता का महत्वपूर्ण सहयोग रहा साथ ही बहुत सारे समाज सेवी उपस्थित थे!

मंत्री जनक राम को छपरा पहुंचने पर सर्किट हाउस मे भाजपा नेताराकेश सिंह ने बुके और अंग वस्त्र देकर स्वागत किया

पटना ,।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सिवान मे होने वाले सभा की तैयारी को लेकर बिहार सरकार के मंत्री जनक राम को छपरा पहुंचने पर सर्किट हाउस मे भाजपा नेता प्रदेश कार्य समिति सदस्य सह सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह ने बुके और अंग वस्त्र देकर स्वागत किया इस अवसर पर जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह महामंत्री विवेक सिंह महामंत्री धर्मेंद्र साह शत्रुधन भगत मोनू सिंह सुमंत कुमार सहित अनेक लोग उपस्थिति थे माननीय मंत्री जनक राम जी ने सभी लोगो से प्रधानमंत्री के कार्यक्रम मे छपरा से बड़ी संख्या लोग पहुंचे और कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाये ज्ञात हो की प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर सांसद राजीव प्रताप रूडी और बिहार सरकार मंत्री मंटू सिंह भी कार्यक्रम मे लोगो की बड़ी संख्या मे भागीदारी हो इसके लिए लगे हुए है और लोगो से आग्रह कर रहे है।

फादर्स डे - संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

फादर्स डे एक ऐसा दिन है जबकि हम अपने-अपने पिता के प्रति विशेष सम्मान व आभार प्रकट करते हैं। यह एक ऐसा दिन भी है जबकि हम परमात्मा को याद करते हैं, जोकि हम सबके पिता-परमेश्वर हैं। इस दिन हम अपने शारीरिक पिता से मिले प्रेम को और उनसे मिले उपहारों को दिल से याद करते हैं, तथा उनका धन्यवाद करते हैं। यह एक ऐसा समय भी है जबकि हम प्रभु से मिली देनों व बरकतों को याद करते हैं, तथा उनका शुक्राना अदा करते हैं। प्रभु ही हमारे सच्चे पिता हैं, और हर तरह से हमारा खयाल रखते हैं। हरेक माता-पिता अपनी संतान में वो सद्गुण एवं नैतिक मूल्य देखना चाहते हैं जो स्वयं उनके अंदर होते हैं। हरेक माता-पिता चाहते हैं कि उनका बेटा या बेटी बड़े होकर अच्छे इंसान बनें। प्रभु हमसे अलग नहीं हैं। यह हमारा मन है जो हमें प्रभु से दूर कर देता है। परमात्मा का अंश, आत्मा, प्रत्येक इंसान के अंदर पाई जाती है। परमात्मा ने आत्मा को अपने ही नमूने पर बनाया है। समस्त मानव जाति परमात्मा के स्वरूप के आधार पर ही बनाई गई है। प्रभु चाहते हैं कि हम सभी उस महान् स्वरूप के अनुसार ही अपना जीवन जिएँ, सद्गुणों एवं नैतिक मूल्यों को अपने अंदर धारण करें। प्रभु चाहते हैं कि हम केवल उनसे ही नहीं, बल्कि उनकी बनाई हुई सृष्टि में मौजूद सभी इंसानों व जीवों से प्रेम करें। इसी उद्देश्य से सृष्टि का निर्माण किया गया था। कहा जाता है कि प्रभु ने समस्त मानव जाति को एक-दूसरे से प्रेम व करुणा का व्यवहार करने के लिए ही बनाया है, नहीं तो अगर प्रभु को केवल अपनी भक्ति ही करानी होती, तो उसके लिए तो फरिश्ते ही काफी थे। परंतु प्रभु ने फिर भी इंसानों

को बनाया, ताकि व न केवल प्रभु से प्रेम करें, बल्कि आपस में एक-दूसरे से भी प्रेम करें। जो इंसान अपने साथी इंसानों की मदद करता है, वो प्रभु को अच्छा लगता है। अपनी इच्छाओं व सुखों का त्याग करके भी दूसरों की सहायता करना, यह विशिष्ट गुण परमात्मा को बहुत अच्छा लगता है; और जिसके अंदर भी यह सद्गुण मौजूद होता है, वो इंसान भी परमात्मा को बहुत भाता है। इस धरती पर अरबों आत्माएँ जी रही हैं। उनमें से बहुत से लोग स्वार्थ एवं लापरवाही से भरपूर जीवन जी रहे हैं। बहुत से लोग तो आपे से बाहर जाकर भी अधिकार, शोहरत, सत्ता, मान-प्रतिष्ठा चाहते हैं। इसका अर्थ यह है कि वे लोग प्रभु की विपरीत दिशा में कदम उठा रहे हैं। जबकि प्रभु तो वास्तव में यही चाहते हैं कि हम न केवल उनसे बल्कि सभी इंसानों से एक समान ही प्रेम करें। जो लोग ऐसा करते हैं, केवल वे ही सच्चे मायनों में प्रभु की संतान हैं। ह्यफादर्स डेह्ण के दिन हम अपने-अपने पिता को सम्मान देने की सोचते हैं। लेकिन इसके साथ ही हमें प्रभु को भी सम्मान व धन्यवाद देना चाहिए, जोकि हम सबके सच्चे व सर्वोपरि पिता हैं। इसका सबसे अच्छा तरीका यह है कि हम उनके द्वारा मिली देनों एवं बरकतों को याद करें तथा उनका शुक्रिया अदा करें। दूसरे, हमें जिस महान् उद्देश्य के लिए यह मानव जन्म मिला है, उसे हम पूरा करें और अपने आध्यात्मिक लक्ष्य को प्राप्त करें। आइए, आज के दिन हम लोग अपने शारीरिक पिता को धन्यवाद देने के साथ-साथ पिता-परमेश्वर, जिनसे हमें अपने जीवन के सभी उपहार प्राप्त हुए हैं, का भी दिल से शुक्राना अदा करें।

प्रतिनिधियों का भत्ता डेढ़ गुणा, कचहरी सचिव न्याय मित्र का कौन सा गुनाह, फिरदौस अहमद

दिव्य दिनकर

भागलपुर (बिहार) जगदीशपुर अंतर्गत पुरैनी दक्षिणी ग्राम कचहरी सचिव फिरदौस अहमद ने कहा कि दिहाड़ी मजदूर जैसा मजदूरी भी कचहरी सचिव एवं न्याय मित्र को नहीं मिल रही है फटे हाल जैसा जीवन गुजारने पर मजबूर हैं कचहरी के कर्मी नमक तेल जैसी चीजों पर भी आफत हो गया है। विगत 18 वर्षों से ईमानदारी और निष्ठा पूर्वक कार्य कर रहे हैं। ग्राम कचरी के सफल संचालन का परिणाम आम जनता को स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है गांव के गरीब जनता को इसका लाभ भी भरपूर तरीके से मिल रहा है सरकार द्वारा हर निदेशों का पालन बखूबी अंजाम निभाते हैं और अपने कार्यों को लेकर बिल्कुल मुस्तैद रहते हैं कचहरी के कार्यों के अतिरिक्त राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार के द्वारा दिए गए कार्य राशन कार्ड जनगणना निर्वाचन कार्य जैसे अन्य कार्य भी कचहरी सचिव कर रहे हैं कचहरी सचिव अपने तरफ से किसी भी प्रकार का कोई कोताही नहीं कर रहे हैं इसी आशा और उम्मीद से लगे हुए हैं अब उम्मीद भी टूटती नजर आ रही है कभी-कभी टिमटिमाते हुए समाचार के माध्यम से खुशखबरी मिल जाती है कि कचहरी सचिव एवं न्याय मित्र का मानदेय दोगुना हो रहा तीन गुना हो रहा है। इस महंगाई दौर में 6,000 रुपए में क्या होने वाला है अपने शर्म पर भी चादर लपेटे हुए भी शर्मा रहे हैं। हम कचहरी सचिव के परेशानी को कौन सुनने वाला है। अब कचहरी सचिव को इंतजार करने की

क्षमता नहीं रही इतना कुछ होने के बावजूद भी भविष्य को लेकर कचहरी सचिव काफी चिंतित हैं। कचहरी सचिव फिरदौस अहमद ने कहा कि बहुत खुशी की बात है माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी ग्रामीण प्रतिनिधियों का भत्ता डेढ़ गुना कर दिया है। कचहरी सचिव कचहरी एवं न्याय मित्र का कौन सा गुनाह है। जो इतने लंबे समय से इंतजार की सजा मिल रही है समाचार के माध्यम से निवेदन करते हैं और उम्मीद करते हैं कि कचहरी सचिव न्याय मित्र को भी परिवार है और अपने बच्चों के भविष्य के लिए 18 वर्षों से इंतजार कर रहा है। माननीय मुख्यमंत्री महोदय का ध्यान कचहरी सचिव एवं न्याय मित्र पर भी अपना नजरे करम कर दीजिए कम से कम कचहरी सचिव को 40,000 प्रतिमा एवं न्याय मित्र को 50,000 प्रतिमा दिया जाए। इसके लिए शुक्रिया अदा करता हूं।

पूर्वी चंपारण के 6 खिलाड़ियों को बॉक्सिंग मे मिला मेडल

पूर्वी चंपारण,

कटिहार में आयोजित 16वीं बिहार राज्य जूनियर/सब जूनियर बालक बालिका बॉक्सिंग चैंपियनशिप में पूर्वी चंपारण जिला के कुल 9 खिलाड़ियों ने भाग लिया जिसमें 6 खिलाड़ियों ने अपना दबदबा दिखाते हुए तीन गोल्ड मेडल एक सिल्वर और दो ब्राउन्ज मेडल प्राप्त किया। गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले खिलाड़ी रवि शाह पकड़ी दयाल, प्रिंस कुमार श्री कृष्ण नगर मोतिहारी, मनीष कुमार मधुबन एवं सिल्वर मेडल प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों में पुष्पम पराशर छतौनी मोतिहारी तथा ब्राउन्ज मेडल प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों में सौरव कुमार छतौनी मोतिहारी, अमन कुमार मधुबन निवासी शामिल हैं। साथ ही जूनियर

बालक 52-54 किलोग्राम में पुष्पम पराशर एवं 54-57 में रवि शाह का चयन बिहार टीम में किया गया। उक्त दोनों खिलाड़ी साई एन.बी.ए. रोहतक हरियाणा में आयोजित नेशनल प्रतियोगिता हेतु दिनांक 17/06/2025 को रवाना होंगे।यह जानकारी पूर्वी चंपारण जिला बॉक्सिंग संघ के सचिव पवन शरण ने दी। मेडल प्राप्त सभी खिलाड़ियों को जिला खेल पदाधिकारी शुभम कुमार के द्वारा खेल भवन में सम्मानित किया गया । जिला खेल पदाधिकारी ने सभी खिलाड़ियों का हौसला बुलंद करते हुए ईमानदारी एवं लगन से परिश्रम कर जिला, राज्य एवं देश का नाम रौशन करने के लिए प्रेरित किया। जिला बॉक्सिंग संघ के सचिव सह प्रशिक्षक को इस उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया।जिला खेल पदाधिकारी ने खिलाड़ियों से कहा कि आप लोगों को अपने खेल में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए हमसे जो सहयोग की जरूरत होगा वह हम पूरा करने का प्रयास करेंगे। इस मौके पर कार्यालय कर्मी मोहम्मद मोशीर एवं रमेश कुमार तथा शुभम कुमार उपस्थित थे।

मंगनी लाल मंडल को राजद प्रदेश अध्यक्ष पदासीन पर चहुंओर उत्साहपूर्ण माहौल

मधुबनी, ।

जिला के फुलपरास अनुमंडल निवासी प्रखर समाजवादी नेता मंगनी लाल मंडल राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष होंगे। राजद पार्टी कार्यालय में शनिवार को प्रदेश अध्यक्ष पद पर मंगनी लाल मंडल का नामांकन प्रक्रिया के बाद कोई प्रतिद्वन्द्वी नही होने के बाद यह स्वतःस्फूर्त स्पष्ट हो गया।बिहार विधान सभा के चुनावी बर्ष में अत्यंत पिछड़ा वर्ग से आने वाले सफल समाजवादी चिंतक को राजद द्वारा प्रदेश अध्यक्ष का कमान सौंपने पर निष्ठावान पार्टी कार्यकताओं में उत्साहपूर्ण माहौल व्याप्त बताया। लालू प्रसाद के तत्कालीन सत्ता में वित्त सांस्थिक व जल संसाधन विभाग के पूर्व मंत्री रहे मंगनी लाल मंडल की साथ पार्टी में शुरू से रहा।पूर्व मुख्यमंत्री कपूर्री ठाकुर के अनन्य अनुयायी मंगनी लाल के राजद अध्यक्ष पद की घोषणा से मुख्यालय सहित सुदूर ग्रामीण परिवेश में चहुंओर उत्साहपूर्ण खुशी की लहर है। कार्यकताओं ने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष पद पर मंगानी लाल मंडल के चयन चुनावी बर्ष में मिल का पत्थर का काम करेगा। मंगनी लाल मंडल के नेतृत्व क्षमता इस चुनाव में एनडीए को मिथिलांचल में पराजय का राह दिखाएगा। राजद नेता व जेपी सेनानी हनुमान प्रसाद राउत एवं सुभेष चंद्र झा ने संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि मंडल जी शहरजमीन से जुड़ाव वाले प्रखर समाजवाद के उन्नायक हैं।

समस्याओं के निदान में मिल का पत्थर साबित होगी संसदीय कार्यालय -विवेक ठाकुर

नवादा, ।

नवादा के सांसद विवेक ठाकुर ने शनिवार को केंदुआ बाईपास के निकट नवादा लोकसभा क्षेत्र के संसदीय कार्यालय का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष अनिल मेहता, वरिष्ठ समाजसेवी मुकेश दिनकर ने सांसद का स्वागत करते हुए इस कार्यालय को जन समस्याओं के निदान का बड़ा माध्यम बताया। सांसद विवेक ठाकुर ने उपस्थित जनतांत्रिक गठबंधन के नेताओं तथा कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि लोकसभा कार्यालय नवादा संसदीय क्षेत्र के नागरिकों की समस्याओं के निदान में मिल का पत्थर साबित होगी । उन्होंने कहा है कि आमजन अपनी समस्याओं को लेकर यहां आएंगे ।इसके निदान के लिए कार्रवाई की जाएगी ।उन्होंने कहा कि प्रतिदिन समस्याओं के निदान के लिए मेरे

संसदीय कार्यालय से कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। संबंधित अधिकारियों से बात कर जन समस्याओं का निदान कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह के आशीर्वाद से विकसित भारत की तर्ज पर विकसित नवादा बनाने का संकल्प लिया हूं। जिसमें यह कार्यालय सहयोगी साबित होगी । उन्होंने कहा कि विकास से लेकर हर समस्याओं के निदान के लिए आमजन हर समय इस कार्यालय में पहुंचकर अपनी समस्याओं को बता सकते हैं ।ताकि उन समस्याओं के निदान के लिए सार्थक पहल किया जा सके ।जिला अध्यक्ष अनिल मेहता ने कहा कि इस कार्यालय की स्थापना से जन समस्याओं के निदान में आसानी होगी। जदयू के जिला अध्यक्ष कि मुकेश विद्यार्थी में कहा कि समस्याओं के निदान के लिए संसदीय कार्यालय की बहुत जरूरत है ।समाज सेवी मुकेश दिनकर ने बड़ी माला पहनाकर सांसद का स्वागत करते हुए कहा कि हर कीमत पर सांसद विवेक ठाकुर के प्रयास से विकसित नवादा की परिकल्पना साकार होकर रहेगी। उन्होंने कहा कि समाज तथा संसदीय क्षेत्र के बुद्धिजीवी विकसित नवादा की परिकल्पना को साकार करने के लिए लोकप्रिय सांसद विवेक ठाकुर के साथ खड़े हैं ।इस अवसर पर महामंत्री नंदकिशोर चौरसिया ,वरिष्ठ नेता प्रमोद कुमार चुन्नू ,महामंत्री अरविंद गुप्ता ,मीडिया प्रभारी गुलशन कुमार ,गोपाल कुमार आदि उपस्थित थे।

मंत्री जनक राम को छपरा पहुंचने पर सर्किट हाउस मे भाजपा नेताराकेश सिंह ने बुके और अंग वस्त्र देकर स्वागत किया

पटना , ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सिवान मे होने वाले सभा की तैयारी को लेकर बिहार सरकार के मंत्री जनक राम को छपरा पहुंचने पर सर्किट हाउस मे भाजपा नेता प्रदेश कार्य समिति सदस्य सह सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह ने बुके और अंग वस्त्र देकर स्वागत किया इस अवसर पर जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह महामंत्री विवेक सिंह महामंत्री धर्मेंद्र साह शत्रुधन भगत मोनू सिंह सुमंत कुमार सहित अनेक लोग उपस्थिति थे माननीय मंत्री जनक राम जी ने सभी लोगो से प्रधानमंत्री के कार्यक्रम मे छपरा से बड़ी संख्या लोग पहुंचे और कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाये ज्ञात हो की प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर सांसद राजीव प्रताप रूडी और बिहार सरकार मंत्री मंटू सिंह भी कार्यक्रम मे लोगो की बड़ी संख्या मे भागीदारी हो इसके लिए लगे हुए है और लोगो से आग्रह कर रहे है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बैग निर्माण यूनिट का उद्घाटन किया

दिव्य दिनकर बिहार विशेष प्रभारी प्रभात कुमार मिश्रा

पटना मुजफ्फरपुरः बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज बेला औद्योगिक क्षेत्र में एक नई उच्च गुणवत्ता वाली बैग निर्माण इकाई का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद उन्होंने यूनिट का निरीक्षण किया और कर्मचारियों से संवाद कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस औद्योगिक इकाई के शुरू होने से स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे और राज्य के आर्थिक विकास को गति मिलेगी।

मजदूर के बेटे ने नीट परीक्षा में मारी बाजी

पूर्वी चंपारण,।

जिला के बनकटवा प्रखंड क्षेत्र के इनरवा फुलवार निवासी संजय सिंह जो दिल्ली में मजदूरी करते है,जबकी उनकी पत्नी रिंकू देवी गृहिणी है,उनके बेटे सत्यम ने नीट परीक्षा में बाजी मार कर सबको चौकने पर मजबूर कर दिया है। साथ ही उसने यह साबित किया है,कि सीमित संसाधन के बाबजूद कठिन परिश्रम से वह सब कुछ हासिल हो सकता है जिसकी सब कल्पना करते है। सत्यम कुमार सिंह ने नीट 2025 की परीक्षा में 254 वा रैंक हासिल कर जिले का नाम रौशन किया है। उल्लेखनीय है,कि सत्यम की प्रारंभिक शिक्षा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय इनरवा फुलवार से प्राप्त किया है,इसके साथ वह एसआरटीसी कोचिंग में पढाई करता रहा।छात्र वहीं दसवी बोर्ड में गणित में सौ प्रतिशत अंक प्राप्त करने के बाद उसने इंटर की पढ़ाई एमएस कॉलेज मोतिहारी से पूरी करने के बाद नीट की परीक्षा तैयारी पटना गोल इंस्टीट्यूट से की। सत्यम ने अपनी पहली सफलता का श्रेय पत्रकार प्रकाश सिंह और और शिक्षक राहुल मिश्रा,कुमार नितेश,रौशन कुमार माता पिता और दादा को दी है। बधाई देने वाले में गोल इंस्टीट्यूट के एमडी बिपिन सिंह,स्थानीय मुखिया पति राजेश कुमार सहित दर्जनों लोगों का तांता लगा है।

बिहार के अररिया में सड़क दुघर्टना में तीन युवकों की मौत

अररिया ।

बिहार में अररिया फारबिसगंज मुख्य मार्ग एनएच 27 फोरलेन सड़क पर सिमराहा थाना क्षेत्र के पोठिया पुल के पास भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। तीनों युवक एक ही बाइक पर सवार होकर अररिया से फारबिसगंज की ओर अपने सही लेन पर जा रहा था कि अचानक पोठिया पुल के पास मांस फैक्ट्री से मवेशी को अनलोड कर उल्टी दिशा से तेज गति से आ रही टाटा 407 गाड़ी ने बाइक सवार को कुचल दिया।जिनसे मौके पर ही तीनों की मौत हो गई। मृतकों में दो उत्तरप्रदेश का और एक बगल के जिला पूर्णिया का रहने वाला तारिक अनवर है।मृतक फारबिसगंज में हाइवे के किनारे बिरयानी की दुकान चलाता था। सूचना के बाद मौके पर ट्रैफिक डीएसपी दीवान इकराम,फारबिसगंज एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा,सिमराहा थानाध्यक्ष प्रेम कुमार भारती सहित भारी संख्या में पुलिस अधिकारी और बल मौके पर पहुंचे और तीनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए अररिया सदर अस्पताल भिजवाया। इस दौरान हादसे को लेकर सड़क के दोनों ओर लंबा जाम लग गया,जिसे पुलिस ने छुड़ाकर आवागमन को शुरू करवाया। स्थानीय प्रत्यदर्शी इकराम ने बताया कि बाइक पर तीनों युवक अपनी दिशा में सही जा रहे थे,इसी क्रम में मांस फैक्ट्री से मवेशियों को अनलोड कर लौट रही टाटा चार सौ सात गाड़ी तेज गति से उल्टी दिशा से लौट रही थी।इसी क्रम में तेज आवाज के साथ धमाका हुआ।धमाका के बाद मौके पर पहुंचने पर पाया कि बाइक की परखच्चे उड़ गए थे और तीनों की मौके पर ही मौत हो गई थी।

मोदी सरकार ने 11 वर्षों में आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव रखी: देवेंद्र अत्री

जींद। उचाना से भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने कहा कि बीते 11 वर्षों में मोदी सरकार ने आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव रखी और वैश्विक मंच पर सशक्त राष्ट्र की पहचान बनाई। यही कारण है कि आज विकसित भारत और अमृतकाल जैसे संकल्प जमीन पर दिखाई दे रहे हैं। इन 11 वर्षों में मोदी सरकार ने कांग्रेस के समय से चली आ रही तुष्टिकरण की राजनीति को बंद करके परफार्मेंस की राजनीति में बदला है। भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री अपने आवास पर जनसमस्याओं को सुनने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। विधायक ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रहित में ऐतिहासिक और निर्णायक फैसले लिए हैं। देश की जनता कहने लगी है कि मोदी है तो मुमकिन है। मोदी सरकार ने धारा 370 को हटाया, तीन तलाक का खात्मा किया और नया वक्फ कानून लेकर आई। पीएम मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद के खिलाफ भारत की रणनीति में अब निर्णायकता और आक्रामकता एक न्यू नॉर्मल बन गई है। सर्जिकल और एयर स्ट्राइक के बाद ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की निर्णायक छवि को दुनिया में स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में भ्रष्टाचार, घोटालों और तुष्टिकरण की बात होती थी। सरकारी योजनाओं का लाभ बिचौलिए खा जाते थे। कांग्रेस के समय में देश की अर्थव्यवस्था हिचकौले लेती थी। जब से देश में पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनी है तब से घोटालों का अंधेरा दूर हुआ है और सुशासन का प्रकाश फैल रहा है।

सिरसा के समग्र विकास को दर्शाती पेंटिंग का एडीसी ने किया लोकार्पण

सिरसा। सिरसा के अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीन ने सिरसा के समग्र विकास को दर्शाती पेंटिंग का लोकार्पण किया। जिला के राजकीय स्कूलों में आयोजित करवाई गई पेंटिंग प्रतियोगिताओं के आधार पर 200 से ज्यादा कलाकृतियों के आधार पर यह पेंटिंग बड़ागुढा स्थित पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की कला अध्यापिका प्रवीण रानी के नेतृत्व में छात्रा निशा व प्रियंका द्वारा तैयार की गई है। एडीसी ने बताया कि सिरसा के बारे में स्टूडेंट्स के विचार पेंटिंग के माध्यम से मांगे गए थे, जिसके बाद 200 से अधिक स्टूडेंट्स ने पेंटिंग के जरिए सिरसा के विभिन्न पहलुओं को दर्शाया। उन्होंने बताया कि इस कलाकृति में सबसे ऊपर लड़ाकू विमान को दर्शाया गया है, जो सिरसा एयरफोर्स स्टेशन की हवाई ताकत को दर्शाता है। इसके बाद एस शब्द से किन्नू व सिरसा की बागवानी को शामिल किया है। आई शब्द से सरसाई नाथ मंदिर को दर्शाया गया है, क्योंकि सिरसा संत सरसाई नाथ जी की नगरी है। आर शब्द से हमारे किसानों की मेहनत को गेहूं-धान सहित अन्य फसलों की उन्नत खेती के रुप में दर्शाया गया है। एस शब्द से सफेद झींगा के रूप में सिरसा की प्रसिद्धि दर्शाई गई है।

मौसम की मार से बढ़ी डायरिया मरीजों की संख्या

जींद। भीषण गर्मी के चलते अस्पतलों में मरीजों की संख्या बढ़ गई है। इन मरीजों में ज्यादातर उल्टी व दस्त की शिकायत लेकर आने वाले लोग शामिल हैं। उचाना नागरिक अस्पताल के डा. योगेश शर्मा ने बताया कि मौसम में बदलाव के कारण उल्टी व दस्त के मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है। बढ़ते तापमान का सबसे ज्यादा असर बच्चों और बुजुर्गों पर पड़ रहा है। बाहर काम करने वाले लोग भी गर्मी की वजह से बीमार पड़ रहे हैं। डा. शर्मा ने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि गर्मी से बचाव के लिए पूरे कपड़े पहनें और सिर को ढककर रखें। पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं। स्वास्थ्य में किसी तरह की परेशानी होने पर तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल में जांच कराएं। उल्टी व दस्त की समस्या गर्मी और खानपान की गड़बड़ी से हो रही है। नागरिक अस्पताल में सभी मरीजों का समुचित इलाज किया जा रहा है। दिन के समय अधिकतम तापमान 42 डिग्री रहा। वहीं शहर में रात को तीन-चार लंबे-लंबे घोषित कट लगे जबकि अघोषित कटों का भी सिलसिल जारी रहा। शहर की कई कॉलोनियों में देर रात बिजली चली गई थी।

जुलाना के तालाब का नपा चेयरमैन ने किया निरीक्षण

जींद। जुलाना के तालाबों के सौंदर्यकरण के कार्य का जुलाना नगरपालिका के चेयरमैन डा. संजय जांगड़ा ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डा. संजय जांगड़ा ने ठेकेदारों से काम में तेजी लाने के आदेश दिए। डा. संजय जांगड़ा ने कहा कि जल्द ही कस्बे के लोगों को गंदे पानी की निकासी व्यवस्था में हो रही परेशानी से छुटकारा मिलेगा। क्योंकि नपा द्वारा कस्बे के अटल पार्क के सामने बड़े तालाब का जीर्णोद्धार का कार्य शुरू कर दिया गया है। तालाब के जीर्णोद्धार पर साढ़े चार करोड़ की लागत आएगी। तालाब के सौंदर्यकरण का कार्य शुरू कर दिया गया है। तालाब के चारों ओर मिट्टी लगाई जा रही है। तालाब के साथ लगाई गई मिट्टी के कुछ हिस्से को पक्का भी किया जाएगा। कार्य को जल्द पूरा करने के लिए मशीनों की संख्या भी बढ़ाई गई है। तालाब के नीचे डिस्लिटिंग होने के कारण वाटर रिचार्ज नही हो पाता। पानी वहीं खड़ा रहता है। सरकार द्वारा अमृत सरोवर योजना के तहत जल संसाधनों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। तालाब के सोदर्यकरण के तहत तालाब पर पेड़ पौधे लगाए जाएंगे। तालाब के चारों ओर घास भी लगाई जाएगी।

सीएम का दावा- योग दिवस पर 11 लाख साधक एक साथ करेंगे योगाभ्यास

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 21 जून को मनाए जाने वाले 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर राज्य के 22 जिलों और 121 खंडों में एक साथ आयोजित होने वाले योग कार्यक्रमों में लगभग 11 लाख से अधिक लोग भाग लेंगे। इस वर्ष का राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम कुरुक्षेत्र के पावन ब्रह्म सरोवर पर आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में एक लाख से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है,जिससे एक नया विश्व रिकॉर्ड भी स्थापित किया जा सके। मुख्यमंत्री पंचकूला में भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल (आईटीबीपी) प्राथमिक प्रशिक्षण केंद्र, भानू में आयुष विभाग, हरियाणा योग आयोग और आईटीबीपी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर को में भाग ले रहे थे। सैनी ने भारत तिब्बत सीमा

पुलिस बल के जवानों के अद्भुत योगदान को नमन करते हुए कहा कि यह स्थान अनुशासन, सेवा, समर्पण और राष्ट्रभक्ति की जीवंत परंपरा है। हमारे जवान कठिन परिस्थितियों में उत्तर-पूर्वी सीमाओं की दिन-रात रक्षा करते हैं। आज का यह योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर विशेष महत्व रखता है,क्योंकि यह देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले जवानों के लिए आयोजित किया गया है। योग हमें उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करने के अतिरिक्त टीम भावना, आपसी सहयोग और अनुशासन भी सिखाता है, इसलिए योग और सैनिकों का गहरा संबंध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न योग कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदेशभर में अब तक लगभग 15 लाख 60 हजार से अधिक लोगों ने भागीदारी कर योग का अभ्यास किया है। योग कार्यक्रमों के दौरान 61 हजार से ज्यादा औषधीय पौधे लगाए गए हैं। हरित योग अभियान के तहत 21 जून तक 10 लाख औषधीय पौधे बांटे जा रहे हैं। इसके अलावा, सरकार ने एक पोर्टल भी बनाया है, जिस पर अब तक 7 लाख 65 हजार 500 लोगों ने 21 जून के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए अपना रजिस्ट्रेशन करवाया है।आयुष एवं स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने प्रदेशभर में जिला स्तर पर योग मैराथन रैलियां, जागरूकता अभियान और सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

सफाई का संदेश देने को शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने लगाई झाड़ू,किया पौधा रोपण

एजेंसी

पानीपत। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने जिले के गांव उग्राखेड़ी में संकल्प से सिद्धि की और व सफाई अभियान के तहत विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ पौधारोपण किया व साफ-सफाई कर लोगों को नियमित रूप से सफाई करने का संदेश दिया। शिक्षा मंत्री ने कहा कि साफ सफाई हमारे जीवन का हिस्सा होना चाहिये। इसमें हमें किसी भी प्रकार की कौताही नहीं बरतनी चाहिये। गांव के विकास को लेकर राज्य सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है। हर गांव का सम्मानतर रूप से विकास किया जा रहा है। उन्होंने कई अन्य स्थानों पर भी पौधारोपण किया। उन्होंने कार्यक्रम में बच्चों के साथ संवाद भी किया। महिपाल ढांडा ने अपने इस कार्यक्रम के दौरान कई अन्य स्थानों पर भी पौधारोपण किया व विकास कार्यो को लेकर अपने निजि कोष से चार लाख रूपये की राशि खर्च करने की घोषणा की। इसमें एक लाख रूपये की राशि क्रिकेट पिच बनाने, एक लाख रूपये की राशि स्टेडियम एसोसिएशन द्वारा मैंटेनेंस करने और दो लाख रूपये की राशि वरिष्ठ सिटिजन कल्ब को विकासात्मक कार्यो पर खर्च करने की घोषणा की। शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आर्थिक रूप से मजबूत व सशक्त हो रहा है। आतंकवाद पर शिकंजा कसने के लिए ऑप्रेशन सिन्दूर के तहत जो कार्यवाही की है उससे भी आतंकवाद के फन को कुचला जा सकता है। यह ऑप्रेशन सिन्दूर भविष्य में भी जारी रहेगा। उन्होंने सरकार द्वारा 24 फसलों पर एमएसपी देने की बात करते हुए कहा कि सरकार हमेशा किसान के हित में निर्णय लेती है।

चुनाव आयोग की हिदायतों की अनुपालना सुनिश्चित करें अधिकारी

एजेंसी

रोहतक। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी धर्मेंद्र सिंह ने भारत चुनाव आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय हरियाणा द्वारा समय-समय पर दिए जा रहे निर्देशों की अनुपालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उपायुक्त आज लघु सचिवालय के सभागार में मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंकज अग्रवाल द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में दिए गए दिशा निर्देशों के उपरांत अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे।धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों के अनुरूप नए मतदान केंद्र बनाने और प्रत्येक मतदान केंद्र पर 1200 मतदाता सुनिश्चित करने संबंधी प्राथमिक कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक मतदान केंद्र पर 1200 मतदाताओं के हिसाब से खाका तैयार किया जाए। वीडियो कॉन्फ्रेंस में मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंकज अग्रवाल ने कहा कि 1 जनवरी 2026 को क्वालीफाइंग तिथि मानकर मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्य किया जाना

है। पंकज अग्रवाल ने कहा कि नए मतदान केंद्र स्थापित होने की स्थिति में वहां पर बीएलओ की नियुक्ति चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार की जाए। उन्होंने राजनीतिक दलों के साथ मीटिंग करने के बारे में भी दिशा निर्देश जारी किए। उन्होंने बताया कि 2 जुलाई को राष्ट्रीय स्तर पर भारत चुनाव आयोग द्वारा बूथ लेवल अधिकारियों की प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा।मतदाता सूची के संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य में बूथ लेवल अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। उन्होंने फोटोयुक्त मतदाता पहचान पत्र को लेकर भी दिशा निर्देश जारी किए।

कैबिनेट मंत्री राव नरबीर ने युवा पीढ़ी से जीवन में योग को अपनाने का किया आह्वान

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने सेक्टर-38 स्थित ताऊ देवीलाल स्टेडियम में आयोजित योग प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता कर योग के प्रति अपने दृढ़ संकल्प और प्रतिबद्धता को दोहराया। यह प्रशिक्षण सत्र आगामी 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के तहत आयुष विभाग द्वारा आयोजित किया गया था।

प्रातःकालीन वातावरण में आयोजित इस कार्यक्रम में सैकड़ों योग साधकों, सामाजिक संगठनों तथा स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। योग प्रशिक्षकों द्वारा प्रतिभागियों को विभिन्न योगासनों, प्राणायाम और ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया गया। राव नरबीर सिंह ने कहा कि योग न केवल भारत की सांस्कृतिक विरासत है, बल्कि यह सम्पूर्ण विश्व को स्वास्थ्य, समरसता और आत्मिक शांति का संदेश देने वाला विज्ञान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से आज योग वैश्विक पहचान

बना चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि योग को जन-जन तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। आयुष विभाग द्वारा किए जा रहे ऐसे आयोजनों से प्रदेश में स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। उन्होंने विशेष रूप से युवा पीढ़ी से आग्रह किया कि वे योग को अपने जीवन में अपनाएं और उसे एक अनुशासित जीवनशैली का हिस्सा बनाएं। प्रशिक्षण शिविर में जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. मंजू कुमारी के मार्गदर्शन में किया गया। प्रोटोकॉल अभ्यास योग सहायक जोगिंदर सिंह द्वारा करवाया गया।

दिसंबर तक पूरी करें सीएम की बजट घोषणाएं, एपीएस ने की बैठक

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की वित्त मंत्री के रूप में बजट की गई घोषणाओं को लागू करवाने के लिए प्रशासनिक स्तर पर काम शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ. साकेत कुमार ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि दिसंबर 2025 से पूर्व सभी घोषणाओं की ठोस प्रगति नजर आनी चाहिए। डॉ. साकेत कुमार हरियाणा निवास में बिजली, पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास, शहरी स्थानीय निकाय, माध्यमिक, उच्चतर एवं तकनीकी शिक्षा, पर्यटन एवं विरासत, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, नगर एवं ग्राम आयोजना, अभिलेखागार तथा आवास विभाग से संबंधित 79 घोषणाओं की स्थिति का गहन मूल्यांकन किया गया। उन्होंने

कहा कि प्रत्येक विभाग को अपनी घोषणाओं के क्रियान्वयन के लिए नोडल अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करनी चाहिए ताकि कार्यप्रणाली में स्पष्टता और उत्तरदायित्व बना रहे। डॉ. कुमार ने बताया कि वर्ष 2025-26 के बजट में शिक्षा से जुड़ी सर्वाधिक 28 घोषणाएं की गई हैं। माध्यमिक, उच्चतर और तकनीकी शिक्षा विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अन्य संबद्ध विभागों के साथ समन्वय कर फाइल प्रक्रिया शीघ्रता से पूरी करें, ताकि सभी कार्य समयबद्ध तरीके से पूर्ण हो सकें। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि सभी घोषणाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर हरियाणा इंजीनियरिंग वर्क्स पोर्टल पर अपलोड करें और जल्द से जल्द निविदा प्रक्रिया पूरी करें। डॉ.साकेत कुमार के नेतृत्व में हुई यह समीक्षा बैठक एक स्पष्ट संदेश देती है कि सरकार की घोषणाएं केवल भाषण तक सीमित नहीं, बल्कि जनहित के ठोस कदम हैं, जिन्हें तय समय में साकार किया जाएगा।

हरियाणा के गांवों में खुलेंगे सीएससी सेंटर

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने गांवों में खुलने वाले कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की योजना बनाई है। गांवों में सीएससी खोलने वाले युवाओं को छह हजार रुपये मासिक मानदेय दिया जाएगा। इस योजना का उद्देश्य लोगों को गांव में ही ऑनलाइन सेवाएं उपलब्ध करवाना और युवाओं को रोजगार उपलब्ध होगा। विकास एवं पंचायत विभाग की ओर से ग्राम पंचायतों को निर्देश दिए गए हैं कि वे गांवों में बनाए जा रहे कॉमन सर्विस सेंटर में लैपटॉप व प्रिंटर का प्रबंध करें। इन सेंटर्स के लिए जगह और वहां के स्टाफ के बैठने का प्रबंध ग्राम पंचायतों को करना होगा। युवाओं को ग्रामीणों को ऑनलाइन सेवाएं देनी होगी। उन्हें इस काम के लिए फीस भी दी जाएगी। पहले चरण में 4500 लैपटॉप खरीदने का निर्णय लिया है। सरकार की नोडल एजेंसी हारट्रोन के जरिये यह खरीद होगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता वाली हाई पावर परचेज कमेटी ने 31 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से ये लैपटॉप खरीदने को हरी झंडी दे चुकी है।

समाधान प्रकोष्ठ में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में जींद प्रदेश में दूसरे स्थान पर

एजेंसी

जींद। लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान प्रकोष्ठ की समीक्षा बैठक में एडीसी विवेक आर्य ने संबंधित अधिकारियों को लंबित शिकायतों के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने समाधान शिविरों में बेहतरीन कार्य के लिए अधिकारियों की सराहना की और कहा कि सभी को मिलकर और अधिक समर्पण के साथ धरातल पर कार्य करना चाहिए ताकि आमजन की हर समस्या को प्राथमिकता से हल किया जा सके। उन्होंने पंचायत एवं राजस्व विभाग को विशेष रूप से और अधिक तत्परता से कार्य करने के निर्देश दिए और लंबित शिकायतों का शीघ्र निपटान सुनिश्चित करने को कहा। एडीसी ने बताया कि समाधान प्रकोष्ठ में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में जींद जिला प्रदेशभर में द्वितीय स्थान पर है, जो कि गर्व का विषय है। इससे पूर्व चंडीगढ़ मुख्यालय से आयोजित साप्ताहिक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग समीक्षा बैठक में उच्च अधिकारियों द्वारा समाधान शिविरों में जींद जिले के बेहतर कार्य की सराहना की गई

और प्रदेश के सभी उपायुक्तों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि अब तक कुल 9362 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। जिनमें से 7825 का समाधान किया जा चुका है। शेष 212 लंबित शिकायतों के शीघ्र निपटान के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं। एडीसी ने कहा कि नागरिकों की शिकायतों का त्वरित एवं संतोषजनक समाधान शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिए कि वे समाधान प्रकोष्ठ के कार्य को गंभीरता से लें और जिम्मेदारी के साथ एटीआर समयबद्ध तरीके से पोर्टल पर अपलोड करें। इस अवसर पर एएसपी सोनाक्षी सिंह, एसडीएम सत्यवान सिंह मान, डीएमसी सुरेंद्र सिंह, जिला परिषद के सीईओ अनिल दून, सीटीएम डा. आशीष देशवाल, डीआरओ राजकुमार, डीडीपीओ संदीप भारद्वाज सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

एससी-एसटी अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश

एजेंसी

झज्जर। लघु सचिवालय स्थित एसडीएम कार्यालय में अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1999 के अंतर्गत उप मंडल स्तरीय सतर्कता एवं निगरानी कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता एसडीएम नसीब कुमार ने की। बैठक में अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत विभिन्न कार्यो के क्रियान्वयन, पीड़ितों को दी गई सहायता राशि, पुनर्वास सुविधाएं और संबंधित मामलों की समीक्षा की गई इस दौरान कमेटी के समक्ष दो मामलों को रखा गया, जिनके तथ्यों पर चर्चा हुई। अनुसूचित जातियों एवं पिछड़े वर्ग कल्याण विभाग की ओर से इन दो मामलों में पीड़ितों को आर्थिक सहायता दी गई। एसडीएम ने सभी अधिकारियों व उपमंडल स्तरीय विजिलेंस एवं मॉनिटरिंग कमेटी के अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए उनका फीडबैक लिया और कहा कि मीटिंग में यह सुनिश्चित करना है कि एससी-एसटी एक्ट के तहत

दर्ज अत्याचार के मामलों में त्वरित न्याय और सहायता प्रदान की जाए। यह बैठक न केवल पीड़ितों को समय पर राहत और पुनर्वास सुनिश्चित करने का मंच है, बल्कि यह प्रशासनिक जवाबदेही को भी सशक्त करती है। उन्होंने अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के अधिकारियों को निर्देश दिए। इस मौके पर तहसील कल्याण अधिकारी सुमित्रा, संदीप ग्राम सचिव, रमन पार्षद, शशि कुमार पूर्व पार्षद, संदीप कुमार पूर्व पार्षद सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

तीन गांवों में पंचायत चुनाव से पहले झज्जर पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

एजेंसी

झज्जर। रविवार को होने वाले तीन गांव के पंचायत चुनाव को लेकर झज्जर पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड़ पर है। जिला पुलिस द्वारा तीनों गांव में फ्लैग मार्च निकाला गया। बादली के एसीपी प्रणय कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल ने आम नागरिकों को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं स्वतन्त्र रुप से चुनाव प्रक्रिया में पुलिस का सहयोग करने की अपील की। बहादुरगढ़ के पुलिस उपायुक्त मयंक मिश्रा ने बताया कि गांव बादली, पाहसौर और एमपी माजरा में पंचायती चुनाव को शान्तिपूर्ण एवं निष्पक्ष करवाने तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला झज्जर की पुलिस टीम ने तीनो गांव में फ्लैग मार्च निकाला गया। उन्होंने कहा कि मतदाता पूरी निडरता के साथ अपने विवेक व स्वतंत्र रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग करें। झज्जर पुलिस द्वारा सभी मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। जिला पुलिस के खुफिया विभाग द्वारा संदिग्ध किस्म के लोगों पर पूरी निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि फ्लैग मार्च का उद्देश्य अराजक तत्वों में भय व्याप्त करना तथा आमजन में सुरक्षा की भावना

पैदा करना है, ताकि वे निर्भीक होकर अपना मतदान कर सके। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस ने लोगों को बिना किसी डर भय के चुनाव प्रकिया में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। फ्लैग मार्च के दौरान आम जन से यह भी अपील की गई है कि मतदान के दौरान अगर कोई व्यक्ति उन्हें प्रभावित करें तो तुरंत उसकी सूचना पुलिस को दें, ताकि ऐसे लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनाव के दौरान गड़बड़ी करने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस उपायुक्त ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव में भाग लें। यदि उन्हें किसी भी तरह की समस्या का सामना करना पड़े तो वे तुरंत पुलिस प्रशासन को 112 पर सूचित करें।

मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के लिए निर्वाचन विभाग हुआ सक्रिय

एजेंसी

झज्जर। चुनाव आयोग द्वारा करवाए जाने वाले मतदाता सूची के पुनरीक्षण अभियान को लेकर राज्य चुनाव आयुक्त पंकज अग्रवाल की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये आयोजित मीटिंग में डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी स्वप्निल रविंद्र पाटिल शामिल हुए। वीसी उपरांत डीईओ ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि चुनाव आयोग द्वारा जल्द मतदाता सूची के पुनरीक्षण अभियान की शुरुआत की जाएगी। इसे लेकर सभी सहायक निर्वाचन अधिकारी जरूरी तैयारी जल्द पूरी करें। उन्होंने बीएलओ की नियुक्ति आदि की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सभी बीएलओ भारतीय निर्वाचन

आयोग(ईसीआई) एवं राज्य चुनाव आयोग (सीईओ हरियाणा) के सोशल मीडिया अकाउंट्स को फॉलो करना सुनिश्चित करें। यहां चुनाव आयोग द्वारा महत्वपूर्ण गतिविधियां व जरूरी सूचना साझा की जाती हैं। इन सूचनाओं के बारे में ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरूक भी करें। डीईओ ने कहा कि राजनीतिक पार्टियों के साथ चुनाव आयोग द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार मीटिंग आयोजित करें। उन्होंने कहा कि सभी बीएलओ को चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशानुसार ट्रेनिंग भी दी जाएगी। मीटिंग में उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं सीटीएम रविंद्र मलिक, एसडीएम बादली सतीश यादव, एसडीएम बहादुरगढ़ नसीब कुमार, तहसीलदार (चुनाव) सुरेंद्र रंगा, एआईपीआरओ मनप्रीत सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

वर्चुअल डिजिटल एसेट में निवेश की गई बेहिसाब आय जांच के दायरे में

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) क्रिप्टो करेंसी (आभासी मुद्रा) में निवेश के माध्यम से उच्च आय कमाने वाले व्यक्तियों द्वारा कर चोरी और बेहिसाब आय के शोधन की आंकलन वर्ष 2023 24 और 2024 25 के लिए जांच कर रहा है। सीबीडीटी के सूत्रों ने आज यहां कहा कि ऐसी संस्थाएं और व्यक्ति जो वर्चुअल डिजिटल एसेट (वीडीए) लेनदेन में लगे हुए हैं और आयकर अधिनियम, 1961 का अनुपालन करने में विफल रहे हैं, उन्हें सत्यापन के लिए पहचाना गया है। वित्त अधिनियम, 2022 के तहत सम्मिलित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 115बी बी एच , वीडीए हस्तांतरण से आय पर 30 प्रतिशत के साथ लागू अधिभार और उपकर की दर से कर के दायरे में है। प्रावधान अधिग्रहण की लागत को छोड़कर किसी भी व्यय की कटौती की अनुमति नहीं है। इसके अलावा, वीडीए निवेश या ट्रेडिंग से होने वाले नुकसान को किसी अन्य आय के विरुद्ध सेट-ऑफ करने या बाद के वर्षों में आगे ले जाने की अनुमति नहीं है। सूत्रों के अनुसार डेटा एनालिटिक्स ने दिखाया है कि बड़ी संख्या में व्यक्तियों ने आईटीआर की अनुसूची वीडीए दाखिल न करके और कम दर पर अर्जित आय पर कर की पेशकश करके या लागत सूचकांक का दावा करके आयकर अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन किया है।

नैसकॉम ने कर्नाटक सरकार से बाइक टैक्सियों के अंतरिम छूट देने, नियम बनाने का आग्रह किया

बेंगलुरु। साफ्टवेयर और सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के फोरम नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एंड सर्विस कंपनीज (नैसकॉम) ने कर्नाटक सरकार से राज्य में नेटवर्क-साफ्टवेयर आधारित बाइक टैक्सी परिचालन के लिए तत्काल राहत देने और उनके लिए एक नियामकीय ढांचा बनाने की सिफारिश की है। नैसकॉम ने यहां कर्नाटक के परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी को इस मामले में एक औपचारिक ज्ञापन सौंपा। संगठन की ओर से यह अपील हाल ही में कर्नाटक उच्च न्यायालय के उस फैसले के मद्देनजर की गई है, जिसमें 15 जून से बेंगलुरु में एग्रीगेटर-आधारित (बाइक नेटवर्क ऐप आधारित) बाइक टैक्सी सेवाओं पर रोक लगा दी गयी है। नैसकॉम का कहना है कि ऐप आधारित टैक्सी सेवाओं के बंद होने से शहर में लोगों, खास कर साफ्टवेयर कंपनियों में काम करने वाले लोगों को काम पर आने जाने में दिक्कत होगी। न्यायलय ने यह पाबंदी इस लिए लगायी है क्यों कि राज्य में ऐसी सेवाओं को नियंत्रित एवं विनियमित करने के लिए अभी कोई कानूनी व्यवस्था नहीं है। नैसकॉम ने ज्ञापन में डिजिटल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कर्नाटक के नेतृत्व को रेखांकित करते हुए इस क्षेत्र की कंपनियों में काम करने वालों के लिए शहर में आने-जाने की अंतिम छोर की संपर्क सुविधाएं बढ़ाने, शहरी भीड़भाड़ को कम करने और छात्रों, महिलाओं, प्रवासियों और महामारी के कारण आर्थिक झटकों से उबरने वाले लाखों गिग श्रमिकों का समर्थन करने में ऐप आधारित बाइक सेवा जैसी सुविधाओं के महत्व को रखांकिति किया गया है।

एमजी जेडएस ईवी की कीमतों में 4.44 लाख रुपये तक की कटौती

नयी दिल्ली। यात्री वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने अपनी जेडएस ईवी एसयूवी की एक्स शोरूम कीमतों में 4.44 लाख रुपये तक की कटौती करने की घोषणा की। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि आज भारत में ब्रांड एमजी के छह साल पूरे होने के इस विशेष अवसर पर देश की पहली शुद्ध इलेक्ट्रिक इंटरनेट एसयूवी जेडएस ईवी को सीमित समय के लिए एक विशेष मूल्य बिंदु पर पेश किया जा रहा है। अब इस रेंज की शुरूआती एक्स शोरूम कीमत 16.75 लाख रुपये है, जो भारतीय कार खरीदारों के लिए इलेक्ट्रिक वाहन/गतिशीलता को और अधिक सुलभ बनाने की एमजी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कंपनी ने कहा कि स्वच्छ गतिशीलता समाधानों पर ध्यान के साथ, एमजी ब्रांड ने भारत में अपनी दूसरी पेशकश के रूप में जेडएस ईवी लॉन्च की। यह निर्णय क्रांतिकारी साबित हुआ, जिसने भारत के लगातार बढ़ते ईवी सेगमेंट की वास्तविक क्षमता को उजागर किया। कंपनी ने कहा कि जेड एस ईवी के एग्जीक्यूटिव मॉडल की एक्स शोरूम कीमत 16.88 लाख रुपये से 13 हजार रुपये कम होकर 16.75 लाख रुपये हो गयी है। इसी तरह से एक्साइट प्रो मॉडल की कीमत 1897800 रुपये से 48 हजार रुपये कम होकर 1497800 रुपये हो गयी है।

एयर इंडिया विमान दुर्घटना समूह के इतिहास का सबसे काला दिन: टाटा

नयी दिल्ली/मुंबई। टाटा समूह के अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन ने अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भरने वाले विमान के तत्काल दुर्घटनाग्रस्त होने को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा है कि यह कंपनी के इतिहास का सबसे काला दिन है और भविष्य में ऐसी घटनाएं नहीं हों इसके लिए सुरक्षा पर ही सबसे ज्यादा फोकस करने की जरूरत है। श्री चंद्रशेखरन ने अपने सहकर्मियों को लिखे पत्र में कहा कल जो हुआ, वह समझ से परे है और समझ नहीं आ रहा है कि आखरि यह सब कैसे हो गया। इससे पूरा समूह सदमे और शोक में हैं। हम जानते हैं कि एक व्यक्ति को खो देना भी एक बड़ी त्रासदी है लेकिन यहां तो एक साथ इतने लोगों की जान चली गयी है। कल का दिन टाटा समूह के इतिहास के सबसे काले दिनों में से एक है।

देश में आने वाले महीनों के लिए पेट्रोलियम उत्पादों की पर्याप्त आपूर्ति : हरदीप सिंह पुरी

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आश्वासन दिया कि देश में आने वाले महीनों के लिए पेट्रोल, डीजल, जेट ईंधन और एलपीजी जैसे पेट्रोलियम उत्पादों की पर्याप्त आपूर्ति है।केंद्रीय मंत्री ने कहा, पेट्रोलियम मंत्रालय के सचिव और भारत के तेल पीएसयू के साथ समय-समय पर समीक्षा की गई है। हमारे पास आने वाले महीनों के लिए पर्याप्त ऊर्जा आपूर्ति है।

उनका यह बयान राष्ट्रीय तेल विपणन कंपनियों- इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन के सीएमडी के साथ समीक्षा बैठक के बाद आया। बैठक में पेट्रोलियम सचिव भी मौजूद थे। केंद्रीय मंत्री ने कहा, भारत की ऊर्जा रणनीति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में ऊर्जा उपलब्धता, अफोर्डेबिलिटी और सस्टेनेबिलिटी

को सफलतापूर्वक नेविगेट कर आकार लेती है। केंद्रीय मंत्री पुरी का यह बयान वैश्विक बाजार में बढ़ती अनिश्चितता की पृष्ठभूमि में आया है। ईरान के परमाणु संयंत्रों और मिसाइल उत्पादन स्थलों पर इजरायल के हमले ने मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव को बढ़ा दिया और तेल की कीमतों में 9 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी गई। बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमत 6 डॉलर से अधिक बढ़कर 78 डॉलर प्रति बैरल के पांच महीने के उच्चतम स्तर को पार कर गई। एमके ग्लोबल की एक रिपोर्ट के अनुसार, ईरान प्रतिदिन लगभग 3.3 मिलियन बैरल (एमबीपीडी) कच्चे तेल का उत्पादन करता है और लगभग 1.5 एमबीपीडी का निर्यात करता है, जिसमें चीन 80 प्रतिशत भागीदारी के साथ मुख्य आयातक है। ऑयल एंड गैस सेक्टर में इंफ्रास्ट्रक्चर की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए केंद्रीय मंत्री पुरी ने पहले कहा था कि देश में अब पेट्रोलियम उत्पादों का उत्पादन करने के लिए 23 मॉडर्न ऑपरेशनल रिफाइनरियां हैं, जिनकी कुल क्षमता 257 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष है। केंद्रीय मंत्री ने रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार के लिए भंडारण सुविधाएं स्थापित करने में मंत्रालय की पहल पर भी प्रकाश डाला, जिसका देश आपातकाल के समय में उपयोग कर सकता है और जो भू-राजनीतिक अनिश्चितता के समय में महत्वपूर्ण हो जाता है। इन भंडारों का उपयोग ऐसे समय में भी किया जा सकता है जब वैश्विक कीमतें आसमान छूती हैं ताकि राष्ट्रीय तेल कंपनियों को सहारा मिल सके।

सोना फिर एक लाख रुपये के पहुंचा पार, चांदी भी चमकी

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने की वजह से सोने की कीमत में लगातार तीसरे दिन तेजी जारी रही। सोने की प्रति 10 ग्राम का भाव फिर एक लाख रुपये के पार पहुंच गई है। चांदी की कीमत में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ईरान पर इजराइल के सैन्य हमले के बाद बढ़े तनाव के बीच राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के सर्राफा बाजार में कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने की कीमत 2,200 रुपये उछलकर 1,01,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर के करीब पहुंच गई।

चांदी की कीमत भी 1,100 रुपये बढ़कर 1,08,100 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से निवेशकों का रुझान सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर बढ़ने से सोने के दाम में तेजी रही। एमसीएक्स पर सोना आज 1,108 रुपये यानी 1.12 फीसदी बढ़कर 99,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला था, जबकि गुरुवार को सोना 98,392 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इससे पहले 22 अप्रैल को सोना 1,800 रुपये चढ़कर 1,01,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

एयर इंडिया विमान दुर्घटना के पीड़ितों के दावों के निपटान में मिलेगी राहत

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने 12 जून को अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान दुर्घटना में अपनी जान गंवाने वाले लोगों के प्रभावित परिवारों की सहायता करने और दावों का त्वरित निपटान करने के लिए कई विशेष उपायों की घोषणा की है। कंपनी ने प्रक्रिया आसान बनाने के लिए कई मानदंडों में ढील दी है। कंपनी के मुताबिक पॉलिसीधारक की मृत्यु की पुष्टि करने वाले किसी भी सरकारी रिकॉर्ड यानी केंद्र, राज्य सरकार या एयरलाइन कंपनी से मिले मुआवजे के दस्तावेज को मृत्यु के वैध प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जायेगा। इसके लिए वे 022-68276827 पर और एलआईसी हेल्पलाइन नंबर पर भी कॉल कर सकते हैं। बीमा कंपनी ने कहा कि दावेदार सहायता के लिए अपनी निकटतम एलआईसी शाखा, डिवीजन कार्यालय या ग्राहक क्षेत्र से संपर्क कर सकते हैं।

एलआईसी ने कहा कि वह विमान में सवार यात्रियों और चालक दल के सदस्यों के साथ-साथ जमीन पर मौजूद नागरिकों की जान जाने से बहुत दुखी है। कंपनी पीड़ितों के परिवारों को वित्तीय राहत प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी ने यह भी आश्वासन दिया है कि प्रभावित परिवारों तक सक्रिय रूप से पहुंचने और निपटान प्रक्रिया में तेज़ी लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। बीमा कंपनी ने कहा कि अधिक जानकारी के लिए कार्यकारी निदेशक (सीसी), भारतीय जीवन बीमा निगम, केंद्रीय कार्यालय, मुंबई। ईमेल आईडी- ed_cc@licindia.com हमें www.licindia.in पर देखें और कृपया संपर्क करें।

ओसवाल पंप्स का आईपीओ खुला, कंपनी की 890 करोड़ जुटाने की योजना

एजेंसी

नई दिल्ली। पंप विशेषकर सोलर पंप बनाने वाली कंपनी ओसवाल पंप्स लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपओ) खुल गया जो 17 जून को बंद होगा। कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक विवेक गुप्ता ने शुक्रवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा करते हुये कहा कि 890 करोड़ रुपये के इस आईपीओ से जुटाने वाली राशि का ऋण चुकाने, पूंजीगत निवेश करने और कंपनी के कारोबार को गति देने पर उपयोग किया जायेगा। कंपनी आईपीओ के जरिए 890 करोड़ रुपये के नये शेयर जारी करेगी, जबकि कंपनी के प्रवर्तक विवेक गुप्ता 81 लाख शेयरों की बिक्री ऑफर कर रहे हैं। कंपनी ने आईपीओ के खुलने से गुरूवार को एंकर निवेशकों के माध्यम से 416.2 करोड़ रुपये जुटाए। उन्होंने कहा कि ओसवाल पंप्स ने इस आईपीओ के जरिए कुल 1387 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बनाई है। बोली लगाने के लिए निवेशकों को कम से कम 24 शेयरों के लिए बोली लगानी पड़ेगी, जबकि 24 के गुणक में और शेयर खरीदे जा सकते हैं। कंपनी ने आईपीओ के लिए शेयरों का मूल्य दायरा 584 रुपये से 638 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। श्री गुप्ता ने कहा कि सरकार की पीएम कुशुम योजना के तहत उनकी कंपनी के पास अभी 1100 करोड़ रुपये के आर्डर है। इसके अतिरिक्त खुले बाजार में भी कंपनी अपने उत्पादों की बिक्री कर रही है। कंपनी के कुल कारोबार में करीब 70 प्रतिशत हिस्सेदारी सरकारी आर्डर के हैं। कंपनी अब सोलर पंप पर विशेष रूप से ध्यान दे रही है जिससे उसके कारोबार में जबरदस्त तेजी आयी है।

गौरतलब है कि ओसवाल पंप्स की स्थापना साल 2003 में हुई थी। कंपनी ने अपने शुरुआती दौर में लो स्पीड मोनोब्लॉक पंप्स की मैन्युफैक्चरिंग शुरू की थी।

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक, अंतर्देशीय उत्पादन बढ़कर 147 लाख टन हुआ : केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह ने कहा कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश है, जहां 2013-14 से अंतर्देशीय उत्पादन 142 प्रतिशत बढ़कर 147 लाख टन हो गया है।उन्होंने अंतर्देशीय मत्स्य पालन और जलीय कृषि सम्मेलन 2025 कार्यक्रम के दौरान कहा कि मत्स्य पालन क्षेत्र की औसत वार्षिक वृद्धि दर 9 प्रतिशत है, जो सभी कृषि से जुड़े क्षेत्रों में सबसे अधिक है। केंद्रीय मंत्री ने नीली क्रांति, मत्स्य पालन और जलीय कृषि अवसंरचना विकास निधि (एफआईडीएफ), प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, पीएम-मत्स्य किसान समृद्धि सह योजना और किसान क्रेडिट कार्ड जैसी प्रमुख पहलों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन ने राज्यों से एफआईडीएफ का बेहतर उपयोग करने, आईसीएआर के साथ मिलकर कार्यान्वयन कैलेंडर की

योजना बनाने और शीतजल मत्स्य पालन, सजावटी मत्स्य पालन और खारे जलीय कृषि का विस्तार कर निर्यात बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने पोषण में सुधार, उत्पादन को बढ़ावा देने और विकसित भारत के दृष्टिकोण में योगदान देने के लिए अंतर्देशीय संसाधनों के प्रभावी उपयोग को प्रोत्साहित किया। केंद्रीय मंत्री सिंह ने मत्स्य पालन क्षेत्र में अंतर्देशीय राज्यों द्वारा की गई सराहनीय प्रगति की सराहना की और उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाने की आवश्यकता को रेखांकित किया। मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल ने कहा कि मत्स्य पालन किसानों की आय दोगुनी करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने सभी हितधारकों के प्रयासों की प्रशंसा की। कार्यक्रम में डिजिटल टूल, वैल्यू एडिशन और मछली पकड़ने के बाद की गतिविधियों में काम करने वाले 300 से अधिक मत्स्य पालन स्टार्ट-अप के लिए भी समर्थन को प्रोत्साहित किया गया। मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय तथा अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने पोषण सुरक्षा, ग्रामीण समृद्धि और स्थायी आजीविका सुनिश्चित करने में अंतर्देशीय मत्स्य पालन की परिवर्तनकारी क्षमता पर जोर दिया। उन्होंने पारंपरिक ज्ञान को इनोवेशन के साथ इंटीग्रेट करने, देशी प्रजातियों को बढ़ावा देने और सामूहिक कार्रवाई के माध्यम से समुदायों को सशक्त बनाने के महत्व को रेखांकित किया।

वित्त मंत्री सीतारमण 27 जून को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रमुखों से मुलाकात करेंगी

एजेंसी

नई दिल्ल। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 27 जून को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के प्रमुखों से मुलाकात करेंगी। बैठक में बैंकों के वित्तीय प्रदर्शन की समीक्षा और विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होगी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दरों में कटौती के बीच वित्त मंत्री की अध्यक्षता में 27 जून को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक प्रमुखों के साथ होने वाली बैठक में वार्षिक वृद्धि की समीक्षा की जाएगी। इसके साथ ही वित्त मंत्री सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के वित्तीय प्रदर्शन और चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए उनके लक्ष्यों की समीक्षा करेंगी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के नीतिगत दरों रेपो रेट में 50 आधार अंकों यानी 0.50 फीसदी की भारी कटौती के बाद वित्त मंत्री सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से उत्पादक क्षेत्रों को अपना ऋण बढ़ाने

का आग्रह कर सकती हैं, ताकि आर्थिक विकास दर को बढ़ावा दिया जा सके, जो वित्त वर्ष 2024-25 में चार साल के निचले स्तर 6.5 फीसदी पर पहुंच गई है।

लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 573 अंक टूटा

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और इजराइल के ईरान पर हमले का असर घरेलू शेयर बाजार पर देखने को मिला है। हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन शेयर बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी लाल निशान पर बंद हुए हैं। सेंसेक्स 573.38 अंक यानी 0.70 फीसदी टूटकर 81,118.60 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 169.60 अंक यानी 0.68 फीसदी फिसलकर 24,718.60 के स्तर पर बंद हुआ है। कारोबार के अंत में सेंसेक्स के 30 शेयरों में 4 शेयर में तेजी और 26 शेयरों में गिरावट रही है। बैंकिंग, ऑयल एंड गैस, ऑटो और आईटी के शेयर ज्यादा गिरे। एयर इंडिया के विमान क्रैश होने के बाद

एयरलाइन कंपनियों के शेयर भी आज टूटे हैं। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो का शेयर 4 फीसदी गिरा है, जबकि स्पाइसजेट का शेयर 1.61 फीसदी टूटा है। एयर इंडिया का संचालन करने वाले टाटा समूह के सभी शेयर नीचे हैं। इसके अलावा अडाणी पोर्ट्स, आईटीसी, इंडसइंड बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और एचडीएफसी बैंक में 1 फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर टेक महिंद्रा, टीसीएस, सन फार्मा और मारुति सुजुकी के शेयर ही लाभ में रहे। इस बीच बाजार में उतार-चढ़ाव को मापने वाला भय सूचकांक (इंडिया वीआईएक्स) 7.6 प्रतिशत बढ़कर 15.08 अंक पर बंद हुआ। इससे एक दिन पहले गुरुवार को 30 शेयरों वाला बीएसई का सेंसेक्स 823 अंक गिरकर 81,691.98 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 253.20 अंक गिरकर 24,888.20 के स्तर पर बंद हुआ था।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 5.17 अरब डॉलर बढ़कर 696.65 अरब डॉलर पर

एजेंसी

नई दिल्ली। देश का विदेशी मुद्रा भंडार छह जून को समाप्त हफ्ते में 5.17 अरब डॉलर बढ़कर 696.65 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इससे पिछले हफ्ते में 30 मई को विदेशी मुद्रा भंडार 1.24 अरब डॉलर घटकर 691.48 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया है कि छह जून को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.47 अरब डॉलर बढ़कर 587.68 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

इस अवधि के दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 1.58 अरब डॉलर बढ़कर 85.88 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 10.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.67 अरब डॉलर हो गया। इंडियन आयल डिपो के दो टैंकरों में

अचानक लगी आग, बड़ी घटना टलीरिजर्व बैंक के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार भी 1.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.4 अरब डॉलर पहुंच गया। देश का विदेशी मुद्रा भंडार सितंबर 2024 के अंत में 704.88 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

खाद्य तेल सस्ता, अधिकांश दालें महंगी

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों में तेजी आने के बावजूद स्थानीय स्तर पर मांग फिसलने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों के भाव गिर गए जबकि उठाव बढ़ने से अधिकांश दालें महंगी हो गई वहीं अन्य जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहनः वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा 84 रिंगिट चढ़कर 3927 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह जून का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.74 सेंट की तेजी के साथ 48.35 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में गिरावट रही। मूंगफली तेल 330 रुपये, सूरजमुखी तेल 512 रुपये, सोया रिफाइंड 365 रुपये, पाम ऑयल 1620 और वनस्पति तेल 1318 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हो गया जबकि सरसों तेल में 182 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में चुनिंदा दाल दलहनों में तेजी रही। इस दौरान मसूर दाल 100 रुपये, मूंग दाल 100 रुपये और उड़द दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गयी जबकि चना, चना दाल और अरहर दाल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान चावल और गेहूं के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

केंद्र ने ईवी, हरित ऊर्जा क्षेत्रों के युवाओं को कौशल प्रदान करने के लिए शेल इंडिया के साथ हाथ मिलाया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और हरित ऊर्जा क्षेत्रों के युवाओं के कौशल विकास के लिए शेल इंडिया के साथ हाथ मिलाया है। इस साझेदारी के तहत देश के चुनिंदा आईटीआई और एनएसटीआई में छात्रों को हरित कौशल और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहन कौशल प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि एमएसडीई के तहत प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) ने एक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने के लिए शेल इंडिया के साथ हाथ मिलाया है, जो युवाओं को इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और हरित ऊर्जा क्षेत्रों के लिए कौशल प्रदान करेगा। यह कार्यक्रम शेल के कार्यान्वयन साझेदार एडुनेट फाउंडेशन द्वारा 5 राज्यों में क्रियान्वित किया जाएगा। इसके जरिए हजारों छात्रों को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और नवीकरणीय ऊर्जा में उद्योग-तैयार कौशल प्रदान किए जाएंगे। इस अवसर पर केंद्रीय एमएसडीई और शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने कहा कि शेल इंडिया के साथ हमारा सहयोग कौशल को स्थिरता के साथ जोड़ने की सरकार की गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और व्यापक जलवायु परिवर्तन केवल पर्यावरणीय अनिवार्यताएं नहीं हैं। वे भारत के लिए नवाचार, प्रतिभा और उद्यम के माध्यम से नेतृत्व करने के लिए एक पीढ़ीगत अवसर का प्रतिनिधित्व करते हैं। मंत्रालय के अनुसार ग्रीन स्किल्स और ईवी प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों को हरित ऊर्जा और ई-मोबिलिटी में भविष्य के लिए तैयार क्षमताओं से लैस करना है। यह पहल ऐसे समय में की गई है जब सरकार अपनी नेट-जीरो महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप हरित ऊर्जा और ईवी अपनाने को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रही है। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के प्रशिक्षण महानिदेशालय की महानिदेशक त्रिशालजीत सेठी ने कहा कि शेल इंडिया के साथ यह साझेदारी हमारे आईटीआई और एनएसटीआई में अत्याधुनिक प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे और उद्योग-प्रासंगिक पाठ्यक्रम लाने की दिशा में एक केंद्रित पहल है। वहीं, भारत के हरित अर्थव्यवस्था दृष्टिकोण के अनुरूप यह पहल तेजी से विकसित हो रहे ऊर्जा क्षेत्र में प्रमाणन, नियोजन सहायता और हरित रोजगारों के लिए मार्ग प्रशस्त करेगी। उल्लेनीय है कि इन राष्ट्रीय प्रयासों को पूरक बनाते हुए दिल्ली, महाराष्ट्र और तमिलनाडु जैसे राज्यों ने इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में बदलाव को तेज़ करने, स्थानीय ईकोसिस्टम को बढ़ावा देने और हरित रोजगारों का सृजन करने के लिए अपनी स्वयं की ईवी नीतियां पेश की हैं। ये विकास हरित ऊर्जा और ईवी क्षेत्रों में कुशल कार्यबल की बढ़ती मांग को रेखांकित करते हैं।

भारतीय महिला हॉकी टीम यूरोप में एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के अहम मुकाबलों के लिए तैयार

एजेंसी

लंदन। भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग 2024-25 (महिला) के दूसरे और अंतिम चरण के मुकाबलों के लिए तैयार है। यूरोपीय चरण में भारतीय टीम का सामना ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, बेल्जियम और चीन से होगा। फिलहाल 9 अंकों के साथ छठे स्थान पर काबिज भारतीय टीम 14 और 15 जून को लंदन के ली वैली हॉकी एंड टेनिस सेंटर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इसके बाद टीम 17 और 18 जून को अर्जेंटीना से भिड़ेगी। आगामी मुकाबलों को लेकर टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा, हमारा लक्ष्य है कि हम इस चरण में अपने से ऊपर रैंकिंग वाली टीमों को हराएं। हमने अपनी तैयारियों के तहत हर मैच की रिकॉर्डिंग की और प्रदर्शन की समीक्षा की है, ताकि कमियों को सुधारने के साथ-साथ अपनी ताकत को पहचान सकें और उसे बरकरार रख सकें। लंदन के मैचों के बाद भारतीय महिला टीम 21 और 22 जून को एंटवर्प में बेल्जियम से भिड़ेगी। इसके बाद टीम का आखिरी मुकाबला 28 और 29 जून को बर्लिन में चीन के खिलाफ होगा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम भी 14 और 15 जून को एंटवर्प में ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला करेगी। टीम वर्तमान में 15 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है और शीर्ष तीन में बने रहने के लिए उसे इन मुकाबलों में जीत हासिल करनी होगी।

थॉमस फ्रैंक बने टोटेनहम के नए हेड कोच, तीन साल के कॉन्ट्रैक्ट पर हुई नियुक्ति

लंदन। टोटेनहम हॉटस्पर फुटबॉल क्लब ने डेनमार्क के कोच थॉमस फ्रैंक को अपना नया हेड कोच नियुक्त किया है। गुरुवार को क्लब ने घोषणा की कि फ्रैंक ने तीन साल का अनुबंध साइन किया है, जो 2028 तक चलेगा। 51 वर्षीय थॉमस फ्रैंक ने करीब एक दशक तक ब्रेंटफोर्ड क्लब के साथ काम किया और अब वे टोटेनहम में एंजे पोस्टेकोग्लू की जगह लेंगे। पोस्टेकोग्लू को पिछले सप्ताह बर्खास्त कर दिया गया था, हालांकि उन्होंने मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराकर यूरोपा लीग फाइनल जीतकर टोटेनहम को 17 साल में पहली ट्रॉफी दिलाई थी। टोटेनहम ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, 'थॉमस फ्रैंक फुटबॉल की दुनिया के सबसे प्रगतिशील और नवाचारपूर्ण कोचों में से एक हैं। उनके पास खिलाड़ियों और टीम को विकसित करने का शानदार रिकॉर्ड है और हम उन्हें नए सीजन की तैयारी के लिए टीम की कमान सौंपने को लेकर उत्साहित हैं।' फ्रैंक ने दिसंबर 2016 में ब्रेंटफोर्ड से जुड़ाव शुरू किया था और 2018 से वे टीम के मैनेजर बने। उन्होंने खुद को एक टैक्टिकली समझदार और लचीले कोच के रूप में स्थापित किया, जो सामान्य या पिछली टीमों में असफल रहे खिलाड़ियों को भी निखारने में माहिर रहे हैं।

सिफ्त कौर समरा ने किया एसएलआई का समर्थन, कहा-शूटिंग क्रांति के लिए यह सही समय

नई दिल्ली। पंजाब की 23 वर्षीय शूटिंग स्टार सिफ्त कौर समरा ने भारत की पहली शूटिंग लीग (शूटिंग लीग ऑफ इंडिया-एसएलआई) को देश में इस खेल के लिए एक गेम-चेंजर बताया है। एशियाई खेलों 2022 में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन के फाइनल में विश्व रिकॉर्ड 469.6 अंक बनाकर इतिहास रचने वाली सिफ्त को उम्मीद है कि यह लीग न केवल शूटर्स, बल्कि फैन्स और भविष्य की प्रतिभाओं के लिए भी एक नया मंच तैयार करेगी। सिफ्त ने कहा, भारतीय शूटिंग में ऐसा पहली बार हो रहा है और मुझे लगता है कि यह एक बहुत बड़ा कदम है। आज भी लोग शूटिंग को लेकर बहुत कुछ नहीं जानते। लीग फॉर्मेट इस खेल को दर्शकों के करीब लाएगा और हमें शूटर के तौर पर एक नया प्लेटफॉर्म देगा–प्रतिस्पर्धात्मक रूप से भी और व्यक्तिगत तौर पर भी। अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहले ही कई पदक जीत चुकीं सिफ्त–जिनमें एशियन गेम्स का गोल्ड और सिल्वर और आईएसएसएफ वर्ल्ड कप का ब्रॉन्ज शामिल है, लीग के उस फॉर्मेट को लेकर खास तौर पर उत्साहित हैं जिसमें भारत के टॉप शूटर एक-दूसरे के खिलाफ टीम राइवलरी में उतरेंगे।

यूरोप दौरे पर भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की लगातार तीसरी जीत, बेल्जियम को 3-2 से हराया

एंटवर्प। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने यूरोप दौरे पर शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बेल्जियम को 3-2 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। यह मुकाबला एंटवर्प स्थित हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, विलरिज्कसे प्लेन में खेला गया। भारत के लिए सोनम (4'), ललथनतलुआंगी (32') और कनिका सिवाच (51') ने गोल किए, जबकि बेल्जियम की ओर से मैरी गोएन्स (37') और मार्टे मैरी (40') ने गोल किए। मैच की शुरुआत से ही भारत ने आक्रामक तेवर दिखाए। चौथे मिनट में सोनम ने शानदार फील्ड गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। पहले हाफ में भारत ने अपनी बढ़त बनाए रखी। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे ललथनतलुआंगी ने 32वें मिनट में गोल में बदलकर स्कोर 2-0 कर दिया। इसके बाद बेल्जियम ने जोरदार वापसी की।

फीफा क्लब विश्व कप : चोटिल जोड़ी अल्बा अल अहली के खिलाफ इंटर मियामी के पहले मैच से बाहर

एजेंसी

मियामी गार्डन्स। फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 में इंटर मियामी को अपने पहले मुकाबले से पहले बड़ा झटका लगा है। टीम के अनुभवी स्पेनिश डिफेंडर जोर्डी आल्बा मांसपेशियों में चोट के चलते शनिवार को मिस्र की अल-अहली के खिलाफ होने वाले मैच में नहीं खेल पाएंगे। इंटर मियामी के कोच जैवियर माशेरानो ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस बात की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि केवल आल्बा ही नहीं, बल्कि मिडफील्ड के मजबूत खिलाड़ी यानिक ब्राइट भी इस मुकाबले से बाहर हो गए हैं। हालांकि माशेरानो को उम्मीद है कि दोनों खिलाड़ी अगले मुकाबले तक फिट हो जाएंगे। उन्होंने कहा, जोर्डी और यानिक इस मैच के लिए उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन उम्मीद है कि वे अगले मैच के लिए तैयार रहेंगे।

आल्बा की गैरमौजूदगी मियामी के लिए बड़ा नुकसान

पूर्व बार्सिलोना डिफेंडर जोर्डी आल्बा की अनुपस्थिति से मियामी की रक्षापंक्ति को कमजोर झटका लगेगा। इसके अलावा, उनका लियोनेल मेसी को पास देने में अहम योगदान रहता है, जिससे अटैक में भी कमी देखने को मिल सकती है।

मिडफील्ड में यानिक ब्राइट की गैरहाजिरी से भी टीम की फिजिकल ताकत पर असर पड़ेगा, खासकर तब जब वह सर्जियो बस्केट्स जैसे अनुभवी लेकिन उम्रदराज खिलाड़ी के साथ मैदान संभालते हैं।

मशेरानो बोले - यह हमारे लिए बड़ी चुनौती

माशेरानो ने कहा, हम चाहते थे कि हमारी पूरी टीम फिट होती, ताकि हम और मजबूत होते। लेकिन इसके बावजूद हम इस मंच पर खेलने को लेकर उत्साहित हैं। यह एक अनोखा टूर्नामेंट है और इसमें हिस्सा लेना हमारे लिए गर्व की बात है। यह हमारे लिए खुद को आंकने का मौका भी है।

ग्रुप स्टेज में तीन मुकाबले खेलेगी मियामी

इंटर मियामी ग्रुप 'ए' में खेल रही है। टीम शनिवार को अल-अहली से भिड़ेगी, इसके बाद गुरुवार को अटलांटा में पोर्टो से मुकाबला होगा और फिर अंतिम ग्रुप मैच ब्राजील की पामेइरास के खिलाफ साउथ फ्लोरिडा में खेला जाएगा। गौरतलब है कि इंटर मियामी ने पिछले सीजन में एमएलएस सपोर्टर्स शील्ड जीतकर इस टूर्नामेंट में मेज़बान टीम के रूप में प्रवेश किया है। हालांकि, टीम प्लेऑफ के पहले दौर में अटलांटा से हार गई थी और एमएलएस कप लॉस एंजेलिस गैलेक्सी ने जीता था।

मैदान की स्थिति पर सवाल

जब मीडिया प्रतिनिधि मैच स्थल पर पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि मैदान पर अभी तक लाइनिंग पूरी नहीं हुई थी और सतह पर काम चल रहा था। इस पर माशेरानो ने कहा, उम्मीद है कि मैदान मैच के लिए तैयार होगा। हमें इस पर भरोसा है कि फीफा ऐसे आयोजनों में अनुभवी है, लेकिन हमारा ध्यान उन्हीं चीजों पर है जिन्हें हम नियंत्रित कर सकते हैं।

उत्तर प्रदेश में अंतर राज्य खेल प्रतियोगिताओं में बेहतर स्थान हासिल कर लौटे खिलाड़ियों का हुआ स्वागत

एजेंसी

आरएस पुरा। उत्तर प्रदेश में आयोजित हुई तीन दिवसीय अंतर राज्य खेल प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर वापस लौटे कबड्डी तथा क्रिकेट खिलाड़ियों का गांव टांडा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जोरदार तरीके के साथ स्वागत किया गया। इस मौके पर पीडीपी के विधानसभा प्रभारी नरेंद्र शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जिन्होंने खेल प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मिठाई खिलाकर एवं ट्राफियां देकर सम्मानित किया और उनकी इस सफलता पर उन्हें मुबारकबाद दी। इस मौके पर पीडीपी के विधानसभा प्रभारी नरेंद्र शर्मा ने कहा कि कबड्डी कोच गौरव कुमार की अध्यक्षता में जिला जम्मू से एक खिलाड़ियों का दल उत्तर प्रदेश में आयोजित हुई अंतर राज्य खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने गया हुआ था और उन प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन कर जम्मू कश्मीर का नाम रोशन किया है जिसके चलते आज इन खिलाड़ियों का स्वागत किया गया है और उनकी इस सफलता पर मुबारकबाद दी गई है। नरेंद्र शर्मा ने कोच गौरव कुमार की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके द्वारा लगातार खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रयास किया जा रहे हैं और उनकी तरफ से समय-समय पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन भी करवाया जाता है। कबड्डी कोच गौरव कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश में आयोजित हुई इस खेल प्रतियोगिताओं में कबड्डी तथा क्रिकेट में जम्मू कश्मीर के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन कर प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि इन प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों का आगामी नॉर्थ जोन खेल प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए चयन होगा।

मेसी फीफा क्लब विश्व कप में इंटर मियामी का नेतृत्व करने के लिए उत्सुक

एजेंसी

मियामी। फुटबॉल महानायक लियोनेल मेसी ने कहा है कि 2025 में अमेरिका में होने वाले फीफा क्लब विश्व कप के लिए उनकी उम्मीदें पहले के मुकाबलों से अलग होंगी, जब वह बार्सिलोना की ओर से इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भाग लेते थे। मेसी 2009, 2011 और 2015 में बार्सिलोना के साथ क्लब विश्व कप जीत चुके हैं। इस बार यह टूर्नामेंट विस्तारित 32 टीमों के फॉर्मेट में खेला जाएगा, जो चार सप्ताह तक चलेगा और संयुक्त राज्य अमेरिका के 11 शहरों में आयोजित होगा। फीफा से बातचीत में मेसी ने कहा,इस टूर्नामेंट का हिस्सा बनने का मौका बेहद खास है। इस बार की उम्मीदें अलग हैं, लेकिन मैं उत्साहित हूं और दुनिया की बेहतरीन टीमों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने को लेकर तत्पर हूं। इंटर मियामी अपने अभियान की शुरुआत शनिवार को मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में अल अहली के खिलाफ करेगा। इसके बाद टीम पाल्मेइरास और पोर्टो से भिड़ेगी। मेसी ने कहा कि फीफा के सभी छह महाद्वीपों की टीमों की भागीदारी इस टूर्नामेंट को खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों के लिए खास

अनुभव बनाएगी। उन्होंने कहा,दुनिया भर से बड़ी टीमें आ रही हैं और इससे दुनियाभर के लोगों की दिलचस्पी जुड़ी है। यह हमारे लिए एक नया और अलग अनुभव है। अमेरिका में दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों को खेलते देखना एक अद्भुत अवसर है। हालांकि उन्होंने माना कि यूरोपीय क्लब खिताब के प्रबल दावेदार होंगे, लेकिन उन्होंने दक्षिण अमेरिकी और अन्य क्षेत्रों की टीमों को भी हल्के में नहीं आंका। मेसी ने कहा,यह दक्षिण अमेरिकी और उभरती हुई टीमों के लिए भी बड़ा मौका है कि वे यूरोपीय दिग्गजों के खिलाफ खेलें। वे टीमें जिनके पास दुनिया के सबसे अच्छे खिलाड़ी हैं और जिन्हें देखने के लिए लोग बेताब रहते हैं।यह खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों के लिए एक शानदार अनुभव होगा। 2025 क्लब विश्व कप की शुरुआत इस शनिवार से हो रही है और यह टूर्नामेंट 2025 गर्मियों में अमेरिका में आयोजित होने वाले सबसे बड़े फुटबॉल आयोजनों में से एक माना जा रहा है।

कोच मनोलो मार्केज़ के भविष्य पर 29 जून को होगा फैसलाः कल्याण चौबे

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा है कि भारत की पुरुष फुटबॉल टीम के कोच मनोलो मार्केज़ के भविष्य पर निर्णय 29 जून को होने वाली कार्यकारिणी समिति की बैठक में लिया जाएगा। उन्होंने कहा, मनोलो मार्केज़ एक अनुभवी और भारतीय फुटबॉल को समझने वाले कोच हैं, लेकिन पिछले कुछ दिनों से मुझे कई कॉल्स आ रही हैं कि क्या वह कोच बने रहेंगे या नहीं। इस पर अंतिम निर्णय कार्यकारिणी की बैठक में लिया जाएगा। हालांकि, यह सोचना अवास्तविक है कि बिना गोल किए हम जीत सकते हैं।

मार्केज़ ने इगोर स्टिमाक की जगह भारतीय टीम के कोच का पद संभाला था, लेकिन अब तक वह एक भी प्रतिस्पर्धात्मक मैच जीतने में नाकाम रहे हैं। एएफसी एशियन कप क्वालिफायर में भारत को हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ 0-1 से हार और बांग्लादेश से गोलरहित ड्रॉ ने आलोचनाओं को जन्म दिया है और कोच को हटाने की मांग तेज हो गई है।

ओसीआई खिलाड़ियों को भारतीय टीम में शामिल करने की कवायदः कल्याण चौबे ने बताया कि एआईएफएफ उन भारतीय मूल के विदेशी खिलाड़ियों यानी ओसीआई (ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया) को टीम में शामिल करने के लिए कई सरकारी विभागों के संपर्क में है। उन्होंने कहा, हमने इस विषय पर सरकार के कई मंत्रालयों से संवाद शुरू किया है और

शुरुआती प्रतिक्रिया उत्साहजनक रही है। हम 33 ऐसे खिलाड़ियों से संपर्क में हैं जिनमें से कुछ के पास ओसीआई कार्ड है और कुछ आवेदन की प्रक्रिया में हैं। हम उन्हें इस प्रक्रिया में सहायता भी दे रहे हैं। भारतीय सुपर लीग (आईएसएल) में भारतीय स्ट्राइकरों की भागीदारी कम होने को लेकर भी सवाल उठे। कल्याण चौबे ने कहा, विदेशी खिलाड़ियों की संख्या में कटौती पर एआईएफएफ अकेले निर्णय नहीं ले सकता। सभी हितधारकों को मिलकर निर्णय लेना होगा।

फिडे वर्ल्ड रैपिड और ब्लिट्ज टीम चैंपियनशिपः अर्जुन एरिगैसी की अगुवाई में टीम एमजीडी1 ने रैपिड खिताब जीत रचा इतिहास

एजेंसी

लंदन। भारतीय शतरंज के इतिहास में एक गौरवपूर्ण क्षण तब आया जब पुणे स्थित टीम एमजीडी 1 ने अर्जुन एरिगैसी की कप्तानी में फिडे वर्ल्ड रैपिड एंड ब्लिट्ज टीम चैंपियनशिप 2025 का रैपिड खिताब जीत लिया। यह इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में खिताब जीतने वाली पहली भारतीय-प्रायोजित टीम बन गई है। टीम एमजीडी1 केवल एक शतरंज टीम नहीं बल्कि एक शतरंज प्रबंधन और निवेश संस्था है, जो प्रतिभाओं को संवारने, टूर्नामेंट आयोजित करने और अपनी फ्लैगशिप टीम को अंतरराष्ट्रीय मंच पर उतारने का कार्य करती है। इस टीम की खासियत यह रही कि यह पूरी तरह भारतीय प्रतिभाओं पर आधारित रही, जिसमें अर्जुन एरिगैसी के अलावा पेंटाला हरिकृष्णा, लियोन ल्यूक मेंडोंका, प्रणव वी और अथर्व पी. तायड़े शामिल रहे। फाइनल राउंड में एमजीडी1 का मुकाबला 'माल्कम्स मेट्स% से हुआ, जहां अर्जुन एरिगैसी, प्रणव वी और अथर्व तायड़े ने निर्णायक जीतें दर्ज करते हुए टीम को ऐतिहासिक खिताब दिलाया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान एमजीडी1 का मुख्य मुकाबला 'हेक्सामाइंड' टीम से रहा, जिसमें लेवोन अरोनियन, विदित गुजराती और दिव्या देशमुख जैसे सितारे शामिल थे। हेक्सामाइंड ने अंततः 1 मैच प्वाइंट से पीछे रहकर दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि विश्वनाथन आनंद की अगुवाई वाली 'फ्रीडम' टीम ने 17 अंक लेकर तीसरा स्थान प्राप्त किया।

पहले दिन की मुख्य झलकियांः टूर्नामेंट के पहले दिन चार राउंड के बाद एमजीडी1 ने 4 में से 4 मुकाबले जीतकर शीर्ष स्थान पर कब्जा कर लिया। वहीं अलीरेज़ा फिरोज़ा, हिकारू नाकामुरा और अलेक्ज़ांद्रा कोस्टेनियुक जैसे दिग्गजों वाली डब्ल्यूआर चेस टीम ने विश्वनाथन आनंद की 'फ्रीडम' टीम से ड्रॉ खेला और दूसरे स्थान पर रही। इस बार टूर्नामेंट में दो प्रमुख नाम - मैग्नस कार्लसन और इयान नेपोमनियाची - शामिल नहीं हो सके। कार्लसन 2023 में डब्ल्यूआर चेस को ब्लिट्ज खिताब दिला चुके हैं, जबकि नेपोमनियाची पासपोर्ट संबंधी समस्याओं के कारण अनुपस्थित रहे।

दूसरे दिन की मुख्य झलकियां

दूसरे दिन भारतीय प्रशंसकों के लिए खास रहा जब विश्वनाथन आनंद ने अपनी पुरानी चमक दिखाते हुए राउंड 5 में अर्जुन एरिगैसी को हराकर 'फ्रीडम' को अहम जीत दिलाई। यह एमजीडी1 की इस संस्करण में पहली हार रही। हालांकि अगले ही राउंड में एमजीडी1 ने डब्ल्यूआर चेस को हराकर जोरदार वापसी की। वहीं हेक्सामाइंड टीम लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए एमजीडी1 की बराबरी तक पहुंच गई और आठ राउंड के बाद दोनों के 13-13 मैच प्वाइंट हो गए।

जिला प्रशासन सांबा ने दंगल-कुश्ती आयोजनों पर तत्काल प्रभाव से लगाई रोक

एजेंसी

सांबा। जिला सांबा में प्रचंड गर्मी और बढ़ते तापमान के चलते जिला प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पारंपरिक कुश्ती (दंगल/कुश्ती) प्रतियोगिताओं पर अस्थायी रूप से प्रतिबंध लगा दिया है। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के अंतर्गत जारी किया गया है जिला मजिस्ट्रेट राजेश शर्मा (जेकेएएस) द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि जिले में पड़ रही भीषण गर्मी के मद्देनज़र ऐसे आयोजनों में भाग लेने वाले प्रतिभागियों और दर्शकों की जान-

माल की सुरक्षा को खतरा हो सकता है। खासतौर से गर्मी के इस दौर में ऐसे शारीरिक आयोजनों से हीटस्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। आदेश के अनुसार जब तक मौसम के हालात सामान्य नहीं हो जाते और स्थिति अनुकूल नहीं होती तब तक जिले में किसी भी तरह के दंगल या कुश्ती मुकाबलों पर रोक रहेगी। आदेश की अवहेलना करने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, 2023 के प्रावधानों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह प्रतिबंध आज दिनांक 13 जून 2025 से प्रभावी हो गया है और अगले आदेश तक लागू रहेगा।

डब्ल्यूटीसी फाइनल 2025:मार्करम का शतक, बावुमा का जज़्बा- जीत के बेहद करीब पहुंचा दक्षिण अफ्रीका

एजेंसी

लंदन। लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेले जा रहे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल 2025 के तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका ने शानदार वापसी करते हुए मुकाबले पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। ऐडन मार्करम के शानदार नाबाद शतक (102*) और कप्तान टेम्बा बावुमा के जुझारू 65* रनों की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने दिन का खेल समाप्त होने तक 213/2 रन बना लिए हैं और अब जीत से केवल 69 रन दूर है।मार्करम का शानदार शतक, बावुमा का साहसी साथदक्षिण अफ्रीका ने दूसरी पारी में शुरुआती झटका जरूर खाया, जब रयान रिकेल्टन सिर्फ 6 रन बनाकर मिशेल स्टार्क की गेंद पर विकेट के पीछे कैच दे बैठे। लेकिन इसके बाद मार्करम और वियान मुल्डर (27) ने 61 रनों की साझेदारी करते हुए पारी

को संभाला। स्टार्क ने मुल्डर को चाय से पहले आउट कर ऑस्ट्रेलिया को दूसरी सफलता दिलाई।इसके बाद मार्करम को कप्तान बावुमा का साथ मिला, जिन्होंने हैमस्ट्रिंग की परेशानी के बावजूद न सिर्फ विकेट थामे रखा बल्कि 83 गेंदों में अपना अर्धशतक भी पूरा किया। दोनों बल्लेबाजों ने 143 रनों की अविजित साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया को विकेट के लिए तरसा दिया। ऑस्ट्रेलिया की कोशिशें बेअसरतीसरे सत्र में ऑस्ट्रेलिया को एक भी सफलता नहीं मिली। कप्तान पैट कमिंस ने नाथन लायन के साथ-साथ पार्ट-टाइम गेंदबाजों को भी आज़माया, लेकिन उन्हें कोई फायदा नहीं हुआ। उन्होंने गेंद भी 53वें ओवर के बाद बदलवाई, लेकिन दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों ने कोई गलती नहीं की।

मार्करम ने अपनी पारी में धैर्य और आक्रामकता का शानदार संतुलन दिखाया और 90 के पार पहुंचने के बाद आखिरकार जोश हेज़लवुड की गेंद पर मिडविकेट की ओर फ्लिक कर अपना आठवां टेस्ट शतक पूरा किया। ऑस्ट्रेलियाई टेल ने दिखाई जुझारू बल्लेबाज़ीइससे पहले, तीसरे दिन की सुबह ऑस्ट्रेलिया ने 9 विकेट पर 144 रन से आगे खेलते हुए आखिरी विकेट के लिए 63 रन जोड़े।

स्टटगार्ट ओपन 2025: अलेक्जेंडर ज्वेरेव क्वार्टरफाइनल में पहुंचे, जस्टिन एंगेल ने रचा इतिहास

स्टटगार्ट। जर्मनी के शीर्ष वरीय अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने फ्रांस के कोरेंटिन मौटे को 6-2, 7-6(7) से हराकर स्टटगार्ट ओपन 2025 के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। यह टूर्नामेंट विंबलडन की तैयारी के लिहाज़ से बेहद अहम माना जा रहा है। फ्रेंच ओपन में क्वार्टरफाइनल तक का सफर तय करने वाले ज्वेरेव ग्रास कोर्ट पर अब तक संघर्ष करते आए हैं और उन्होंने अभी तक इस सतह पर कोई खिताब नहीं जीता है। ज्वेरेव बोले - जीत ही सबसे अहम28 वर्षीय ज्वेरेव ने पहला सेट आसानी से जीत लिया, लेकिन दूसरे सेट में मौटे ने कड़ी टक्कर दी। हालांकि, टाईब्रेकर में ज्वेरेव ने अनुभव का फायदा उठाकर मैच अपने नाम किया। उन्होंने कहा, मैं 6-2, 6-2 से जीतना पसंद करता, लेकिन मैच में ऐसा नहीं चुन सकते। जीत सबसे अहम होती है और मैं खुश हूं कि कल फिर खेलने का मौका मिलेगा।

सुरुचि ने म्यूनिख में पूरी की गोल्डन हैट्रिक

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय चैंपियन सुरुचि ने म्यूनिख में इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन (आईएसएसएफ) वर्ल्ड कप (राइफल/पिस्टल) में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा जीतकर अभूतपूर्व गोल्डन हैट्रिक पूरी की और भारत को प्रतियोगिता का पहला स्वर्ण पदक भी दिलाया। युवा निशानेबाज़ ने आठ खिलाड़ियों के फाइनल में 241.9 अंक हासिल किए और फ्रांस की पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता कैमिल जेद्रजेवस्की को केवल 0.2 अंकों से पीछे छोड़ते हुए रजत पर रोक दिया। चीन की याओ चियानशुआन ने कांस्य पदक जीता। सुरुचि ने इस वर्ष की पहली दो वर्ल्ड कप स्टेज-ब्यूनस आयर्स और लीमा- में भी यही स्पर्धा जीती थी। वास्तव में, ब्यूनस आयर्स में उन्होंने वर्ल्ड कप में अपना डेब्यू किया था और अब तक की अपनी सभी तीन आईएसएसएफ वर्ल्ड कप स्टेज में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। दिसंबर में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप से शुरू हुए अपने शानदार फॉर्म को जारी रखते

हुए हरियाणा की इस निशानेबाज़ ने क्वालिफिकेशन में 588 अंक हासिल किए और मनु भाकर द्वारा बनाए गए राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी की। याओ ने 589 अंकों के साथ जूनियर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाते हुए 110 खिलाड़ियों के फील्ड में शीर्ष स्थान हासिल किया। फाइनल में शुरुआती सीरीज़ में 52.1 अंक लेकर उन्होंने अच्छी शुरुआत की, लेकिन दूसरी पांच-शॉट सीरीज़ के अंत तक वह दूसरे स्थान पर खिसक गईं। 11वीं शॉट में 9.7 के स्कोर के बाद वह चौथे स्थान पर आ गईं और यहीं से उनके प्रदर्शन में तेजी आई। 12वीं शॉट में शानदार 10.8 स्कोर कर उन्होंने फिर से बढ़त हासिल की, जिसके बाद मुकाबला पूरी तरह से संघर्षपूर्ण हो गया। कैमिल और याओ उनके सबसे बड़े प्रतिस्पर्धी बने रहे, और भारतीय खिलाड़ी की कुछ 9 स्कोर का फायदा उठाकर फ्रांसीसी निशानेबाज़ ने 18वीं शॉट के बाद बढ़त बना ली। इसके बाद याओ ने अपनी 22वीं शॉट में 9.4 स्कोर किया, जिससे सुरुचि कैमिल के पीछे दूसरे स्थान पर आ गईं। अंतिम दो शॉट में प्रवेश करते समय वह कैमिल से 0.5 अंक पीछे थीं। 23वीं शॉट में सुरुचि ने 10.5 जबकि कैमिल ने 9.5 स्कोर किया, जिससे भारतीय निशानेबाज़ 0.5 अंक से आगे निकल गईं। आखिरी शॉट में दोनों ने 9 स्कोर किया, लेकिन सुरुचि ने बढ़त बनाए रखी और स्वर्ण पदक जीत लिया।

अल्टीमेट खो-खो सीजन 3 की शुरुआत 29 नवंबर से, केकेएफआई अध्यक्ष ने की घोषणा

गुरुग्राम। खो-खो के वैश्वीकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) ने घोषणा की है कि आगामी तीसरे सीजन की अल्टीमेट खो खो (यूकेके) खिलाड़ियों की नीलामी में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी भी भाग ले सकेंगे। यह घोषणा श्री गुरु गोबिंद सिंह टरसेन्टेनरी (एसजीटी) विश्वविद्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान केकेएफआई अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने की। उन्होंने यह भी बताया कि अल्टीमेट खो-खो सीजन 3 की शुरुआत 29 नवंबर 2025 से की जाएगी, जो भारत की पेशेवर खो-खो लीग के लिए एक नया अध्याय होगा। इस अवसर पर हरियाणा सरकार के राज्य मंत्री (युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता, खेल, कानून एवं विधायी कार्य) गौरव गौतम भी उपस्थित रहे। उन्होंने केकेएफआई द्वारा खो-खो को वैश्विक मंच पर ले जाने के प्रयासों की सराहना की और कहा कि यह हरियाणा में खेल विकास को भी गति देगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में अन्य प्रमुख अतिथियों में एसजीटी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. हेमंत वर्मा, एसजीटी विश्वविद्यालय की गवर्निंग बॉडी के सदस्य अमृत सिंह चावला और हरियाणा खो-खो फेडरेशन के अध्यक्ष जवाहर सिंह यादव शामिल रहे। यादव ने वादा किया कि हरियाणा में खो-खो को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिया जाएगा और खिलाड़ियों को अधिक सुविधाएं व रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे। इस दौरान यह भी घोषणा की गई कि खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया और एसजीटी विश्वविद्यालय के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिसका उद्देश्य पारंपरिक खेलों, विशेषकर खो-खो, के लिए शैक्षणिक और वैज्ञानिक संसाधनों का विकास करना है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में सुधांशु मित्तल ने कहा, खो-खो आज भारत की खेल नवाचार और महत्वाकांक्षा का प्रतीक बन चुका है। अल्टीमेट खो खो सीजन 3 की शुरुआत 29 नवंबर 2025 से हो रही है, और हम गर्व के साथ यह घोषणा कर रहे हैं कि इस बार पहली बार अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी इसमें भाग लेंगे। यह कदम न केवल लीग की प्रतिस्पर्धा को नई ऊंचाई देगा बल्कि भारत को खो-खो का वैश्विक केंद्र बनाने की हमारी दृष्टि को भी दर्शाता है। अल्टीमेट खो खो लीग के तीसरे सीजन में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की भागीदारी लीग के स्तर और इसकी वैश्विक पहचान को नई दिशा देगी। गति, रणनीति और कौशल के अनूठे मिश्रण के साथ यह लीग 2022 में शुरू होने के बाद तेजी से लोकप्रिय हुई है। यह भारत में क्रिकेट के अलावा तीसरी सबसे अधिक देखी जाने वाली खेल लीग बन चुकी है- प्रो कबड्डी लीग और इंडियन सुपर लीग के बाद। पहले सीजन को 64 मिलियन दर्शकों ने देखा था, जिनमें से 41 मिलियन भारत से थे। ओडिशा जगर्नॉट्स ने पहला खिताब जीता था, जबकि गुजरात जायंट्स ने 2023-24 सीजन में जीत दर्ज की। इस कार्यक्रम के दौरान एडवांस्ड लेवल III A प्रशिक्षण कार्यक्रम पर भी प्रकाश डाला गया, जो कोचों और तकनीकी अधिकारियों के लिए एक दो-सप्ताह का गहन प्रशिक्षण शिविर है। यह कार्यक्रम केकेएफआई और आईकेकेएफ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है और इसका उद्देश्य खेल के तकनीकी और वैज्ञानिक ढांचे को मजबूत करना है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 230 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए हैं, जिनमें श्रीलंका, ईरान, ऑस्ट्रेलिया, कोरिया, इंग्लैंड, मलेशिया, नेपाल आदि देशों के 20+ अंतरराष्ट्रीय कोच और तकनीकी अधिकारी शामिल हैं। खास बात यह रही कि इस बार प्रशिक्षण कार्यक्रम हाइब्रिड फॉर्मेट में आयोजित किया गया, जिससे ब्राज़ील और पेरू जैसे देशों की ऑनलाइन भागीदारी भी संभव हो पाई।

बीटेक के बाद केवल प्राइवेट ही नहीं सरकारी नौकरी के भी मौके

बीटेक यानी बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी देश का सबसे लोकप्रिय अंडर ग्रेजुएट कोर्स है जिसे हर साल स्टूडेंट द्वारा अपने करियर का हिस्सा बनाया जाता है। चार साल के इस कोर्स को इंजीनियरिंग के क्षेत्र का प्रवेश द्वार माना जाता है। इस कोर्स के बाद भविष्य में छात्रों को कई अवसर मिलते हैं ये अवसर नौकरी के क्षेत्र में तो मिलते ही हैं साथ ही हायर एजुकेशन के लिए भी यह एक बेहतर ऑप्शन है। आइए विस्तार से चर्चा कर लेते हैं कि बीटेक करने के बाद आप किस तरह अपना करियर बना सकते हैं।

हायर एजुकेशन

बीटेक करने के बाद छात्र आगे की पढ़ाई कर सकते हैं जहां वे एम.टेक या एमई के लिए जाना है, जो दोनों भारत में इंजीनियरिंग कॉलेजों द्वारा पेश किए जाने वाले पोस्टग्रेजुएट स्तर के प्रोफेशनल डिग्री प्रोग्राम हैं। एम.टेक का मतलब मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी है, जबकि एमई का मतलब मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग है। भारत में टॉप इंजीनियरिंग कॉलेजों जैसे आईआईटी और एनआईटी द्वारा पेश किए गए एमटेक प्रोग्रामों में चयनित होने के लिए छात्रों को इंजीनियरिंग में गेट ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट के लिए उपस्थित होना पड़ता है।

एमबीए

बीटेक के बाद छात्रों के लिए सबसे पसंदीदा ऑप्शन एमबीए है। इंजीनियरिंग ग्रेजुएट आमतौर पर कार्य अनुभव हासिल करने के लिए कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से नौकरी करने का विकल्प चुनते हैं और वे कुछ वर्षों के बाद MBA/PGDM प्रोग्राम को अपना लेते हैं। टॉप MBA कॉलेजों में शामिल होने के लिए छात्रों को CAT और CMAT जैसे लोकप्रिय एमबीए एंट्रेंस एग्जाम में शामिल होना होता है।

कैंपस प्लेसमेंट

आमतौर पर कॉलेजों में प्लेसमेंट के जरिए छात्रों का चयन होता है। देश की अलग-अलग कंपनियां कॉलेजों में आकर छात्रों को नौकरी के लिए चुनते हैं। बीटेक के बाद, छात्रों को प्राइवेट कंपनियों द्वारा तकनीकी क्षेत्रों में एंट्री लेवल की नौकरी की भूमिकाओं के लिए काम पर रखा जाता है। आम तौर पर हायर एजुकेशन की इच्छा रखने वाले छात्र अपने फील्ड में अनुभव लेने के लिए कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से नौकरी लेते हैं।

प्राइवेट कंपनियां

जो छात्र कैंपस प्लेसमेंट का विकल्प नहीं चुनना चाहते हैं वे अपना बीटेक प्रोग्राम पूरा करने के बाद नौकरी के लिए विभिन्न प्राइवेट कंपनियों में भी नौकरी के लिए अप्लाई कर सकते हैं। एंट्री लेवल की तकनीकी भूमिकाओं में निजी कंपनियों में शामिल होने के बाद छात्र कॉरपोरेट वर्ल्ड में अपने पैर जमा कर एक्सपीरियंस ले सकते हैं और आगे बढ़ सकते हैं।

इंजीनियरिंग सर्विस एग्जाम

इंजीनियरिंग सर्विस एग्जाम यूपीएससी द्वारा आयोजित एक नेशनल लेवल का एग्जाम है। जो छात्र बीटेक की पढ़ाई के बाद डिफेंस, पीडब्ल्यूडी, रेलवे आदि की परीक्षा में भाग लेना चाहते हैं उनके लिए यह एक बेहतर ऑप्शन है।

पीएसयू नौकरियां

बीटेक करने के बाद छात्र इंजीनियरिंग के लिए गेट यानी ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट के माध्यम से सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में तकनीकी नौकरी भी कर सकते हैं। कई पीएसयू के छात्रों को उनके गेट स्कोर के आधार पर एंट्री लेवल की नौकरियों के लिए नियुक्त करते हैं। कुछ पीएसयू जैसे सीआईआई, इसरो और बीएआरसी भी एंट्री लेवल की नौकरियों के लिए बीटेक छात्रों की स्क्रीनिंग के लिए अपनी परीक्षा आयोजित करते हैं।

सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन में कैसे शुरू करें कॅरियर और क्या है इसके लिए आवश्यक कौशल

सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन या एसईओ एक ऐसी अवधारणा है जो दो दशकों से भी कम समय से अस्तित्व में आयी है लेकिन नौकरियों की एक बड़ी तादात को पैदा किया है, जिसमें लगभग हर उद्योग में पुरुषों और महिलाओं ने अपना कॅरियर बनाया है।

डिजिटल क्रांति ने व्यापार की दुनिया को काफी बदल दिया है, विशेष रूप से डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र में और एसईओ में करियर के रूप में नए अवसर खोले हैं। मार्केटिंग के भीतर पूरे नए टूलकिट सामने आए हैं, जो कुछ दशक पहले अकल्पनीय था। एसईओ आज मार्केटिंग के उन महत्वपूर्ण कार्यों में से एक है जिसने पिछले एक दशक में एसईओ नौकरी के अवसरों की संख्या में काफी इजाफा किया है। सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन या एसईओ एक ऐसी अवधारणा है जो दो दशकों से भी कम समय से अस्तित्व में आयी है लेकिन नौकरियों की एक बड़ी तादात को पैदा किया है, जिसमें लगभग हर उद्योग में पुरुषों और महिलाओं ने अपना कॅरियर बनाया है। एसईओ एक ऐसा पेशेवर व्यक्ति होता है जो सर्च इंजन परिणामों के पीछे एल्गोरिदम को सीखने और उसमें महारत हासिल करने में माहिर होता है ताकि वे अपने ग्राहकों और कंपनियों को सर्च करने में मदद कर सकें। आजकल एसईओ पेशेवर उच्च मांग में हैं। एसईओ विशेषज्ञों को डिजिटल और सामग्री विपणन कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में वेब डेवलपर्स द्वारा सामग्री विपणक के रूप में और कई अन्य भूमिकाओं में काम पर रखा जाता है, केवल इसलिए कि डिजिटल अभियानों को सफल बनाने के लिए कंपनियों को वेब ट्रैफिक की आवश्यकता होती है।

क्या करता है एसईओ ?

जैसे-जैसे अधिक से अधिक व्यवसाय ऑनलाइन होते जा रहे हैं वे प्रतिदिन और भी अधिक सामग्री का उत्पादन कर रहे हैं और अपने ब्लॉग या लेख के जरिये स्टैंड करना और दृश्यता हासिल करना चुनौतीपूर्ण हो गया है, खासकर यदि आप इस क्षेत्र में नए हैं। सही विजिबिलिटी के बिना व्यवसायों के लिए अपने लक्षित दर्शकों तक पहुंचना, अपनी ब्रांड की उपस्थिति बनाना और अपनी वेबसाइट के माध्यम से विश्वास पैदा करके और एक मजबूत मूल्य प्रस्ताव पेश करके संभावनाओं को आकर्षित करना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए एसईओ में करियर आपको ऑर्गेनिक तरीकों के माध्यम से सर्च इंजन पर ब्रांड विजिबिलिटी बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने की मांग करेगा।

एसईओ कैसे काम करता है ?

एसईओ कॅरियर के अवसरों के साथ आप मुख्य रूप से दो मूल सिद्धांतों के साथ काम करेंगे- अत्यधिक प्रासंगिक कीवर्ड-रिच कंटेंट विकसित करना और वेबसाइट और वेब पेजों के लिए गुणवत्ता वाले बैकलिंक बनाना। सर्च इंजन ने एक व्यापक सूचकांक बनाया है जो सर्च क्वेरी के लिए प्रासंगिकता के क्रम में क्रमबद्ध है। इस प्रकार जब उपयोगकर्ता एक खोज क्वेरी में प्रवेश करता है तो सर्च इंजन जल्दी से अपने सूचकांक के माध्यम से चलता है और तुरंत परिणाम देता है। प्रत्येक कीवर्ड के लिए खोजकर्ता सर्च इंजन में इनपुट करता है।

इंडेक्सेशन के लिए ये सर्च इंजन क्रॉलर पर भरोसा करते हैं और इसलिए ऐसा नाम दिया गया है क्योंकि एक स्पाइडर की तरह वे पूरी वेब डायरेक्टरी को क्रॉल करते हैं। बैकलिंक्स गूगल बॉट्स को आपकी सामग्री को शीघ्रता से खोजने में मदद करते हैं क्योंकि वे अधिक आधिकारिक साइटों पर अधिक बार क्रॉल करते हैं। साथ ही अच्छे ऑर्गेनिक बैकलिंक्स आपकी वेबसाइट के लिए विश्वास और प्रासंगिकता का एक मीट्रिक है जो उपस्थिति और रैंक को बढ़ाने में मदद करता है। इसलिए एक प्रासंगिक आधिकारिक साइट से बैकलिंक्स प्राप्त करना कॅरियर के अवसरों के आवश्यक पहलू होते हैं। इसके साथ ही केवल कुछ डोमेन के बजाय कई डोमेन से बैकलिंक प्राप्त करना आवश्यक होता है। गुणवत्ता वाले बैकलिंक आपकी रैंकिंग को त्वरित अवधि में बड़े पैमाने पर बढ़ावा दे सकते हैं और इन सभी विभिन्न आधिकारिक वेबसाइटों से बड़ी मात्रा में रेफरल ट्रैफिक भी प्रदान कर सकते हैं। इसके अलावा एक गुणवत्तापूर्ण सामग्री बनाने और उच्च-गुणवत्ता वाले बैकलिंक्स प्राप्त करने के लिए आपकी गतिविधियाँ भी समय लेने वाली और एक श्रमसाध्य कार्य हो सकती हैं। इसलिए आपको एक उचित योजना के साथ काम करने और धैर्य रखने की आवश्यकता होगी।

किस तरह के कौशल की जरूरत होती है ?

एसईओ अधिक से अधिक जटिल होता जा रहा है क्योंकि सर्च इंजन एल्गोरिदम पर्याप्त रूप से उन्नत होते जा रहे हैं। इसलिए, एसईओ में कॅरियर आज कई कौशलों में महारत हासिल करने की मांग करता है। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण आपको बाजार के रुझानों के साथ बने रहने के लिए एक डायनामिक लर्नर होने की आवश्यकता होती है। सर्च इंजन एक वर्ष के भीतर कई अपडेट लाते हैं और इस बात पर नजर रखना कि वे आपके व्यवसाय को कैसे प्रभावित कर सकते हैं, महत्वपूर्ण होने जा रहा है क्योंकि विभिन्न अपडेट आते रहते हैं। इसके बाद आपको मुख्य एसईओ कौशल में अपने लिए एक मजबूत नींव बनाने की जरूरत होती है। आपको डिजिटल मार्केटिंग के नट और बोल्ट को समझने और व्यावसायिक कौशल विकसित करना शुरू करने की आवश्यकता होती है। आपको नजर रखने और विश्लेषण करने की आवश्यकता है कि प्रतियोगी कैसे आगे बढ़ रहे हैं और इस पर शोध फिर से पूरी तरह से सुनिश्चित होने वाला है। इसके आलावा आपको वेब फंडामेंटल, डेटाबेस तकनीकों और विशेष रूप से फ्रंट एंड, वेबसाइट प्रबंधन के फाइल प्रबंधन पहलुओं की एक ठोस समझ होनी चाहिए। विश्लेषणात्मक कौशल अत्यधिक मूल्यवान होने जा रहे हैं। एसईओ में कॅरियर के लिए आपको अपने प्रयासों के प्रभाव और परिणाम को मापने के लिए गूगल विश्लेषिकी और गूगल सर्च कंसोल के साथ समझने और काम करने की आवश्यकता होती है। आप विविध स्रोतों से प्रतिदिन आने वाली ढेर सारी सूचनाओं के साथ काम कर रहे होंगे। इसलिए आपको न केवल इसका अर्थ निकालने के लिए विश्लेषणात्मक कौशल की आवश्यकता होगी, बल्कि जानकारी को प्राथमिकता भी देनी होगी। एसईओ में कॅरियर के लिए आपको व्यावसायिक परिदृश्य को समझने और गहन प्रतिस्पर्धा विश्लेषण करने की आवश्यकता होगी। बैकलिंक प्रोफाइल को समझने के लिए एक टैब रखें कि वे क्या बना रहे हैं, वे किस प्रकार की सामग्री पोस्ट कर रहे हैं और वे कौन सी प्रेस विज्ञप्ति कर रहे हैं।

आप कैसे शुरुआत कर सकते हैं ?

पहले सर्च इंजन विजिबिलिटी और रैंकिंग के लिए वेबसाइट सेट करना वेबसाइट डेवलपर्स और एडमिन का डोमेन हुआ करता था। लेकिन एक अलग डोमेन और स्वतंत्र अभ्यास के रूप में एसईओ के उदय के साथ अब यह बदल गया है। यदि आप मार्केटिंग, ब्लॉगिंग, एनालिटिक्स के बारे में सीरियस हैं तो यह आपके लिए शुरुआत करने के लिए यह सही क्षेत्र है। इस अभ्यास में उत्कृष्ट विकास क्षमता है। जैसे-जैसे आप अधिक कौशल प्राप्त करते रहेंगे और अपने व्यवसाय और संचार कौशल का निर्माण करते रहेंगे, आप समय के साथ अपने आप से एक डिजिटल मार्केटिंग प्रबंधक बनने की उम्मीद कर सकते हैं। एसईओ में कॅरियर फ्रीलांसिंग स्पेस में कई अवसर भी खोलता है। यदि आप विज्ञान पृष्ठभूमि से नहीं आते हैं तो भी एसईओ कॅरियर के अवसरों में प्रवेश पाना असंभव नहीं होगा। कुछ तकनीकी अवधारणाएँ होंगी जिनमें आपको महारत हासिल करने की आवश्यकता होगी, लेकिन जब आप कोशिश करना शुरू करेंगे तो यह अंततः आपके पास आ जाएगी।

बनना है सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर तो इन बातों का हमेशा रखें ध्यान

फिटनेस के क्षेत्र में जॉब की संभावनाएं बढ़ती जा रही हैं। युवा तो युवा, अधिक उम्र के लोग भी फिटनेस ट्रेनर बनने की तरफ अपने कदम बढ़ा रहे हैं। यह माना जा रही है कि आने वाले वक्त में फिटनेस ट्रेनिंग इंडस्ट्री में बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है। केवल एक लीन बॉडी पाने की चाहत ने ही नहीं बल्कि हेल्थी लाइफस्टाइल की जरूरत ने भी इस क्षेत्र में इतनी वृद्धि की है। एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर के लिए जॉब की अपार संभावनाएं मार्केट में मौजूद हैं। इतना बेहतर करियर लेकिन सवाल सिर्फ एक- 'कैसे बना जाए सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर'। चलिए आज हम आपको विस्तार से बताते हैं कि एक फिटनेस ट्रेनर बनने के लिए आपके पास कौन- से गुण होने चाहिए और आप कैसे बन सकते हैं एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर। फिटनेस ट्रेनर के रूप में करियर चुनते समय इन बातों का रखें ध्यान में।

डेवलप करें जरूरी स्किल्स

फिटनेस के क्षेत्र में करियर बनाना आसान नहीं है। यदि आप इस इंडस्ट्री में प्रवेश करना चाहते हैं, तो आपको फिटनेस फ्रीक बनना होगा और दूसरों को भी फिटनेस हासिल करने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध होना होगा। फिटनेस ट्रेनर व्यक्तियों को उपयुक्त फिटनेस प्रोग्राम का पालन करने के लिए मोटिवेट करते हैं ऐसे में खुद को फिट रखना बेहद जरूरी है। एक फिटनेस ट्रेनर के पास अलग-अलग तरह के लोगों से निपटने के लिए अच्छे कम्यूनिकेशन स्किल की जरूरत पड़ती है।

सर्टिफिकेशन कोर्स में करें रजिस्टर

फिटनेस क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए किसी मान्यता प्राप्त ऑर्गनाइजेशन से सर्टिफाइड होना बेहद जरूरी है। कई संगठन लिखित और प्रैक्टिकल एग्जामिनेशन के साथ विभिन्न प्रकार के फिटनेस ट्रेनिंग कोर्स प्रदान करते हैं। इन सर्टिफिकेशन कोर्स की अवधि 2-3 महीने की हो सकती है जिसकी फीस 10,000-30,000 रुपये के बीच हो सकती है। ज्यादातर सर्टिफिकेशन 2-3 सालों में समाप्त हो जाते हैं और उन्हें रिन्यू करने की जरूरत होती है।

स्पेशलिस्ट सर्टिफिकेशन जरूरी

आप फिटनेस ट्रेनिंग के क्षेत्र में भी अपनी स्पेशलाइज्ड फील्ड में सर्टिफिकेशन ले सकते हैं। यह बेहद जरूरी भी है। अगर आप वेट लिफ्टिंग आदि में रुचि रखते हैं तो उसमें भी सर्टिफिकेशन कोर्स किया जा सकता है।

शुरू करें अपना फिटनेस बिजनेस

एक बेहतर फिटनेस बनने की चाह रखने वालों के लिए अपना बिजनेस शुरू करना बेहद लाभदायक हो सकता है।

ऑन जॉब ट्रेनिंग

अगर आप एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर बनना चाहते हैं तो आपको वर्क एक्सपीरियंस होना बेहद आवश्यक है। ज्यादातर फिटनेस ट्रेनर अपने अनुभव के कारण सफलता प्राप्त कर पाते हैं। प्रोफेशनल एक्सपीरियंस हासिल करने के लिए फ्रेशर्स फिटनेस ट्रेनर के अंडर असिस्टेंट का कार्य भी कर सकते हैं और काफी कुछ सीख सकते हैं।

वॉर 2 छोड़िए... आलिया भट्ट

शरवरी वाघ

करेंगी असली 'धमाका', ये तैयारी देख ऋतिक-शाहरुख को भूल जाएंगे!

YRF स्पाई यूनिवर्स की 2 बड़ी फिल्मों पर तेजी से काम हो रहा है. जहां पहली फिल्म है- WAR 2. 14 अगस्त को यह फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक देगी, जिसमें ऋतिक रोशन और जूनियर NTR भिड़ते हुए नजर आएंगे. फिल्म का कुछ वक्त पहले ही टीजर आया था, जिसे मिलाजुला रिस्पॉन्स मिला. इसे यूनिवर्स की सबसे महंगी फिल्म कहा जा रहा है. जो आने वाली फिल्मों के लिए मंच सेट करेगी. वहीं साल के आखिर में Alia Bhatt और Sharvari Wagh आ रही हैं, जो फिल्म में बॉबी देओल से भिड़ेंगी. पर उससे भी बड़ा धमाका फिल्म में दोनों मिलकर करने वाली हैं. YRF स्पाई यूनिवर्स की फिल्मों में शो स्टॉपिंग ट्रैक सुनने को मिले हैं. बात War के 'जय जय शिवशंकर' की हो या फिर 'पठान' के 'झूमे जो पठान' की. दोनों ही गानों ने खूब धूम मचाई. पर अब शाहरुख खान और ऋतिक रोशन को टक्कर देने के लिए आलिया भट्ट आ रही हैं. फिल्म में किसके साथ स्पेशल डांस नंबर करेंगी ? जानिए.

आलिया-शरवरी करेंगे असली 'धमाका'

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, YRF की पहली स्पाई फिल्म ALPH में एक डांस सीक्वेंस होने वाला है. जिसे मैसिव स्केल पर तैयार किया जा रहा है. कहा जा रहा है कि यह फिल्म का अहम हिस्सा होगा. पिछले 2 महीने से आलिया भट्ट और शरवरी वाघ इस डांस नंबर के लिए तैयारियां कर रहे हैं. यह तैयारी मुंबई के YRF स्टूडियो में चल रही है. दरअसल दोनों एक्ट्रेस इस वक्त कड़ी ट्रेनिंग कर रही हैं. न सिर्फ अपने डांस के लिए बल्कि फिटनेस को अचीव करने के लिए. 'अल्फा' में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ इस अंदाज में दिखेंगी, जैसे पहले न देखी गई हो. दरअसल दोनों का लक्ष्य है ऐसा परफॉर्मेंस देना, जो YRF स्पाई यूनिवर्स के ग्रैंड स्केल को मैच कर सके. हालांकि, यह फिल्म इस यूनिवर्स के लिए बेहद जरूरी है, क्योंकि पहली बार फीमेल स्पाई फिल्म बड़े पर्दे पर धूम मचाएगी. फिल्म इसी साल क्रिसमस पर रिलीज होगी. यह यूनिवर्स की सातवीं फिल्म है.

बॉबी से भिड़ेंगी आलिया-शरवरी वाघ

इस फिल्म में बॉबी देओल खूंखार विलेन बनकर आलिया भट्ट की मुश्किलें बढ़ाते नजर आएंगे. वहीं, वो शरवरी वाघ के साथ एक्शन करती दिखेंगी. वहीं अनिल कपूर बतौर रॉ चीफ फिल्म में होंगे. ऐसी खबरें हैं कि ऋतिक रोशन का पिक्चर में कैमियो होगा.

'स्काई फोर्स' तो फ्लॉप हो गई, लेकिन अक्षय कुमार-वीर ऐसे जीत लिया लोगों का दिल

इस साल की शुरुआत में अक्षय कुमार और वीर पहाड़िया की फिल्म 'स्काई फोर्स' रिलीज हुई थी. इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर तो खास कमाल नहीं दिखाया, लेकिन असल जिंदगी में फिल्म के एक्टर्स ने कुछ ऐसा कर दिया, जिसे भुला पाना मुश्किल होगा. ये फिल्म स्क्वाड्रन लीडर एबी देवय्या की कहानी को दिखाती है, जिसका किरदार वीर पहाड़िया ने निभाया था. इसी फिल्म से एक्टर ने डेब्यू किया है. वहीं अक्षय कुमार ने फिल्म में ग्रुप कैप्टन ओपी तनेजा का किरदार निभाया. स्क्वाड्रन लीडर एबी देवय्या की कहानी को बड़े पर्दे पर लोगों के सामने लाने के साथ ही साथ उन्होंने एबी देवय्या की फैमिली के लिए भी बड़ा काम किया है. इस बात की जानकारी हाल ही में एबी देवय्या की बेटी प्रिथा देवय्या ने दी है. दरअसल, एबी देवय्या एकमात्र ऐसे इंडियन एयर फोर्स ऑफिसर थे, जिनको डेथ के बाद महावीर चक्र से सम्मानित किया गया था. लेकिन, जब वीर और अक्षय को परिवार के साथ बातचीत के वक्त पता लगा कि महावीर चक्रचोरी हो गया है, तो उन्होंने बड़ा कदम उठाया.

बेटी ने की पोस्ट किया शेयर

जब एक्टर्स को इस बारे में पता चला, तो उन्होंने महावीर चक्र को ढूंढ के निकाला और परिवार को सौंप दिया. हाल ही में एबी देवय्या की बेटी ने अपने सोशल मीडिया पर लंबा पोस्ट शेयर करते हुए इस बात की जानकारी दी है. उन्होंने दोनों एक्टर्स को धन्यवाद देते हुए लिखा कि जिस वक्त वीर 'स्काई फोर्स' की शूटिंग के वक्त घर आए थे, उस दौरान उन्हें मेडल के गायब होने का पता लगा था, जिसके बाद उन्होंने औप अक्षय कुमार ने इस मामले में हमारी मदद की और इस कीमती मेडल को वापस ला दिया.

जनवरी में रिलीज हुई थी फिल्म

'स्काई फोर्स' 24 जनवरी, 2025 को रिलीज हुई थी, इस फिल्म को अभिषेक अनिल कपूर और संदीप केवलानी ने डायरेक्ट किया था. फिल्म ने तारीफ तो काफी बटोरी, लेकिन इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई नहीं की थी. ये फिल्म 1965 के भारत-पाकिस्तान हवाई युद्ध में पाकिस्तान के सरगोधा एयरबेस पर भारत के जवाबी हमले पर बेस्ड है. फिल्म में अक्षय कुमार और वीर पहाड़िया के साथ सारा अली खान और निम्रत कौर शामिल थीं.

विमान हादसे में मारी गई अभिनेत्री जुबैदा बेगम की कहानी... श्याम बेनेगल की फिल्म में करिश्मा कपूर ने निभाया था किरदार

कुछ हादसे ऐसी निशानियां छोड़ जाते हैं जिनकी कहानियां कभी पीछा नहीं छोड़तीं. अहमदाबाद विमान हादसे की परछाईं जल्द मिटने वाली नहीं. चीख, पुकार, सिसकियां, आंसू और मौत का मंज़रज भूलना नामुमकिन है. हर मौत एक कहानी. इतिहास में ऐसे कई दिल दहला देने वाले हादसे हुए हैं. यकीनन ये हादसे जख्म कुरेदते हैं. उन्हीं में एक कहानी भारतीय फिल्म जगत की मशहूर अभिनेत्री जुबैदा बेगम की भी है. चालीस के दशक में जुबैदा बेगम एक ऐसी अदाकारा थी, जिसके साहस और सौंदर्य इतिहास की इबारत हैं. उनका निधन भी एक खतरनाक विमान हादसे में हो गया था. जिसकी चर्चा सालों बाद आज भी की जाती है.

इस हादसे पर भी कई सवाल उठे हैं. क्या वह हादसा था या कि कोई साजिश ? अमूमन हर हादसा यही सवाल छोड़ जाता है. उस हादसे में जुबैदा बेगम के पति, जोकि जोधपुर के महाराजा थे, वो भी मारे गए थे. एक कहानी जो पूरी होने से पहले की खत्म हो गई और कई सवालों को जन्म दे गई. वह सवाल आज भी रहस्य का साया बनकर अक्सर जेहन में कौंध जाता है. आखिर उस दिन विमान में क्या-क्या हुआ था. यहां तक कि जोधपुर के महल में एक भटकती आत्मा के बारे में भी कहानी सुनी सुनाई गई. जितने लोग, उतनी ही बातें.

पहली बोलती फिल्म आलम आरा में काम किया था

गौरतलब है कि जुबैदा बेगम हिंदी फिल्मों की अभिनेत्री थीं, उन्होंने हिंदी की कई फिल्मों में काम किया था. वह मूक फिल्मों के दौर में भी अभिनय करती थीं, रोल छोटे हों या बड़े- वह उसे पूरी शिद्दत से निभाती. लेकिन फिल्मी लाइफ के अलावा भी उसकी पर्सनल लाइफ थी. जिसके बारे में घर में हर किसी को नहीं मालूम था. यहां तक कि उसका अभिनय प्रेम उसके पिता को भी नहीं मालूम था. बल्कि वह तो फिल्मों में काम करने के सख्त खिलाफ थे. तमाम विरोध के बावजूद जुबैदा बेगम अपनी जुस्तजू और जज्बात के लिए स्पेस बना ही लेती थी. यही उसकी पर्सनाल्टी की सबसे बड़ी खासियत थी.

श्याम बेनेगल ने बनाई फिल्म, करिश्मा कपूर ने निभाया रोल

वास्तव में जुबैदा बेगम की रहस्यों से भरी उतार-चढ़ाव भरी जिंदगी अपने आप में एक फिल्मी कहानी थी, और यही वजह है कि प्रसिद्ध फिल्मकार श्याम बेनेगल ने साल 2001 में उन पर एक फिल्म बनाई, नाम रखा- जुबैदा. नेशनल अवॉर्ड जीतने वाली यह फिल्म श्याम बेनेगल की फिल्मोग्राफी में अलग ही स्थान रखती है, जो कि मम्मो और सरदारी बेगम की नई कड़ी थी लेकिन जुबैदा के किरदार में करिश्मा कपूर के लिए यह एक ऐतिहासिक मौका था.

अनेरी वजानी

'अनुपमा' फेम इस एक्ट्रेस पर टूटा दुखों का पहाड़, पहले दोस्त और अब इस करीबी ने दुनिया को कहा अलविदा

पॉपुलर टीवी शो 'नुपमा' के जरिए रुपाली गांगुली के अलावा और भी कई कलाकारों ने काफी खास पहचान बनाई है. एक नाम एक्ट्रेस अनेरी वजानी का भी है. उन्हें इस शो में काफी पसंद किया जाता था. अब उनको लेकर एक बुरी खबर सामने आई है. दरअसल, उनकी दादी निर्मला वजानी का निधन हो गया है. अनेरी अपनी दादी के काफी क्लोज थीं. अचानक सामने आई इस दुखद खबर से अनेरी अंदर से टूट चुकी हैं.

अनेरी ने खुद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए अपनी दादी के निधन की जानकारी दी है. उन्होंने 12 जून को को इस दुनिया को अलविदा कहा. 13 जून की सुबह मुंबई के कांदिवली वेस्ट इलाके में उनका अंतिम संस्कार हुआ. 13 जून को अनेरी ने सोशल मीडिया पर एक भावुक कर देने वाला पोस्ट भी शेयर किया.

अनेरी ने दादी के साथ शेयर की खूबसूरत तस्वीर

अनेरी ने अपनी दादी के साथ एक तस्वीर शेयर की. फोटो में दोनों दादी-पोती एक दूसरे के साथ मुस्कुराते नजर आ रही हैं. अनेरी की दादी ने उनका हाथ पकड़ रखा है. दोनों एक दूसरे के साथ काफी खुश नजर आ रही हैं. ये तस्वीर ये जाहिर करता है कि वो अपनी दादी के कितने क्लोज थीं. इस तस्वीर को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, अब मैं आपके बिना क्या करूंगी.

कुछ समय पहले दोस्त ने कहा अलविदा

कुछ समय पहले ही अनेरी के दोस्त और एक्टर विभु राघव ने भी इस दुनिया को अलविदा कह दिया. 3 जून को विभु राघव का कैंसर की वजह से निधन हो गया था. अनेरी और विभु एक दूसरे के काफी अच्छे दोस्त थे. वो अभी दोस्त के जाने के सदमे से बाहर भी नहीं निकल पाई थीं और अब उनकी दादी ने उनका साथ छोड़ दिया.

'अनुपमा' में अनेरी वजानी का किरदार ?

अनेरी वजानी टीवी शो 'अनुपमा' में रुपाली गांगुली की ननद और अनुज कपाड़िया यानी एक्टर गौरव खन्ना की बहन का रोल निभाती थीं. उनके किरदार का नाम मालविका था. इस रोल में लोग उन्हें काफी पसंद करते थे.